लोहे की रड की मार से युवक की मौत

● अब्दुल कय्यूम/दिलीप विश्वास

अररिया जिला के पलासी थाना क्षेत्र के मजलिसपुर पंचायत के द्वारगांव वार्ड नंबर चौदह में बीते 12 मई को मारपीट में गंभीर रूप से घायल राकेश कुमार पासवान की मौत 08 जून को इलाज के लिए पटना ले जाने के क्रम में रास्ते में हो गई। घटना की सूचना पर पलासी पुलिस की देखरेख में शव का अररिया मैं पोस्टमार्टम कराया गया तथा शव को परिजनों को सौंप दिया। इस बाबत मृतक के पिता शिवानंद पासवान ने बताया कि बीते 12 मई को रात के नौ बजे बिहारी गांव निवासी उमेश यादव का पुत्र रविंद्र कुमार यादव जो किसान चौक पर सीएसपी चलाता है मेरे घर आया और किसी काम के बहाने मेरे पुत्र राकेश कुमार पासवान को मोटर साइकिल में बिठा कर अपने साथ ले गया। साढ़े नौ बजे रात में किसी ने सूचना दी कि आपका पुत्र जख्मी हालत में बिहारी पुल के पास सड़क किनारे पड़ा हुआ है। जब मैं तथा मेरे परिवार के अन्य लोग उक्त स्थान पर गए और गंभीर रूप से जख्मी अपने पुत्र को उठा कर घर लाए। मेरे पुत्र राकेश कुमार पासवान ने बताया कि रविंद्र कुमार यादव, बिरेन यादव, उमेश यादव, दिलीप यादव, देवेंद्र यादव, अरुण यादव, संजय यादव, अजय यादव व सन्नी यादव सभी ग्राम बिहारी ने किसी लड़की को मोटर साइकिल में बिठा कर अपने साथ ले जाने के लिए दबाब बनाया। जब मैं लड़की को अपने साथ ले जाने से मना किया तो उपरोक्त सभी लोगों ने जाति सूचक गाली दिया और रविंद्र कुमार यादव ने लोहे का रड से सर में मार कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। स्थानीय ग्रामीणों तथा मृतक के परिजनों ने कहा कि घायल राकेश को इलाज के लिए अररिया ले लाया गया। अररिया के डॉक्टर ने स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पूर्णिया रेफर कर दिया स अपेक्षित लाभ नहीं देख कर परिजनों द्वारा नेपाल के बिराटनगर स्थित न्यूरो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया स न्यूरो हॉस्पिटल से पटना ले जाने के क्रम में रास्ते में उसकी मौत हो गई। वापस लौटने के क्रम में सदर अस्पताल अररिया में लाश का पोस्टमार्टम करने के बाद लाश परिजनों को सौंप दिया गया। मौत की इस घटना से द्वारगांव तथा आस-पास के गांव के लोगों के बीच काफी आक्रोश है। लाश पहुँचते ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी स परिजनों का रो- रोकर बुरा हाल है। सोलह वर्षीय राकेश की अभी शादी नहीं हुई थी स मृतक की माँ फुलिया देवी ने कहा कि मेरे पुत्र को धोखे से ले गया और इस तरह मारा कि उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि बेटे के इलाज में सोलह लाख रुपये खर्च हुआ। मेरी सारी जमीन बिक गई पर बेटे को बचा नहीं पायी। इधर थानाध्यक्ष शिव शंकर कुमार ने बताया कि पूर्व में मृतक राकेश कुमार पासवान के पिता शिवानंद पासवान आवेदन पत्र नौ लोगो के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज हुई हैं। इधर घटना को लेकर ग्रामीणों में भरी आक्रोश व्याप्त हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने दोषी को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर किसान चोक पर सड़क जाम किया। जाम की सूचना पर भाजपा नेता रंजीत यादव तथा थानाध्यक्ष शिव शंकर कुमार मौके पर पहुंच कर आक्रोशित ग्रामीणों को दोषी के खिलाफ शीघ्र करवाई तथा गिरफ्तारी करने का आश्वासन दिया। इस के बाद जाम टूटा तथा ग्रामीणों को समझा बुझा कर जाम तोड़वाया। थानाध्यक्ष शिव शंकर कुमार ने बताया की घटना के दोषियों को शीघ्र सलाखों के भीतर भेजा जाएगा।●

हत्या के बाद आक्रोशित ग्रामीणों को समझाते भाजपा नेता रंजीत यादव

संभावित बाढ़ व सुखाड़ की पूर्व तैयारी से संबंधित समीक्षात्मक बैठक

● अब्दुल कय्यूम/दिलीप विश्वास

अररिया जिला के पलासी प्रखंड मुख्यालय स्थित सभा भवन में अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी सह पलासी प्रखंड के नोडल पदाधिकारी सोनी कुमारी की अध्यक्षता में संभावित बाढ़ व सुखाड़ की पूर्व तैयारी से संबंधित प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की। बैठक में बीडीओ मोनालिसा प्रियदर्शनी, सीओ विवेक कुमार मिश्रा, प्रभारी चिकित्सक जहांगीर आलम, बीसीओ कुमार गौरभ, प्रखंड अल्प संख्यक पदाधिकारी कन्हैया कुमार, प्रमुख प्रतिनिधि सदनानंद यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष मुर्शीद आलम, मोहम्मद रागिब, उप प्रमुख मोहम्मद ताहिर, मुखिया राम प्रसाद चौधरी, राम कृपाल विश्वास, बीरेंद्र पासवान, राजू यादव, समद अली, प्रभु चंद विश्वास, शाहीन, तंजीला खातून, नेहा देवी, लुबड़ी देवी, सुषमा कुमारी, शाहीन, बसंत झा आदि जनप्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक में नोडल पदाधिकारी सोनी कुमारी ने प्रखंड क्षेत्र के बाढ़ व सुखाड़ प्रभावित पंचायतो की पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। इस क्रम में उन्होंने पूर्व प्रभावित व आंशिक प्रभावित पंचायतो को चिन्हित कर बाढ़ आश्रय स्थल,ऊंचे शरण स्थल की जानकारी ली। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने बताया कि बकरा व रतवा नदी के प्रकोप से आधा दर्जन से अधिक पंचायत पूर्ण रूप से बाढ़ प्रभावित रहता है और अन्य पंचायतो में बाढ़ की स्थिति आंशिक होती हैं। बैठक में बाढ़ से पूर्व मानव जीवन व पशुओ को राहत व बचाव कार्यो पर भी विस्तृत समीक्षा की गई। वरीय पदाधिकारी ने संभावित बाढ़ से पूर्व ऊंचे शरण स्थल को चिन्हित करने, मेडिकल टीम व आवश्यक दवाई की उपलब्धता, बाढ़ राहत सामग्री प्लासिटक, मोमबत्ती, माचिस, खाधान, शुद्ध पेय जल संबंधित समस्यों पर भी विस्तृत समीक्षा की गई। बाढ़ के दौरान एसडीआरएफ टीम, नाव व नाविक की व्यवस्था पर भी चर्चा की। बैठक में वरीय पदाधिकारी सोनी कुमारी ने बाढ़ से पूर्व प्रभावित क्षेत्रों में प्रचार प्रसार कराने की भी समीक्षा की गई।●

बैठक में मौजूद नोडल पदाधिकारी, बीडीओ, सीओ, व जनप्रतिनिधि

एस.पी. की अध्यक्षता में विधि व्यवस्था की समीक्षात्मक बैठक

● अब्दुल कय्यूम

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को विधि व्यवस्था, भू-विवाद, थाना जनता दरबार एवं धार्मिक संरचना इत्यादि से संबंधित समीक्षात्मक बैठक का आयोजन समाहरणालय स्थित परमान सभागार में आहूत की गई। बैठक में अपर समाहर्ता राज मोहन झा, भूमि सुधार उप समाहर्ता अररिया एवं फारबिसगंज, अनुमंडल पदाधिकारी अररिया एवं फारबिसगंज, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अररिया एवं फारबिसगंज, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, थानाध्यक्ष एवं संबंधित जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारी गण उपस्थित थे। बैठक में मुख्य रूप से दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत निरोधात्मक कार्रवाई, थाना जनता दरबार (भू-विवाद) (राजस्व), थाना भवन के लिए भूमि की उपलब्धता (राजस्व), अनाधिकृत धार्मिक संरचना (गोपनीय), उत्पाद विभाग एवं विधि प्रशाखा, निलाम पत्र, खनन, शस्त्र का नवीकरण (सामान्य शाखा), चरित्र प्रमाण पत्र सत्यापन (सामान्य शाखा), लोक शिकायत निवारण, न्यायालय वाद (विधि प्रशाखा), भू-समाधान से

बैठक में मौजूद एसपी, उपर समाहर्ता, एसडीओ व अन्य

संबंधित कार्यों की प्रगति एवं उपलब्धि की अंचल एवं थाना वार गहन समीक्षा की गई। बैठक में पीपीटी के माध्यम से बताया गया कि वर्तमान माह तक कुल भूमि विवादों से संबंधित 110 मामलों का निष्पादन किया गया है। मध निषेध की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वर्तमान माह में छापेमारी के दौरान उत्पाद एवं पुलिस विभाग द्वारा कुल 216 अभियोग दर्ज किए गए हैं। कुल 436 की गिरफ्तारी हुई। वहीं कुल 2700.21 ली0 शराब जब्त किया गया है। 26 वाहनों को भी जब्त किया गया है। इसी प्रकार अन्य विभागों की भी कार्य प्रगति एवं उपलब्धि से अवगत कराया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सभी अंचलाधिकारी एवं थानाध्यक्ष को निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से थाना जनता दरबार का आयोजन करना सुनिश्चित करें। साथ ही भू-विवाद से संबंधित मामलों का त्वरित गति से निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने संवेदनशील मामलों को प्राथमिकता के आधार पर नियमानुसार निष्पादन करने का निर्देश दिया। भू-अतिक्रमण की समीक्षा के दौरान सीओ एवं संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को लंबित सभी पुराने मामलों को प्राथमिकता के साथ अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में संबंधित पदाधिकारीगण उपस्थित थे।●

प्रखंड स्तरीय कर्मशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

● अब्दुल कय्यूम/दिलीप विश्वास

अररिया जिला के पलासी प्रखंड के ई किसान भवन में शनिवार को कृषि प्रौद्योगीकि प्रबंध अभिकरण आत्मा अररिया द्वारा महाअभियान-2023 को शत प्रतिशत अमली जामा पहनाने के लिए प्रखंड स्तरीय कर्मशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रखंड के विभिन्न पंचायतो से आये हुए दर्जनों की संख्या में किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप-परियोजना निदेशक आत्मा संतोष कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र अररिया के वैज्ञानिक मो आफताब आलम व प्रभात कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार सिंह तथा प्रखंड तकनिकी प्रबंधक अभिषेक कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया स इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक आफताब आलम ने किसानों को संबोधित करते हुए धान की खेती में होने वाले समस्या तथा रोगों से बचने के वैज्ञानिक उपायों पर विस्तृत चर्चा किया। किसानों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरक का कम से कम उपयोग करें और उसके बदले जैविक उर्वरक का उपयोग करें। कृषि वैज्ञानिक प्रभात कुमार ने मौसम में परिवर्तन एवं इससे फसल पर पड़ने वाले असर से बचने के उपायों पर चर्चा की। उप परियोजना निदेशक संतोष कुमार ने आत्मा द्वारा संचालित सभी योजनाएं जैसे किसान प्रशिक्षण, परिभ्रमण, किसान गोष्ठी तथा किसान पाठशाला के उद्देश्य एवं उससे होने वाले लाभ पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों को प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि जैविक उर्वरक का प्रयोग करें और कम लागत और अधिक लाभ लें। किसानो से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम सम्मान निधि की राशि प्राप्त करने के लिए ई केवाईसी तथा बैंक खाता का एनपीसीआई लिंक यथाशीघ्र करायें स वहीं प्रखंड तकनीकी प्रबंधक सह प्रखंड उद्यान पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने उद्यान द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म सिंचाई, मुख्यमंत्री बागवानी मिशन, राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना पर विस्तृत चर्चा की स प्रखंड कृषि पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार सिंह ने किसानों को खरीफ की सभी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर सहायक तकनीकी प्रबंधक अमोद आनंद, मोनिका कुमारी, पवन कुमार सुमन, कृषि समन्वयक दीपक साहा, अनिल कुमार, अभय कुमार, पंकज राजभर, किसान सलाहकार मिथिलेश चौधरी, जयीम अख्तर, गुरुदयाल, कमलेश साह, अरविंद यादव एवं अन्य मौजूद थे। ●

कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उदघाटन करते अधिकारी

डीएम की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

● अब्दुल कय्यूम

जिला पदाधिकारी, अररिया इनायत खान की अध्यक्षता मे समाहरणालय स्थित परमान सभाकक्ष में जिला कृषि टास्क फोर्स, जिला उद्योग टास्क फोर्स एवं आपूर्ति टास्क फोर्स बैठक आहूत की गई। सर्वप्रथम पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन को लेकर विभाग वार गहन समीक्षा की गई। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारी को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। जिला कृषि टास्क फोर्स बैठक में पीपीटी के माध्यम से गरमा 2023 में फसल अच्छादन, खरीफ 2023-24 के तहत फसल अच्छादन, अनुदानित दर पर बीज वितरण, उर्वरक की प्राप्ति एवं उपलब्धता, कृषि इनपुट अनुदान, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, बागवानी, सफल सुरक्षा योजना, लघु सिचांई आदि की गहन समीक्षा की गई। इस क्रम में जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि गरमा 2023 में फसल अच्छादन का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया गया है। खरीफ 2023-24 में फसल अच्छादन अभी प्रारंभ नहीं हुआ है। खरीफ 2023-24 में उर्वरक की प्राप्ति एवं उपलब्धता को शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जा रहा है। बैठक में खरीफ 2023-24 में प्रखंडवार फसल आच्छादन के निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। जिला उद्योग टास्क फोर्स बैठक में पीपीटी के माध्यम से महाप्रबंधक, उद्योग द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमी, अति पिछड़ा वर्ग उद्यमी, महिला एवं युवा उद्यमी योजनान्तर्गत चयनित लाभुकों को तीन किस्तों में राशि दी जाती है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में चयनित 114 लाभुकों में प्रशिक्षण उपरांत 113 को प्रथम किस्त की राशि उपलब्ध कराया गया है। इसी प्रकार उद्यमी योजना से संबंधित गत वित्तीय वर्ष की प्रगति की विस्तार पूर्वक समीक्षा हुई। साथ ही साथ प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, जिला अद्योद्योगिक नवप्रवर्त्तन योजना, मुख्यमंत्री कुशल श्रमिक उद्यमी कलस्टर योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना आदि की बारी-बारी से समीक्षा की गई।

आपूर्ति टास्क फोर्स की बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अररिया द्वारा पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों का अनुपालन प्रतिवेदन एवं कार्य प्रगति से अवगत कराया गया। समीक्षा के क्रम में बताया गया कि माह मई 2023 का अन्त्योदय अन्न योजना/पी०एच०एच० योजना का 99.28 प्रतिशत खाद्यान्न का उठाव कर 99.30 प्रतिशत खाद्यान्न का वितरण दिनांक 02.06.2023 तक किया गया। वहीं माह जून 2023 का अन्त्योदय अन्न योजना/पी०एच०एच० योजना का 78.55 प्रतिशत खाद्यान्न का उठाव कर 1.30 प्रतिशत खाद्यान्न का वितरण दिनांक 03.06.2023 तक किया गया है। जून माह खाद्यान्न का वितरण दिनांक 03.06.2023 से ही प्रारंभ किया गया है। इसी प्रकार बैठक में राशन कार्ड, डोर स्टेप डिलेवरी, निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण आदि की गहन समीक्षा हुई। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा सभी मार्केटिंग ऑफिसर को उनके कार्य क्षेत्र के पीडीएस दुकानों का नियमित रूप से निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त मनोज कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी संजय कुमार शर्मा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी अररिया एवं फारबिसगंज, सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, मार्केटिंग ऑफिसर सहित संबंधित विभाग के पदाधिकारी गण उपस्थित थे।●

एसएसबी जवानों ने गौवंशों सहित चार तस्करों को किया गिरफ्तार

● धर्मेन्द्र सिंह

19वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल ठाकुरगंज की ए-समवाय पाठामारी के जवानों द्वारा कमान्डेंट 19वीं वाहिनी के निर्देशन पर विशेष गश्त के दौरान गौवंश तस्करी करने वालों के खिलाफ शिकंजा कसते हुए भारत-नेपाल सीमा स्तंभ संख्या 114 से 2.5 किलोमीटर की दूरी (भारत की ओर) मतिपुरा नूरीचौक के पास एक ट्रक टाटा अल्ट्रा संख्या AS28 AC 0508 में अवैध रूप से भरकर ले जा रहे 22 गौवंशों सहित चार तस्करों को गिरफ्तार किया। जो इस गौवंशों को अवैध तरीके से ले जा रहे थे। तस्करों में नजीर हुसैन पिता-अब्दुल कलाम, ग्राम-नेसुका आसाम, अख्तर हुसैन पिता-असिदुल अली, ग्राम-नेसुका आसाम, रशीदुल इस्लाम पिता-मोतालिब अली, ग्राम-हेलोचार पंप सर्थिबरी आसाम एवं जय मंगल तिवारी, पिता-मुकुन तिवारी, ग्राम-श्रीरामपुर रांची शामिल है। सभी तस्करों को आवश्यक कागजी कार्यवाही के बाद गौवंशों समेत मंगलवार को पाठामारी थाना को सुपुर्द कर दिया गया है।●

जनपथ से नहीं जनमत से चल रही है केंद्र की सरकार : प्रवीण

● धर्मेन्द्र सिंह

जनपथ से नही जनमत से चल रही केंद्र सरकार जो पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 140 करोड़ देशवासियों के सर्वांगीण विकास के प्रति समर्पित हो कर कार्य कर रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं को यह गर्व है की देश मे बिना भ्रष्टाचार, घोटाले के लाखों करोड़ों के योजना को पूरा करने व गांव, गरीब, युवा, महिला, किसान मजदूर के हितों को समझने वाली मोदी सरकार सफलता पूर्वक 9 वर्ष पूरे किये है। उक्त बातें भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने भाजपा जिलाध्यक्ष सुशांत गोप, भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंकित कौशिक, जिला उपाध्यक्ष शिवम साहा, जिला महामंत्री साहिल कुमार संग मोदी सरकार के विकास और विश्वास के 9 वर्ष की उपलब्धि एवं आगामी कार्यक्रम की जानकारी 6 जून को पत्रकारों के साथ साझा करते हुए कही। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने कहा कि आज कांग्रेस सहित पूरे विपक्ष का एक मात्र एजेंडा है मोदी हटाओ जबकि हमारी सरकार का गरीबों का उत्थान पीएम के कुशल नेतृत्व में भारत एक नये स्वरूप व नये सामर्थ्य के साथ पांचवीं अर्थव्यवस्था के रूप में विश्व के सामने खड़ा है। कहा कि पिछले 9 वर्षों में लाखों जहा मेक इन इंडिया से लेकर डिजिटल इंडिया तक ना सिर्फ उल्लेखनीय कार्य किये बल्कि समाज के हर वर्ग समूहों के लोगों को अनेकों कल्याणकारी योजनाओं के श्रृंखला से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि इन 9 वर्षों में हर साल एक नया आईआईटी और आईआईएम का निर्माण हर महीने एक यूनिवर्सिटी हर हफ्ते दो कॉलेज और आईटीआई खोले जाने के साथ अनेको एयरपोर्ट, व रिकार्ड स्तर पर एनएच का निर्माण हुआ है जो विकास की गति को दर्शाता है। वही कश्मीर से धारा 370 से खात्मा अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण का शुभारंभ हो या आधुनिक समाज व्यवस्था में रुकावट तीन तलाक की समाप्ति, राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग को संवैधानिक दर्जा देना हो या फिर भारत केंद्रित राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करना ये सभी कार्य मोदी सरकार में हुए। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुशांत गोप ने कहा कि वैश्विक आपदा कोरोना काल में 220 करोड़ मुफ्त वेक्सिनेशन लगाने जैसा अकल्पनीय कार्य हो या तीन बर्षो से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देने की योजना सफलता पूर्वक लागू कर देशवासियों के जीवन को सुरक्षित करने का कार्य किया है। कहा कि हमे गर्व की हमारी पार्टी भाजपा ने देश को सर्वाधिक कार्य करने वाला प्रधानमंत्री दिया जिनके अगुवाई में तुष्टिकरण के बदले सबका साथ सबका विकास के मंत्र को लेकर सीमा सुरक्षा पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। वही भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंकित कौशिक महामंत्री साहिल कुमार एवं उपाध्यक्ष शिवम साहा ने राष्ट्रव्यापी महा जनसंपर्क अभियान के निमित भाजयुमो द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि भाजयुमो इस अभियान के तहत आगामी 30 जून तक मोदी सरकार की युवा समर्पित योजना यथा मुद्रा बैंक योजना, स्किल इंडिया, स्टार्टप इंडिया, नई मंजिल, राष्ट्रीय छात्र वृति आदि योजना के लाभार्थी युवाओ से संपर्क व संवाद कर उनके जीवन मे आये बदलाव और सुझाव को संकलन करेगी। वही हजारों युवाओं को भाजयुमो से जोड़ने हेतु जिला स्तर पर 7 जून से 10 जून के बीच नव मतदाता सम्मेलन न्यू वोटर रजिस्ट्रेशन स्टॉल लगाया जाएगा। जबकि, सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं को हर युवा तक पहुचाने हेतु 15 से 20 जून तक विधानसभा भ्रमण कार्यक्रम के तहत बाइक यात्रा निकालकर युवा चौपाल के माध्यम से 2014 से पूर्व व वर्तमान के भारत पर चर्चा करेगी। वही 25 जून आपातकाल दिवस पर देशव्यापी ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के साथ साथ 21 जून योग दिवस में वृहत सहभागिता, 23 जून डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस पर बूथों पर आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री के डिजिटल रैली में अहम भूमिका अदा करेगी। उक्त जानकारी भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंकित कौशिक द्वारा दी गई।●

गिरफ्तार आरोपी के साथ अगवा व्यक्ति बरामद

पूर्णिया के० हाट सहायक थाना अंतर्गत अगवा करने के आरोप में पांच व्यक्तियों को किया गया गिरफ्तार। अगवा किए गए व्यक्ति को किया गया बरामद। 01 जून को पुलिस को सूचना मिली कि लाइन बाजार स्थित कुंडी पुल के पास 4-5 व्यक्तियों के द्वारा दो व्यक्ति के साथ मारपीट कर उनमें से एक व्यक्ति को अगवा कर लिया गया है एवं फिरौती का मांग किया जा रहा है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक पूर्णिया आमिर जावेद के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर पुष्कर कुमार के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया जिसके सदस्य थानाध्यक्ष के हाट सहायक रंजीत कुमार महतो, थानाध्यक्ष मुफस्सिल संतोष कुमार झा, थानाध्यक्ष मरंगा पंकज आनंद, थानाध्यक्ष मधुबनी टीओपी मनीष चंद्र यादव एवं अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। उपरोक्त पुलिस टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मानवीय साक्ष्य संकलन एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर अगवा किए गए व्यक्ति को कुछ ही घंटों के भीतर, बाड़ी हाट लक्ष्मी मंदिर के पास से बरामद कर लिया गया है। घटना कारित करने वाले पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। घटना में प्रयुक्त एक हुंडई क्रेटा गाड़ी, एक चाकू (स्टील का) एवं छः मोबाइल बरामद किया गया है। **रिपोर्ट :- धर्मेन्द्र सिंह**

जदयू नेता के हत्यारे को पकड़ने में पुलिस को मिली कामयाबी

● धर्मेन्द्र सिंह

कटिहार पुलिस ने बहु चर्चित जदयू नेता कैलाश चौधरी हत्याकांड के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है, पुलिस इस मामले के मुख्य आरोपी ने राकेश को मधेपुरा जिला के चौसा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। लगभग एक महीना पहले 27 अप्रैल को बरारी थाना क्षेत्र के गांधीग्राम के पास दो अज्ञात अपराधियों ने जदयू नेता कैलाश चौधरी को गोलीमार हत्या कर दिया था, इस मामले में पुलिस पहले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और अब मुख्य आरोपी राकेश को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि राकेश कटिहार रेल मंडल के नवगछिया रेल थाना में दो करोड़ के सोना लूट कांड की वांछित अपराधी भी है, पुलिस ने हत्या को अंजाम देने के दौरान इस्तेमाल किये गए देसी कट्टा को भी जब्त कर लिया है। गौर करे कि 27 अप्रैल, समय लगभग शाम 7:15 बजे स्थान कटिहार बरारी थाना क्षेत्र के गांधीग्राम मोटरसाइकिल सवार अज्ञात दो अपराधी ने ताबड़तोड़ गोली मारकर जदयू के पूर्व जिला सचिव वरिष्ठ नेता कैलाश चौधरी को मौत के घाट उतार दिया था, पहले तो इस हत्या को लेकर किसी को कुछ समझ में नहीं आया जदयू बिहार के सत्ता में ड्राइविंग सीट पर है ऐसे में जदयू के वरिष्ठ नेता और जिला स्तर के फाउंडर मेंबर के इस तरह से हत्या से सिर्फ बरारी ही नहीं बल्कि पूरे जिले के साथ साथ प्रदेश की राजनीति में भी हंगामा मच गया, स्थानीय लोग भले ही इस हत्या की वजह और हत्यारों को लेकर साफ कुछ नहीं कर पा रहे थे लेकिन सभी ने एक स्वर में इस घटना की तीव्र आलोचना करते हुए जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।पुलिस ने भी इसे चुनौती के रूप में लेते हुए जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया था, प्रारंभिक जांच में पुलिस को यह पता चल गया इस घटना की वजह किसी भी तरह से राजनीतिक रंजिश नहीं है बल्कि आपसी अदावत में राकेश और संजीव ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया है जबकि एक और शख्स इस हत्याकांड में इन दोनों हत्यारों को सहयोग किया है, पुलिस महज कुछ ही दिनों में एक अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर दोनों आरोपियों की तलाश मे लगातार प्रयास जारी रखा। पुलिस ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर आरोपी द्वारा सरकारी जमीन कब्जा कर अवैध निर्माण वाले घर पर भी बुलडोजर चला कर घर को जमींदोज कर दिया गया था और अब कटिहार पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी राकेश को गिरफ्तार कर सबसे बड़ी सफलता भी हासिल कर लिया है।क्योंकि मामला जदयू नेता के हत्या से जुड़ा हुआ था, इसलिए कटिहार पुलिस लगातार इसकी गुत्थी सुलझाने को लेकर जुटे हुए थे, इसी कड़ी में एक महीना के अधिक समय बीत जाने के

बाद कटिहार पुलिस ने मधेपुरा चौसा से राकेश को गिरफ्तार किया, मुख्य आरोपी राकेश अपने कबूल नामा में पुलिस को बताया कि जदयू नेता कैलाश चौधरी के घर के सामने वह सरकारी पीडब्ल्यूडी के जमीन में इंदिरा आवास और कुछ हिस्सा में अवैध कब्जा कर रहता था, जिसे लेकर इससे पहले भी कैलाश चौधरी से उसकी अदावत हो चुकी है, हत्या के एक दिन पहले भी बात कुछ इस हद तक चला गया कि वह अपने साथी संजीव के साथ मिलकर ताबड़तोड़ गोली चला कर जदयू नेता की हत्या कर दिया। इस मामले में चौंकाने वाला विषय एक और आया है गिरफ्तार हत्या के आरोपी राकेश कटिहार रेल मंडल के नवगछिया रेल थाना में लगभग 2 करोड़ कि सोना लूट कांड के भी आरोपी है, इसलिए रेल पुलिस ने उसे रिमांड लेने की तैयारी में है कटिहार एसपी जितेंद्र कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किए गए देसी कट्टा को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। इस हत्याकांड को 3 लोगों ने मिलकर अंजाम दिया था जिसमें पुलिस ने पहले एक आरोपी और अब मुख्य आरोपी राकेश यानी कुल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि एक आरोपी को गिरफ्तार करने की दावा पुलिस जल्द कर रहे हैं।●

अपराधियों ने घर में लगाई आग

किशनगंज से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। चनामना गांव में अज्ञात अपराधियों ने मां के साथ दो बेटियों को घर में बंद कर आग लगा दी। इस हादसे में मां के साथ दोनों बेटियां बुरी तरह से जल गईं। इलाज के दौरान 04 जून को मां और एक बेटी की मौत हो गई। वहीं, दूसरी बेटी अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रही है। जानकारी के अनुसार, पोठिया थाना क्षेत्र के नौकट्टा पंचायत के चनामना गांव के रहने वाले एक परिवार के तीन सदस्य रात को सो रहे थे। इस दौरान देर रात अपराधियों ने पेट्रोल छिड़ककर घर की कुंडी को बंद कर आग लगा दी। इस वजह से मां के साथ-साथ उसकी दो बेटियों भी बुरी तरह से जल गईं। स्थानीय लोगों ने आग की लपटों को देख उसे बुझाने का प्रयास किया। उसके बाद तीनों घायलों को नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। लेकिन हालत गंभीर होने की वजह से उन्हें सदर अस्पताल किशनगंज भेजा दिया गया। जहां इलाज के दौरान रविवार को मां और एक बेटी की मौत हो गई। वहीं, दूसरी बेटी अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रही है। जानकारी के अनुसार, पोठिया थाना क्षेत्र के नौकट्टा पंचायत के चनामना गांव के रहने वाले एक परिवार के तीन सदस्य रात को सो रहे थे। इस दौरान देर रात अपराधियों ने पेट्रोल छिड़ककर घर की कुंडी को बंद कर आग लगा दी। इस वजह से मां के साथ-साथ उसकी दो बेटियों भी बुरी तरह से जल गईं। स्थानीय लोगों ने आग की लपटों को देख उसे बुझाने का प्रयास किया। उसके बाद तीनों घायलों को नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। लेकिन हालत गंभीर होने की वजह से उन्हें सदर अस्पताल किशनगंज भेजा दिया गया। जहां इलाज के दौरान रविवार को मां और एक बेटी की मौत हो गई। जबकि दूसरी बेटी जिंदगी और मौत से जूझ रही है। तीनों की पहचान चनामना निवासी अंजुरा खातून (32), रिया बेगम (3) और फलक नाज (5) के रूप में हुई है। सूचना मिलने के बाद पोठिया थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों शव को अपने कब्जे में ले लिया और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल किशनगंज भेज दिया है। वहीं, पोठिया थानाध्यक्ष निशाकांत कुमार ने बताया कि दोनों शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए भेज दिया गया है। दोनों का शव शाम तक परिजनों के पास पहुंच जाएगा। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले का खुलासा होगा। फिलहाल घटना की जांच की जा रही है। वहीं, परिजनों का इस घटना से रो-रो कर बुरा हाल है। साथ ही परिजन पुलिस से न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

एच.पी. गैस लिखा टैंक लॉरी से पशु तस्करी

● धर्मेन्द्र सिंह

पूर्णिया में एच.पी. गैस टैंकर से 15 पशुओं को मुक्त कराया गया है। इन मवेशियों को यूपी से लोड किया गया था और पूर्णिया होते हुए बंगाल फिर बांग्लादेश ले जाने की तैयारी थी। लेकिन इससे पहले बजरंग दल, विश्व हिन्दू परिषद और एनजीओ को इसकी भनक लग गई। लोगों ने मवेशियों से भरी गैस टैंक गुलाबबाग जीरो माइल पर रोक लिया। पशु तस्कर तहसीन ने बताया कि गैस टैंकर के पुराने हो जाने के बाद वो लोग इसे पशु तस्करी के लिए इस्तेमाल करते हैं। टैंकर को अंदर से ऐसा आकार दिया गया था कि पशुओं को लंबी दूरी में कोई परेशानी ना हो। मवेशियों को यूपी से गोपालगंज के रास्ते पूर्णिया होते हुए बंगाल कादिर के पास ले जाना था। इसके बाद इन पशुओं को बांग्लादेश ले जाया जाता। इस तस्करी में कुल 4 लोग शामिल थे। इनमें दो तस्कर टैंकर के अंदर और 2 लोग ड्राइविंग सीट पर मौजूद थे। वहीं सदर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि गैस टैंकर को कब्जे में ले लिया गया है। टैंकर से 15 पशुओं को रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया है। साथ ही पकड़े गए सभी 4 तस्करों से पूछताछ की जा रही है। तस्कर का तार कहां से जुड़े हैं। इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। घटना के संबंध में बजरंग दल के जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार मनु, गौ ज्ञान फाउंडेशन के आदर्श और श्रीराम सेवा संघ के सदस्य आशीष सनातनी ने बताया कि उन्हें फोन पर सूचना मिली कि यूपी के बॉर्डर इलाके से त्श्र-02ळठ 0459 नंबर प्लेट वाली एलआरएल ट्रांसपोर्ट की गैस टैंकर में भरकर पशुओं को तस्करी के लिए पूर्णिया के रास्ते बंगाल ले जाया जा रहा है। इसके बाद हम सभी ने गुलाबबाग जीरो माइल से चिन्हित टैंकर को पकड़ा। टैंक लोरी को खुलवाने के पश्चात उसके अंदर से 15 भैंस को बरामद किया गया है। अग्रतर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।●

चिकन नेक से सटे इलाके में चीन कर रहा भारी निवेश

● धर्मेन्द्र सिंह

चिकेन नेक से महज 25 किलोमीटर की दूरी पर चीन करोड़ो रुपए का निवेश कर रहा है। जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों के भी कान खड़े हो चुके है। चीन के द्वारा किशनगंज से सटे फुलवारी बॉर्डर के करीब पंचागढ़, बंग्लादेश में कथित मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का निर्माण करवाया जा रहा है। यह इलाका सिलीगुड़ी और किशनगंज से अधिक दूरी पर नही है। जानकारी के मुताबिक 2.5 अरब रुपये के इस प्रोजेक्ट के मुख्य निवेशक सह चेयरमैन झुझांग लिफेंग है। सूत्रों की माने तो चीन के इंजीनियरों ने कार्य के नाम पर बॉर्डर पर बेस बना लिया है। भारत-बांग्लादेश सीमा के 25 किलोमीटर के दायरे में पंचगढ़- तेनतुलिया राजमार्ग के साथ दरियापारा क्षेत्र में 32 एकड़ जमीन पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण शुरू हो चुका है। एक अखबार में छपी रिपोर्ट के मुताबिक प्रोजेक्ट का नाम नॉर्थ प्वाइंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल है। जिस स्थान पर कार्य चल रहा है वहां से फूलबाड़ी की दूरी काफी कम है। वही जलपाईगुड़ी से चौलहटी की दूरी लगभग 25 किमी है। अगर किशनगंज की बात करे तो लगभग 60 किलोमीटर की दूरी होगी जहा इस प्रोजेक्ट का निर्माण हो रहा है। गौरतलब हो की बीते 8 अप्रैल को बांग्लादेश के वाणिज्य मंत्री टीपू मुंशी ने चीनी प्रतिनिधियों की उपस्थिति में परियोजना का शिलान्यास किया था। सिलीगुड़ी कॉरिडोर के साथ सीमा के इतने करीब बड़े पैमाने पर हो रहे चीनी निवेश से राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर सुरक्षा एजेंसियों के भी कान खड़े हो गए है और खुफिया तंत्र इसका जवाब तलाशने में जुटी हुई है की इस क्षेत्र में इतने बड़े पैमाने पर निवेश का उद्देश्य क्या है। गौरतलब हो की नेपाल और भूटान में चीन कई प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है जो की भारतीय सीमा से बिल्कुल सटा हुआ है। यही नहीं बांग्लादेश में ऐसे कई आतंकी संगठन मौजूद है जिनके द्वारा भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दिया जाता है। कई आतंकी घटनाओं में बांग्लादेशी आतंकी संगठनों की संलिप्तता पूर्व में उजागर हो चुकी है। जिसके बाद भारतीय सीमा से सटे इलाके में चिकित्सा और अनुसंधान के क्षेत्र में निवेश के कई मायने निकाले जा रहे है। सूत्रों की माने तो केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी ने उद्घाटन समारोह का विडियो दिल्ली भेजा है साथ ही पूरे मामले की जांच भी की जा रही है। केंद्रीय एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक पंचगढ़ के प्रोजेक्ट एरिया में चीनी कंपनी ने बहुत बड़ा टेंट बनाया है। परियोजना के प्रारंभिक चरण के लिए चीन से लगभग सौ लोगों की एक टीम पंचगढ़ में मौजूद है और सारा काम चीन के इंजीनियर के द्वारा ही किया जा रहा है। यही नहीं इस प्रोजेक्ट में स्थानीय इंजीनियरों को नही लगाया गया है। सूत्रों की माने तो चीनी इंजीनियर कभी-कभी इलाके में हाई-टेक ड्रोन उड़ाते हैं। ड्रोन का इस्तेमाल क्यों किया जा रहा है, इस पर लोगो की शंका और बढ़ चुकी है। खुफिया एजेंसियों को आशंका है कि चीन ड्रोन के जरिए गुपचुप तरीके से सीमा की निगरानी कर रहा है। जानकारों का कहना है की चीन अपनी विस्तारवादी नीति के तहत चिकेन नेक से सटे इलाके में निवेश कर अपनी पैठ बनाना चाहता है, क्योंकि अगर उसका उद्देश्य व्यवसायिक होता तो वो बॉर्डर इलाके को छोड़ अन्य किसी स्थान पर निवेश करता।ऐसे में जरूरत है भारत बांग्लादेश सीमा से सटे इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था और बढ़ाए जाने की ताकि अगर चीन नापाक हरकत करे तो उसे समय पर मुहतोड़ जवाब दिया जा सके।●

ओवरलोड पर कार्रवाई ऊँट के मुंह में जीरा

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले के ठाकुरगंज बहादुरगंज रूट पर ओवरलोड वाहनों का परिचालन बेरोकटोक व बेखौफ जारी है परिवहन नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए उक्त रूट से होकर ओवरलोड का परिचालन बदस्तूर जारी है। इंट्री माफिया जगह-जगह सक्रिय होकर अपना काला गोरखधंधा चला रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि डायमंड कोड का वर्चस्व जगह-जगह बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। डायमंड कोड बताओ जहां मर्जी वहां ओवरलोड ट्रक लेकर जाओ ना कोई रोकने वाला है ना कोई पूछने वाला है। हालांकि खनन विभाग द्वारा कार्रवाई भी की जाती है लेकिन कार्रवाई महज खानापूर्ति ही साबित हो रही है क्योंकि कार्रवाई के बाद भी ओवरलोड वाहनों का परिचालन थमने का नाम नहीं ले रहा है और इंट्री माफिया के गुर्गे जगह-जगह सक्रिय होकर अपना वर्चस्व बढ़ा रहे हैं। ठाकुरगंज बहादुरगंज रूट पर ओवरलोड वाहनों का ये नजारा, ताराबाड़ी, लोहागढ़ा, कुम्हिया, इकरा रूट एनएच का है। गौरतलब हो कि पूर्व दिनों में भी जिले भर में 07 वाहनों को खनन विभाग द्वारा अवैध खनन और परिवहन मामले में जप्त किया गया। लेकिन परिवहन विभाग द्वारा ओवरलोड वाहनों के परिचालन पर कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही हैं। परिवहन विभाग निंद्रा से कब जागेगी समझ से परे है। ओवरलोड वाहनों के परिचालन से सरकारी राजस्व में प्रतिदिन लाखो लाख रुपए का नुकसान हो रहा है तो वहीं सड़क भी खराब हो रही है। लेकिन इस और विभाग का ध्यान नहीं है विभाग का ध्यान इस ओर आकर्षित कराने को लेकर लगातार पिछले कई दिनों से खबरें प्रकाशित की जा रही हैं लेकिन परिवहन विभाग की नींद नहीं खुल रही है। जांच का विषय है कि डायमंड कोड से पूरे जिले के सड़को पर ओवरलोड का तांडव कौन करवा रहा है, कौन है वो इंट्री माफिया जो डायमंड कोड से सरकारी राजस्व पर प्रतिदिन पानी फेर रहा है। उच्च स्तरीय जांच का विषय है। जिले के लोग ये डायमंड कोड के व्यक्ति के बारे में जानने को व्याकुल हो रहे है तो इधर विभाग कार्रवाई करने से कतराती है। क्या राज है..?

☞ **लगातार प्रकाशित खबरों का हुआ असर कुल 07 वाहन जिलेभर में हुए जप्त :-** जिला में 23 मई को अवैध खनन परिवहन के दौरान किशनगंज थाना अंतर्गत दो 14 चक्का ट्रक एवं एक ट्रेक्टर जप्त कर किशनगंज थाना में रखा गया। ठाकुरगंज थाना अंतर्गत एक छह छक्का, एक ट्रैक्टर जप्त किया गया, गलगलिया थाना अंतर्गत 2 ट्रैक्टर को जप्त कर थाना परिसर में रखा गया। कुल-07 वाहनों को अवैध खनन और परिवहन को लेकर जप्त किया गया। जिला मे अवैध रूप से खनन का कार्य किया जा रहा है, ठाकुरगंज से लेकर टेढ़ागाछ तक रेलवे संवेदक या फिर अन्य लोग बड़े पैमाने पर इस कार्य को अंजाम दे रहे हैं। अवैध खनन का अगर शिकायत जिलाधिकारी तक पहुँचता हैं तो जिलाधिकारी के आदेश पर खनन विभाग कारवाई करती है। कुछ माह पूर्व जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री के आदेश पर खान निरीक्षक, कार्यालय में प्रतिनियुक्त गृह रक्षक बल पौआखाली थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के साथ ठाकुरगंज अंचल अन्तर्गत पौआखाली क्षेत्र के कांटा टप्पू में संयुक्त छापेमारी की गई। नियमनुसार शमन की राशि 58.32,202.00, दो पोकलेन से शमन की राशि 8,00,000.00 कुल शमन की राशि 64,32,202.00 अर्थात कुल 241233.6 घनफीट मिट्टी का अवैध खनन/प्रेषण रेलवे संवेदक द्वारा किया गया है, जो बिहार खनिज (समानुदान अवैध खनन परिवहन एवं भंडारण) नियमावली 2019 यथा संशोधित 2021 के नियम 56 (2) के तहत् संवेदक से कुल राशि 64,32,202-00 (चौसठ लाख बत्तीस हजार दो सौ दो) रूपये वसूली की गई विभाग ने 31 मार्च को पत्र जारी कर राशि जिला खनन कार्यालय, किशनगंज में समर्पित करने का आदेश दिया था जिसके लिए तीन दिन का समय दिया था। ससमय राशि नही जमा करने पर जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी संवेदक की होगी और विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब हो कि बीते कुछ दिनों से लगातार अवैध खनन और परिवहन की खबरें प्राथमिकता से प्रकाशित की जा रही है जिसके बाद उक्त कार्रवाई नजर आई। हैरानी की बात तो यह है कि खनन विभाग पर असर थोड़ा बहुत हुआ भी किंतु परिवहन विभाग घोर निद्रा में क्यों है आखिर राज क्या है?●

स्कूल लिखे वाहन से शराब की तस्करी पर पुलिस की कार्रवाई

● धर्मेन्द्र सिंह

सदर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गुरुवार को दो अलग अलग स्थानों में कार्रवाई कर 390 लीटर विदेशी शराब जब्त किया है। शराब के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है। पहले मामले में ब्लॉक चौक के पास स्कूल लिखे वाहन से 370 लीटर विदेशी शराब जप्त किया है। शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया व्यक्ति सोनू कुमार सुपौल का रहने वाला है। कार्रवाई सदर थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह के निर्देश पर एंटी लिकर सेल के प्रभारी संजय कुमार यादव के द्वारा की गई। शराब बंगाल के दालकोला से सुपौल ले जाया जा रहा था। पुलिस की टीम को शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद एएलटीएफ प्रभारी संजय कुमार यादव पुलिस बल के साथ ब्लॉक चौक के पास वाहनों की जांच करने लगे, तभी वाहन के आगे स्कूल लिखी वाहन गुजर रही थी। आशंका होने पर जांच की गई तो वाहन में शराब लोड किया हुआ मिला। पकड़े गए आरोपी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वो शराब को लोड कर मोजाबारी पुल को पार करने को कहा गया था। हालांकि पकड़ा गया आरोपी पुलिस को चकमा देने के लिए बार बार बयान बदल रहा था।दूसरे मामले में एंटी लिकर सेल प्रभारी संजय कुमार यादव ने खगड़ा पेट्रोल पंप के पास से ई-रिक्शा से शराब ले जा रहे दो युवकों को 20 लीटर विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी विजय सिन्हा व बिक्रम सिन्हा डेमार्केट का रहने वाला है। शराब बंगाल के रामपुर की ओर से लाया जा रहा था। शराब ले जाये जाने की सूचना पर हलीम चौक के पास सहायक अवर निरीक्षक संजय यादव वाहनों पर निगरानी बरत रहे थे। तभी एक ई-रिक्शा वहां से गुजरी। जिसका बाइक से पीछा किया गया और खगड़ा पेट्रोल पंप के पास खदेड़ कर पकड़ लिया गया। दोनों आरोपी युवक किशनगंज शहर में शराब की डिलिवरी देने वाला था। उक्त कार्रवाई से शराब माफियाओं व पियक्कड़ों में हड़कम्प मच गया।●

मेडिकल कॉलेज में नामांकन के नाम पर 14 लाख की ठगी

● धर्मेन्द्र सिंह

सदर थाना पुलिस ने मेडिकल कॉलेज में नामांकन के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करने में सफलता हासिल किया है। शहर के रोलबाग एवं टेउसा में संचालित ख्वाजा गरीब नवाज मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के चेयरमैन डा० मो० अली सिद्धिकी के विरुद्ध असम के बरपेटा जिला निवासी रमजान अली अहमद के द्वारा 14 लाख रूपए ठगी किए जाने को लेकर सदर थाने में मामला दर्ज करवाया गया था। पुलिस कप्तान डॉ० इनाम उल हक मेंगनु द्वारा बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया की आवेदन के आधार पर किशनगंज थाना कांड सं०-230/22, दि०- 06.06.23 धारा-419/420/406/ 467/468/471/120 (बी) भा०द०वि० के अन्तर्गत डा० मो० अली सिद्दीकी एवं काजी तौफिक इस्लाम (मैनेजिंग डायरेक्टर) स्लॉट लेक स्ट्रीट नं०-18) ई०पी० ब्लॉक, सेक्टर-05 कोलकाता 91 ऑपोजीट मिडिया सिटी बिल्डिंग विधान नगर के विरूद्ध दर्ज किया गया। जिसके बाद मामले का अनुसंधान पुलिस के द्वारा किए जाने के बाद फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। एसपी ने बताया की जांच के क्रम में पता चला कि उक्त अभियुक्त द्वारा पूर्व में भी कई लोगों से मेडिकल कॉलेज में दाखिला कराने हेतु फर्जीवाड़ा कर ठगी किया जाता था। जिसके बाद गुप्त सूचना के आधार पर डा० मो० अली सिद्दीकी को किशनगंज बस स्टैण्ड से गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया है। एसपी ने बताया की काजी तौफीक इस्लाम के खाते को फ्रिज करवाया गया है एवं कुछ पैसा वापस दिलवाया गया है। एसपी ने बताया की ख्वाजा गरीब नवाज मेडिकल कॉलेज एवं सहयोगी संस्था Panowa stars Education Pvt. Ltd. की मान्यता को रद्द करने हेतु अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। वही पुलिस के द्वारा बंगाल स्थित ट्रस्ट के संबंध में कोलकाता पुलिस को ठगी के बारे में अवगत करा दिया गया है। वही जांच के क्रम में यह भी खुलासा हुआ है की ऐसा कोई मेडिकल कॉलेज नहीं है। वही एसपी डा० मेंगनु ने आम नागरिकों से सावधान रहने की अपील की है। इस कांड के उद्भेदन में पुलिस अवर निरीक्षक कलीम आलम, रूदल कुमार, अनुज कुमार शामिल थे।●

ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के 11 सदस्य गिरफ्तार

● धर्मेन्द्र सिंह

कटिहार से पुलिस ने ऑनलाइन ठगी करने वाले एक गिरोह के 11 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी हरियाणा साइबर पुलिस की स्पेशल टीम और कटिहार पुलिस द्वारा संयुक्त छापेमारी से हुई है। इस गिरोह के सदस्य कटिहार सहायक थाना क्षेत्र स्थित लोचन मंदिर के समीप किशोर चन्द्र ठाकुर के मकान में किराये पर रहकर ठगी को अंजाम देते थे। ठगों ने पूरे बहुमंजिला मकान को किराये पर ले रखा था, ताकि उनकी गतिविधि की भनक किसी को न लगे। पुलिस ने उनके पास से ठगी में इस्तेमाल होने वाले आठ लैपटॉप, 30 मोबाइल फोन और 35 सिम कार्ड भी बरामद किये। इस बाबत सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ओम प्रकाश ने प्रेस वार्ता कर ये जानकारी दी। घटना के संबंध में कटिहार आए हरियाणा के यमुनानगर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन के सब इंस्पेक्टर नरेंद्र पाल सिंह ने बताया कि पिछले दिनों यमुनानगर के क्राइम ब्रांच में ऑनलाइन ठगी का एक मामला दर्ज हुआ था। इस मामले में पीड़ित प्रीति जोहर के द्वारा शिकायत दी गई थी। उन्होंने अपने कुरियर के ट्रैकिंग के

दौरान इंटरनेट पर मिले नंबर के जरिये संपर्क किया, जिसमें उनको कहा गया कि 5 रुपये का रिचार्ज करने पर उसको अपना कुरियर मिल जाएगा। प्रीति ने रिचार्ज किया, तो उसके बाद एक-एक कर कई ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुछ मिनटों में ही उनके खाते से कुल 5 लाख 50 हजार रुपये उड़ गए। पुलिस ने जांच शुरू की और एक साइबर ठग संजीत कुमार को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर संजीत ने बिहार के सहरसा जिले के नीतीश का नाम बताया और कहा कि नीतीश कटिहार में रहकर ठगी को अंजाम देता है। पुलिस ने जब नीतीश के नंबर का लोकेशन ट्रैक किया, तो उसके नंबर का लोकेशन कटिहार में मिला। इस जानकारी के आधार पर हरियाणा साइबर पुलिस की टीम कटिहार पहुँची और स्थानीय पुलिस की मदद से इस गिरोह को पकड़ लिया। गिरफ्तार हुए ऑनलाइन ठगी गिरोह का सदस्य नीतीश ने किसी भी तरह की साइबर ठगी से इंकार किया है। उनके अनुसार वे लोग गेमिंग और सट्टेबाजी का काम करते है, जिसके एवज में क्लाइंट से पैसा लेते हैं। उन्होंने कहा कि उन लोगों का बॉस कोई यश कुमार है जो उनसे मिलने आता रहता है। गिरफ्तार ऑन लाइन ठगी गिरोह के सदस्य पंजाब, महाराष्ट्र सहित बिहार के अन्य जिलों के रहने वाले हैं। गिरफ्तार हुए सदस्यों में सहरसा जिले के नीतीश, बलराम कुमार, रौशन कुमार, आशीष कुमार और चंदन कुमार तथा बांका के वीरेंद्र कुमार, छपरा के विश्वजीत कुमार, वैशाली के प्रभात कुमार और मधेपूरा के अंकित कुमार शामिल हैं। इनके अलावा पंजाब के लुधियाना की कशिश धौरी और महाराष्ट्र के पुणे के अभिषेक कुमार का भी नाम शामिल है।●

विद्युत तार चोर गिरोह का पुलिस ने किया उद्भेदन

● धर्मेन्द्र सिंह

3 मई को सदर थाना क्षेत्र स्थित महानंदा नदी बांध के पास 33 केवी एग्रीकल्चर फीडर तार चोरी मामले का उदभेदन पुलिस ने कर लिया है। मामले में पुलिस ने विद्युत तार चुराने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया बदमाश अशफाक आलम पीपला, सेमंत चौहान व सुधबशु कुमार डुमरिया का रहने वाला है। तार चोरी के मामले में विद्युत विभाग के कनीय अभियंता आजाद कुमार के आवेदन पर तार चोरी का मामला दर्ज करवाया गया था। घटना को

गंभीरता से लेते हुए एसपी डा० इनाम उल हक मेंगनू के निर्देश पर एसआईटी गठित किया गया था। उक्त टीम द्वार सूचना संकलन व तकनीकी अनुसंधान के आधार पर तार चोरी का उदभेदन करते हुए दोनो आरोपियों को चोरी के तार के साथ गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि दोनो दो वर्ष पहले बिजली विभाग में मजदूर के रूप में काम करते थे और बिजली के खंभा पर चढ़ कर तार बांधना जानते थे। ये लोग किशनगंज के अलावे अगल-बगल के थाना क्षेत्र में भी बिजली तार काट कर चोरी की घटना को अंजाम दे चुके हैं। टीम में इंस्पेक्टर सुनील कुमार पासवान, सदर थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह, अवर निरीक्षक शिव कुमार प्रसाद, अवर निरीक्षक तरूण कुमार तरूणेश, कलीम आलम, जितलेश कुमार, शहनवाज खान, तकनीकी शाखा मनीष कुमार व इरफान हुसैन शामिल थे। ●

प्लम्बर की हत्याकाण्ड मामले में आरोपी नवगछिया से गिरफ्तार

● धर्मेन्द्र सिंह

एक वर्ष पूर्व जुलाई 2022 में धर्मगंज में प्लम्बर की हत्याकांड मामले के एक आरोपी को पुलिस की टीम ने नवगछिया से गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी बिजल उर्फ विजय कुमार रजक बनिया, वार्ड न०-04 रंगरा नवगछिया का रहने वाला है। इससे पूर्व 4 अप्रैल को रंगरा नवगछिया निवासी आरोपी रॉकी उर्फ साजिद बनिया को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। आरोपी के नवगछिया में छिपे होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम नवगछिया पहुंची और रंगरा ओपी पुलिस के सहयोग से आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस आरोपी युवक को किशनगंज लेकर आयी है। पकड़े गए युवक से पुलिस पूछताछ कर रही है। गौरतलब हो कि 26 जुलाई 2022 को पुरबपाली रोड में एमजीएम कर्मी पप्पू गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पकड़ा गया आरोपी विजय कुमार रजक इसी हत्या की घटना का आरोपी था। आरोपी को शूटर के रूप में किशनगंज बुलाया गया था। हत्या के बाद एसपी डा० इनाम उल हक मेगनु के नेतृत्व में एसआईटी टीम का गठन किया गया था। टीम के द्वारा मृतक पप्पू गुप्ता व पत्नी प्रीति गुप्ता का मोबाइल डिटेल्स खंगाला गया था। इसके बाद पुलिस को कुछ सुराग हाथ लगे थे। जांच में पुलिस को हत्या की घटना में मृतक की पत्नी की भी संलिप्तता मिली थी। पुलिस की टीम ने पहले मृतक के भाई राजकुमार को पकड़ा था। इसके बाद अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। सदर थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह ने बताया कि एक वर्ष पूर्व 26 जुलाई को पुरबपाली के पास एमजीएम कर्मी पप्पू गुप्ता की गोली मारकर हत्या की घटना घटी थी। घटना में शामिल मृतक पप्पू की पत्नी प्रीति गुप्ता, राजकुमार साह व शूटर सूरज को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। घटना में छह आरोपी शामिल थे। जिसमें चार आरोपी को पहले व पांचवे आरोपी को शनिवार की देर शाम नवगछिया से गिरफ्तार किया गया है। अन्य एक आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संदिग्ध ठिकानों में छापेमारी कर रही है। टीम में सदर थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह, अवर निरीक्षक कुणाल कुमार शामिल थे।●

डगरूआ थाना अंतर्गत नशा के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई

● धर्मेन्द्र सिंह

पूर्णिया पुलिस अधीक्षक, आमिर जावेद द्वारा जिले के सभी थानाध्यक्ष, ओ०पी० अध्यक्षों को देशी, विदेशी शराब अन्य नशीले पदार्थ की बरामदगी, तस्करों अपराध कर्मियों की गिरफ्तारी हेतु सघन वाहन चेकिंग एवं छापेमारी करने का सख्त निर्देश दिया गया है। दिए गए निर्देश के आलोक में बुधवार को गुप्त सूचना प्राप्त हुआ कि डगरूआ थाना अंतर्गत विश्वासपुर गांव में कुछ लोग बंगाल से स्मैक लाकर पूर्णिया क्षेत्र में खरीद बिक्री का कार्य करते हैं। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बायसी आदित्य कुमार के नेतृत्व में थानाध्यक्ष डगरुआ रामचंद्र मंडल, एएसआई अशोक कुमार एवं अन्य पुलिसकर्मी के सहयोग से विश्वासपूर गांव में घेराबंदी करते हुए चिन्हित स्थान पर छापेमारी की गई। छापेमारी के क्रम में अरविंद कुमार के घर से स्मैक एवं चार पहिया वाहन बरामद किया गया। बाद में इनकी निशानदेही पर तेलनिया रहिका गांव से महफूज आलम को गिरफ्तार करते हुए उसके पास से भी स्मैक, मोटरसाइकिल एवं रुपया बरामद किया गया। पूछताछ के क्रम में उनके द्वारा बताया गया कि उन लोगों का एक संगठित गैंग है, जो सभी पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल से, स्मैक शराब इत्यादि नशीली पदार्थ पूर्णिया क्षेत्र में लाकर खरीद बिक्री का कारोबार करते हैं। विधि-सम्मत कार्रवाई पूर्ण करते हुये सभी गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

★ **गिरफ्तारी :-**

☞ महफूज आलम पिता-मो० समीर सा०-तेलनिया रहिका वार्ड न०-03

☞ राजू यादव पिता-स्व० सुंदर लाल यादव सा०-एकहारा

☞ अरविंद कुमार पिता-ब्रह्मदेव सिंह सा०-विश्वासपुर वार्ड नंबर-08

☞ राहुल कुमार पिता-अरविंद कुमार सिंह सा०-विश्वासपुर वार्ड नंबर-08 सभी थाना डगरूआ जिला पूर्णिया

★ **बरामदगी :-**

☞ स्मैक-90 ग्राम

☞ वोलक्स वैगन वेंटो कार रजि० न०-WB 06F 9197

☞ रुपया कुल-55080

☞ मोटरसाइकिल-02

☞ मोबाइल-03

अच्छे कार्य को लेकर 58 पुलिसकर्मी पुरस्कृत

● धर्मेन्द्र सिंह

बिहार पुलिस अक्सर अपने कार्य को लेकर चर्चाओं में रहती है लेकिन किसी ने सही कहा है कि अगर परिवार का मुखिया सही हो तो परिवार के अन्य सदस्य भी खुद-ब-खुद अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान होते हैं ऐसा ही मामला मुजफ्फरपुर में रेल एसपी डा० कुमार आशीष के आने के बाद देखने को मिला है जहां उनके आने के बाद से ही पूरे जीआरपी पुलिस की कार्यशैली बदल गई है इन पदाधिकारियों के अच्छे कार्य को देखते हुए जहां मुजफ्फरपुर रेल एसपी डा० कुमार ने 58 पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत किया है तो वही कार्य में शिथिलता बरतने वाले पुलिसकर्मियों को रेल एसपी के द्वारा वेतन धारित किया गया है तो 5 पुलिस कर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की गई है पांचों पुलिसकर्मी को निलंबित कर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है जिसके बाद कहीं खुशी कहीं गम की स्थिति बनी हुई है। गोपाल कुमार, जितेंद्र कुमार, मनोज कुमार पांडे, एजाज हुसैन, प्रदीप कुमार सिंह कौशल रजकल, मो० शब्बीर खान, रामप्रवेश उराव, राम बच्चन राय, महिला

सिपाही गुड़िया कुमारी, नीतीश कुमार, सुधीर कुमार, मो० जावेद अंसारी, गुलाम सरवर, धर्जन ठाकुर, राजीव कुमार, अनिल कुमार साह, मो० इंददू हुसैन, रोशन कुमार, प्रियरंजन कुमार, राजकुमार, राकेश शाह, गोरेलाल चौधरी, राजू साह, अनिल कुमार यादव, मो० अरशद जमाल, पप्पू कुमार, राजू कुमार मंडल, हरेंद्र कुमार पासवान, नवीन कुमार, शंभू कुमार, विनय कुमार राय, गणेश रजक, जमादार कुमार मणिकांत झा, गजेंद्र राय, गौरी शंकर पांडे, अशोक कुमार ठाकुर और रूपेश कुमार को पुरस्कृत किया गया।

☞ **अपने कार्यों के प्रति शिथिलता बरतने वाले इन पुलिसकर्मियों के ऊपर रेल एसपी के द्वारा वेतन किया गया धारिता :-** पुलिस आरक्षी निरीक्षक मनोज कुमार, सहायक आरक्षी निरीक्षक संजय कुमार, हवलदार कैलाश राम, पीटीसी धर्मेंद्र कुमार सिंह, डीपीसी दयानंद सिंह, डीपीसी शिवपूजन शाह, अवधेश कुमार, निलावती कुमारी, अंजनी कुमारी, सुबोध वेसरा, अरुण कुमार, महिला सिपाही सविता कुमारी, रेशमा रानी, अंतिमा कुमारी, गुंजा कुमारी, पीटीसी राजेश कुमार, महिला सिपाही प्रियंका कुमारी, महिला सिपाही चंद्रमाला कुमारी, कोमल कुमारी, सिपाही देवेंद्र सादा।

वहीं पूरे मामले में मुजफ्फरपुर रेल एसपी कुमार आशीष ने बताया कि अपने कार्यों के प्रति अच्छे कर्तव्य और निष्ठावान 58 पुलिसकर्मी को पुरस्कृत किया गया है वही कार्यों में शिथिलता बरतने वाले 12 पुलिसकर्मियों के वेतन को धारित किया गया है वही कार्य में लापरवाही बरतने वाले पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर उनसे स्पष्टीकरण की मांग की गई है।●

बिहार सरकार का रोजगार पर कोई ध्यान नहीं : चिराग पासवान

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार के भोजपुर जिले में लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान शनिवार को आरा पहुंचे। चिराग पार्टी के नेता बेगमपुर निवासी दीपक गुप्ता की मां एवं डॉ रजनीश सिंह की मां के देहांत के उपरांत परिजनों को शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए बेगम पुर आये थे। शोक संवेदना व्यक्त करने के उपरान्त चिराग ने कहा कि आज दो हजार का नोट बाजार से गायब है। कही वह माफियाओं के पास तो नही चला गया। नोट बंदी सरकार की राष्ट्रीय नीतिगत फैसला है। हमारी पार्टी भी इसका समर्थन करती है। यह नोट बंदी पहले ही होना चाहिए थी।

☞ **बिहार सरकार का रोजगार पर कोई ध्यान नहीं :-** 2 दिन पहले लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान आरा पहुंचे। चिराग पार्टी के नेता बेगमपुर निवासी दीपक गुप्ता की मां एवं डॉ रजनीश सिंह की मां के देहांत के उपरांत परिजनों को शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए बेगम पुर आये थे। शोक संवेदना व्यक्त

करने के उपरान्त चिराग ने कहा कि आज दो हजार का नोट बाजार से गायब है। कही वह माफियाओं के पास तो नही चला गया। नोट बंदी सरकार की राष्ट्रीय नीतिगत फैसला है। हमारी पार्टी भी इसका समर्थन करती है। यह नोट बंदी पहले ही होना चाहिए थी। बिहार के मुख्यमंत्री कही अपराध होने पर नही जाते, बल्कि प्रधान मंत्री बनने की उम्मीद में कई प्रदेशों में घूम रहे है। भोजपुर में हो रहे अपराध पर हम लोगो ने पद यात्रा निकालकर डीएम एसपी का भी दरवाजा खटखटाया है, लेकिन आज तक अपराध नियंत्रण नहीं हो सका। बिहार सरकार कौन बाबा आए, कौन बाबा गए, तुलसी दास की चौपाई पर ही चर्चा कर बिहारियों का ध्यान भटका रही है। रोजगार पर कोई ध्यान नहीं है। यहां महाजंगल राज कायम हो गया है। मौके पर जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान, शशिकांत त्रिपाठी, मनोज पासवान, पिंटू तिवारी, कुंवर उपेंद्र सिंह, संतोष पासवान, विनोद कुमार, सोनू पासवान, अजय पासवान, रविशंकर चौधरी, राजेश उपाध्याय, राजेश तिवारी, राजीव रंजन सिंह, ललन यादव मौजूद रहे।●

पति-पत्नी के बीच में विलेन बना प्रेमी

● गुड्डू कुमार सिंह

देश के कई हिस्सों से पति, पत्नी के बीच तकरार के कई किस्से सामने आते रहे हैं. वहीं ज्यादातर मामलों में पति और पत्नी के बीच किसी तीसरे के कारण हुआ विवाद सबसे ज्यादा देखने को मिलते रहे हैं, इसी तकरार में दो में से एक की जान भी चली जा रही है, ताजा मामला भोजपुर में घटित हुई है जहां एक महिला ने रविवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला ने अपनी प्रेमी से तंग आकर इस घटना को अंजाम दिया। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। इसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। मामला जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जमीरा गांव का है।

☞ **जमीरा गांव की रहने वाली है महिला :-** मृतका मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जमीरा गांव वार्ड नंबर 5 निवासी अखिलेश मुसहर की 32 वर्षीया पत्नी वेजंती देवी है। मृतका की सहेली तेतरी देवी ने बताया कि 5 साल पूर्व उसके पति ने जमीरा गांव के ही एक छोटका नामक युवक के कारण उसे छोड़ दिया था। जिसके बाद वह बक्सर जिला के कृष्णब्रह्म थाना क्षेत्र के छोटका ढकाईच गांव अपने मायके ही रहती थी। उसके पति ने जमीरा गांव का अपना मकान भी बेच दिया था। इसके बाद वह पटना के बिहटा रहने लगा था।

☞ **पति पत्नी के बीच प्रेमी छोटका बना विलेन :-** उसने बताया कि जमीरा गांव का ही एक युवक छोटका उससे बराबर पैसा लिया करता था और कहता था कि तुम अपने पति को छोड़ दो मैं तुमसे शादी करूंगा। वही उसने बताया कि उसकी मौसी के लड़के की तबीयत काफी खराब थी। जिसको लेकर शुक्रवार की शाम वह पीरो थाना क्षेत्र के तिवारीडीह गांव अपने मौसी के घर उसके लड़के को देखने गई थी।

☞ **महिला का प्रेमी लेकर भाग जाता था पैसा :-** रविवार की सुबह फोन कर उसने उससे कहा कि मैं जमीरा जा रही हूं। उक्त युवक मेरा बार-बार पैसा लेकर भाग जा रहा है। इसी बीच सूचना मिली कि उसने फांसी लगा ली है। जिससे उसकी मौत हो गई है। सूचना पाकर आरा सदर अस्पताल पहुंचे। वहीं दूसरी ओर आपकी सहेली तेतरी देवी ने कहा कि कुछ दिन पूर्व वह उक्त युवक के घर गई थी।

☞ **प्रेमी बोला था दोबारा घर आई तो मार दूंगा :-** जहां उसकी मां द्वारा कहा गया था कि अगर तुम मेरे घर दोबारा आई तो मैं तुम्हें मार दूंगी। जिसके कारण उसने जमीरा गांव के ही छोटका नामक युवक पर उसकी फांसी लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। जबकि पुलिस द्वारा बनाए गए नृत्य समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतका की मौत फांसी लगाने के कारण होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आपका कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा।

☞ **मृतिका का है 3 पुत्र एक पुत्री :-** बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। उधर घटना की सूचना मिलते ही जमीरा पंचायत के मुखिया भरत यादव आरा सदर अस्पताल पहुंचे और मृतका के परिजन से मिल घटना की जानकारी ली एवं उन्हें ढांढस बंधवाया। बताया जाता है कि मृतका को तीन पुत्र पवन, नीतीश,रंजीत एवं एक पुत्री बसंती है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतका के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

नगर पंचायत गढ़हनी में टेम्पू चालकों से 10 रूपये की वसूली

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के नव गठित नगर पंचायत गढ़हनी में टेम्पू चालकों से अब 20 के बदले 10 रुपये की वसूली की जाएगी। नगर पंचायत गढ़हनी के कार्यपालक पदाधिकारी निखिल

कार्यालयः– नगर पंचायत, गढ़हनी (भोजपुर)।
(नगर विकास एवं आवास विभाग बिहार)
पत्रांक–
दिनांक–
E-mail-ulbgarhani@gmail.com
–:कार्यालय आदेशः–
संशोधित बन्दोबस्ती–पत्र

कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत गढ़हनी के ज्ञापांक–122 दिनांक–31.03.2023 द्वारा नगर पंचायत गढ़हनी क्षेत्र के अन्तर्गत चलने वाली टैक्सी, मैक्सी, टेम्पू स्टैण्ड से चुंगी/विकास शुल्क वसूली हेतु वर्ष 2023–24 के लिए दिनांक–23.03.2023 को श्री चन्दन कुमार, पिता–नन्द किशोर सिंह, ग्राम–बहरी, पोस्ट–बालबान्ध, थाना–चरपोखरी जिला–भोजपुर के साथ दिनांक–01.04.2023 से 31.03.2024 तक के लिए 3,35,900/– (तीन लाख पैंतीस हजार नौ सौ रुपये) मात्र में की गई थी, जिसमें आंशिक संशोधन करते हुए वसूली हेतु नई दर एवं शर्तें निम्न प्रकार निर्धारित किया जाता है–

1. टैक्सी, मैक्सी, टेम्पू स्टैण्ड – 10 रू० प्रति दिन।
2. किसी भी परिस्थिति में बेरियर लगाकर वसूली का कार्य नहीं किया जायेगा।
3. बिना कारण बताये बन्दोबस्ती रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

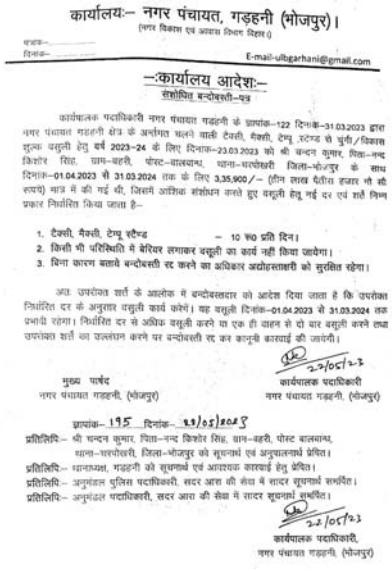

अतः उपरोक्त शर्तों के आलोक में बन्दोबस्तदार को आदेश दिया जाता है कि उपरोक्त निर्धारित दर के अनुसार वसूली कार्य करेंगें। यह वसूली दिनांक–01.04.2023 से 31.03.2024 तक प्रभावी रहेगा। निर्धारित दर से अधिक वसूली करने या एक ही वाहन से दो बार वसूली करने तथा उपरोक्त शर्तों का उल्लंघन करने पर बन्दोबस्ती रद्द कर कानूनी कारवाई की जायेगी।

22/05/23
मुख्य पार्षद, नगर पंचायत गढ़हनी, (भोजपुर)
कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत गढ़हनी, (भोजपुर)

ज्ञापांक– 195 दिनांक– 23/05/2023
प्रतिलिपि– श्री चन्दन कुमार, पिता–नन्द किशोर सिंह, ग्राम–बहरी, पोस्ट बालबान्ध, थाना–चरपोखरी, जिला–भोजपुर को सूचनार्थ एवं अनुपालनार्थ प्रेषित।
प्रतिलिपि– थानाध्यक्ष, गढ़हनी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कारवाई हेतु प्रेषित।
प्रतिलिपि– अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर आरा की सेवा में सादर सूचनार्थ समर्पित।
प्रतिलिपि– अनुमंडल पदाधिकारी, सदर आरा की सेवा में सादर सूचनार्थ समर्पित।
22/05/23
कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत गढ़हनी, (भोजपुर)

कुमार ने संशोधित बंदोबस्ती पत्र द्वारा आदेश जारी किया है। ज्ञात हो कि पूर्व में 1 अप्रैल 2023 से टेम्पू चालको से 20 रुपये वसूली का पत्र जारी किया गया था तब से टेम्पू चालको से 20 रुपया वसूली किया जा रहा था।जिसका विरोध टेम्पू चालको ने कार्यपालक पदाधिकारी एवम जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर किया था। टेम्पू चालक अगिआंव विधायक मनोज मंजिल से मिलकर अपना दुखड़ा सुनया जिसके बाद विधायक ने डीएम से फोन पर बात किया। डीएम ने कहा कि आज से ही टेम्पू चालकों से 10 रुपये वसूली का पत्र जारी कर दिया जाएगा।डीएम के आदेश के बाद आनन फानन में कार्यपालक पदाधिकारी ने संशोधित बंदोबस्ती पत्र जारी किया। जिसके बाद टेम्पू चालको में हर्ष का माहौल छाया हुआ है।

☞ **कार्यवाही पंजी से छेड़छाड़ का पार्षदों ने लगाया था आरोप :-** नगर पंचायत गढ़हनी के वार्ड पार्षदों ने भोजपुर जिलाधिकारी को पत्र देकर कार्यवाही पंजी से छेड़–छाड़ कर गलत करने की शिकायत की थी। पार्षदों ने जांच कमिटी बनाकर जांच कर दोषी पाए जाने वाले कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी। दरसअल नगर पंचायत के पार्षदों ने सामान्य बोर्ड की बैठक में बस बंदोबस्ती की चर्चा पर बस से प्रतिदिन 30 रुपये और टैक्सी मैक्सी और टेम्पू से 10 रुपया वसूलने का निर्णय सर्वसहमति से पारित किया था। बावजूद बंदोबस्ती पत्र में 30 रूपये की जगह 50 रुपये एवम 10 रुपये की जगह 20 रुपये वसूलने का जिक्र किया गया है। उक्त पत्र के जारी होने के बाद सभी पार्षद अंचभित रह गए थे। इस लिए 11 में से 9 वार्ड पार्षद सदस्यों ने हस्ताक्षर करके जिलाधिकारी को पत्र देकर से जांच कमिटी बनाकर दोषी कर्मियों पर कार्रवाई की मांग की थी। टेम्पू चालकों से 20 के बजाय 10 रुपये वसूलने का पत्र तो जारी कर दिया गया, लेकिन अभी भी कार्यवाही पंजी से छेड़छाड़ करने वालो पर कोई कार्यवाई नही की गई है।●

बुजुर्ग विधवा महिला को खंभे से बांधकर पीटा

● गुड्डू कुमार सिंह

मामला सहार थाना क्षेत्र के पतरिया गांव एक बुजुर्ग विधवा महिला को डायन बताकर बिजली के खंभे में बांधकर लगभग 2 घंटे तक रस्सी से बांधकर तपती धूप में रखा गया और वही लाठी डंडे से भी पीटा गया। सूत्रों के जानकारी के अनुसार विधवा महिला पथरिया गांव निवासी स्वर्गीय राम अयोध्या शर्मा की पत्नी कलावती कुअर को उसी गांव के एक ही घर के तीन लोग कमली महतो का पुत्र कुंदन महतो एवं चंदन महतो ने विधवा बुजुर्ग महिला को बिजली के खंभे में रस्सी से बांधकर तपती धूप में पीट–पीटकर अधमरा कर दिया गया है। इसकी सूचना सहार थाना पुलिस को मिली तो तुरंत घटनास्थल पर पहुंच कर मामले का तहकीकात कर रही है। भोजपुर पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार के द्वारा बताया गया कि उक्त मामले में सहार थाना में प्राथमिकी दर्ज करके आरोपियों के खिलाफ छापेमारी की जा रही है जल्दी दोषियों की गिरफ्तारी

वृद्ध महिला को डायन बताकर पेड़ से बांधने वाले दो आरोपी को किया गया गिरफ्तार।।...

बुजुर्ग विधवा महिला को डायन बताकर बिजली खंभे में बांधकर पीटा।।...

सुनिश्चित की जाएगी। भोजपुर जिला के सहार थाना वृद्ध महिला को डायन बताकर पेड़ से बांधने वाले दो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। भोजपुर एसपी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी जानकारी। बताया गया कि सहार थाना अंतर्गत ग्राम पथरिया के कमल किशोर सिंह के बेटे की मृत्यु हो गयी थी। कमल किशोर सिंह के द्वारा गांव के ही एक वृद्ध महिला पर आरोप लगाया गया कि वृद्ध महिला डायन करके ही मेरे बेटे को मार दी है। कमल किशोर सिंह एवं उनके बेटे कुंदन कुमार ने गांव के वृद्ध महिला कलावती कुमार पे०– स्वर्गीय राम अयोध्या, ग्राम–पतरिया को एक पेड़ से बांधकर पिटाई की। घटना की सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष सहार अपने थाना बल के साथ पतरिया गांव में जाकर वृद्ध महिला को छुड़ाया तथा उक्त घटना में शामिल अभियुक्त कमल किशोर सिंह एवं उनके बेटे कुंदन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में उक्त दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध सहार थाना कांड संख्या 82/23 दिनांक 26/05/2023 धारा 341 323 354 34 भादवी एवं 3/4 डायन अधिनियम दर्ज किया गया है।●

जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

● गुड्डू कुमार सिंह

तेजस्वी प्रसाद यादव, माननीय उपमुख्यमंत्री बिहार -सह- प्रभारी मंत्री भोजपुर जिला की अध्यक्षता में भोजपुर समाहरणालय के सभागार में जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न हुआ। इस कार्यान्वयन समिति की बैठक में श्री राजकुमार जिला पदाधिकारी, भोजपुर द्वारा जिले में चल रहे विभिन्न विभागों के योजनाओं के संबंध में विस्तृत रूप से पीपीटी के माध्यम से प्रकाश डाला गया। वही श्री प्रमोद कुमार, पुलिस अधीक्षक, भोजपुर द्वारा विधि व्यवस्था से संबंधित अनेकों मामलों के निष्पादन के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधि श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह, बड़हरा विधायक द्वारा नदी से हो रहे कटाव एवं उसके उपाय के बारे में माननीय उपमुख्यमंत्री से अनुरोध किया। वहीं जगदीशपुर विधायक द्वारा अपने ग्राम में हॉस्पिटल का निर्माण अब तक नहीं होने के संबंध में प्रश्न उठाया। साथ ही तरारी विधायक, सुदामा प्रसाद द्वारा अपने क्षेत्र में किसानों के द्वारा सरकारी जमीन के अतिक्रमण किए जाने के संबंध में मामला उठाया। अगियॉव विधायक श्री मनोज मंजिल के द्वारा अपने क्षेत्र में लगभग 4 वर्ष पूर्व

अनुसूचित जाति के आवासीय विद्यालय के तोड़े जाने के पश्चात अभी तक नया भवन निर्माण नहीं होने के संबंध में मामला उठाया। जिला कार्यान्वयन समिति की बैठक में खनन, आपूर्ति, राजस्व, पंचायती राज, भूमि सुधार, बंदोबस्ती, एस0एफ0सी0, शिक्षा, कृषि, आपदा, पशुपालन, मत्स्य, कल्याण, खेल, मध्यान्ह भोजन योजना, सर्व शिक्षा अभियान, उत्पाद, खनिज, लघु सिंचाई योजना, हेल्थ कार्ड योजना, विद्युत, आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण ग्रामीण कार्य विभाग, पथ निर्माण विभाग इत्यादि के बारे में प्रभारी मंत्री द्वारा जानकारी प्राप्त किया गया एवं उनके द्वारा बताया गया कि राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के बीच आपसी समन्वय बनाते हुए सभी विभाग अपने अपने कार्यों के प्रति तत्पर रहें तथा जो भी जिला के आवश्यक कार्य हो उसे ससमय पूर्ण कर लिया जाए। बाढ़ से कटाव के उपाय संबंधी कार्य समय रहते पूर्ण कर लिया जाए। जो भी सड़कें टूटी फूटी हो उनकी मरम्मत यथाशीघ्र कर लेने का निर्देश दिया गया। साथ ही दो महत्वपूर्ण योजनाओं-

1. धरहरा से स्टेशन तक सड़क और नाली का निर्माण का शिलान्यास
2. नगर निगम द्वारा स्थापित CCTV SURVEILLANCE SYSTEM का उद्घाटन भी किया गया।

जिला कार्यान्वयन समिति की बैठक में जिला पदाधिकारी, भोजपुर/ पुलिस अधीक्षक, भोजपुर/ श्री राधा चरण साह एमएलसी भोजपुर/ मेयर श्रीमती इंदु देवी/संदेश विधायक श्रीमती किरण देवी / अगियॉव विधायक श्री मनोज मंजिल/ तरारी विधायक श्री सुदामा प्रसाद/ जगदीशपुर विधायक श्री राम विशुन सिंह लोहिया /जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती आशा देवी सहित जिले के कई वरीय पदाधिकारियों के साथ- साथ जिले के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। ●

जनता खुद सरकारी जमीन में नींव खोदकर करेगी स्कूल निर्माण : मनोज मंजिल

● गुड्डू कुमार सिंह

अनुसूचित जाति प्राथमिक विद्यालय,ड़ेढ़ुआ के निर्माण के लिए जमीन निर्गत करने के सवाल पर ब्ब अगिआंव से मिला भाकपा माले प्रतिनिधि मंडल। प्रतिनिधिमंडल में अगिआंव विधायक मनोज मंजिल,विधानसभा इंचार्ज रघुवर पासवान,जिला कमिटी सदस्य दसई राम,भोला यादव,विधायक प्रतिनिधि जय कुमार यादव,चंदेश्वर मास्टर थे । ज्ञात हो कि ड़ेढ़ुआ स्कूल के निर्माण कार्य को गांव के सामंती मिजाज के भूधारियों द्वारा रोक लगा दिया गया था,स्कूल निर्माण को शुरू करने के सवाल पर अगिआंव विधायक मनोज मंजिल के नेतृत्व में भाकपा माले का प्रतिनिधिमंडल अंचलाधिकारी अगिआंव से मिला । स्कूल निर्माण के लिए 25 डिसमिल जमीन मिली है एनओसी,जिसमे वर्ग भवन बनेगा साथ ही बच्चे-बच्चीयों के खेलने के लिए जगह भी रहेगा

उपलब्ध । निर्माणाधीन अनुसूचित जाति प्राथमिक विद्यालय, नारायनागंज, डेढ़ुआ के निर्माण को लेकर इंजीनियरों द्वारा जमीन का ले-आउट किया गया तब । निर्माण की प्रक्रिया शुरू होते ही कुछ सामंतियों द्वारा स्कूल नहीं बने दिए जाने की धमकी दी जाने लगी। विधायक ने कहा कि फर्जी तरीके से भूधारियों को बिहार सरकार के जमीन कि बंदोबस्ती कर दी गई है, इसे अविलंब रद्द किया जाए और भूमिहीनों को पर्चा निर्गत कराया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि एक सप्ताह के अंदर ड़ेढ़ुआ स्कूल के निर्माण के लिए जमीन मुहैया नही कराई गई तो होगा जन-आंदोलन, जनता खुद सरकारी जमीन पर नींव खोदकर शुरू करेगी स्कूल निर्माण। विधायक निधि से चल रहे कार्यों के लिए एनओसी देने में काफी विलंब किया जा रहा है खासकर पवना और पवार पंचायत में, सी.ओ. ने दोनों पंचायत के राजस्व कर्मचारियों को लगाई फटकार और सख्त निर्देश दिया कि एनओसी देने में ढिलाई बरतने पर कार्रवाई होगी। ●

शाहाबाद क्षेत्र के सभी पुलिस महकमे की संयुक्त बैठक

● गुड्डू कुमार सिंह

पुलिस महानिदेशक बिहार के द्वारा आज भोजपुर में शाहाबाद क्षेत्र के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तथा पुलिस उपाधीक्षक की संयुक्त बैठक में समीक्षा की गई। समीक्षा के बिंदु ज्यादातर पुलिस से संबंधित ही सभी थे जैसे थानों की कार्यप्रणाली में और बेहतर किस प्रकार से किया जा सकता है, सीनियर पदाधिकारियों के द्वारा भी गंभीर किस्म के कांडों में छापेमारी, गिरफ्तारी स्वयं के नेतृत्व में करवाना। प्राथमिकी दर्ज करते समय अभियुक्त के साथ-साथ संदिग्ध के कॉलम में प्रविष्टि करना, आने वाले त्योहारों को देखते हुए निरोधात्मक और बंध पत्र की कार्यवाही करना, अवैध हथियारों और लाइसेंसी हथियारों के दुरुपयोग को देखते हुए ऐसे लोगों को चिन्हित करते हुए उनके खिलाफ तमाम उपलब्ध विधि संगत कार्यवाही सुनिश्चित करना और साथ ही वैध लाइसेंस के अवैध प्रयोग को देखते हुए उनका कैंसिलेशन के लिए प्रस्ताव भेजना, थाना

में प्राथमिकी के साथ-साथ जनता की अन्य शिकायतों को त्वरित रूप से सुनते हुए तुरंत तथ्य अनुसार कार्यवाही करना आदि। इसके साथ साथ शाहाबाद क्षेत्र के सभी जिलों की पुलिस सभा का आयोजन किया गया जिसमें पुलिसकर्मियों से संबंधित सामूहिक समस्याओं के विषय में तमाम पुलिसकर्मियों ने अपनी बात पुलिस महानिदेशक के सामने रखी जिसके कुछ त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए साथ ही कुछ मांगों को मुख्यालय या नीतिगत स्तर पर हल करने का वादा किया गया और इसके साथ पुलिस महानिदेशक के द्वारा तमाम पुलिसकर्मियों को ईमानदारी और बेहतर व्यवहार के साथ अपनी ड्यूटी करने का निर्देश दिया गया, साथ ही जनता के साथ बेहतर संबंध और विश्वास बनाए रखने की भी निर्देश दिया गया, साथ ही अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया और इसके अतिरिक्त अन्य कई महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाया जा सके और जनता के बीच पुलिस का विश्वास और ज्यादा से ज्यादा बढ़ाया जा सके।●

भोजपुर का कुख्यात नकुल महतो गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर पुलिस ने कुख्यात अपराधी नकुल महतो को गिरफ्तार किया है। इसकी गिरफ्तारी कारनामेपुर ओपी अंतर्गत से हुई है। नकुल मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जमीरा गांव निवासी ललन महतो का पुत्र है। इसके पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा, 2 जिंदा कारतूस,एक मोटरसाइकिल भी बरामद किए हैं। पकड़े गया अपराधी लूट, हत्या कांड में शामिल था। पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार ने बताया कि भोजपुर पुलिस को सूचना मिली थी कि एक हथियारबंद अपराधी शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी एनएच-84 पर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में है । इसके बाद तत्काल उसकी गिरफ्तारी को लेकर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर चेकिंग शुरू की गयी। पुलिस ने बिलौटी-शाहपुर एनएच 84 पर सघन वाहन चेकिंग शुरू की। वाहन चेकिंग के दौरान बाइक सवार हथियारबंद अपराधी पुलिस की गाड़ी को देखकर भागने लगा। अपराधी को पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ा। इसके बाद पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम नकुल महतो बताया, तलाशी में उसके पास से एक देसी कट्टा एवं दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि नकुल महतो जिले के टॉप-20 में शामिल कुख्यात अपराधियों में आता है। शाहपुर थाना अंतर्गत 6 लाख रुपए लूट कांड को अंजाम दिया था एवं

नवादा एवं मुफस्सिल थाना अंतर्गत हत्याकांड में भी वांछित था। छापेमारी टीम में शाहपुर थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार और दारोगा पूनम कुमारी सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

☞ **टॉप टेन अपराधियों में शामिल मुकेश यादव गिरफ्तार :-** भोजपुर के टॉप टेन और 20 अपराधियों की गिरफ्तारी में जुटी पुलिस को शुक्रवार को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने शाहपुर थाना क्षेत्र से हत्या, रंगदारी और पुलिस पर हमला सहित आधा दर्जन मामलों में आरोपित मुकेश कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया। वह करनामेपुर ओपी क्षेत्र के सइयाडेरा गांव निवासी कमला यादव का पुत्र है। मुकेश यादव करनामेपुर ओपी टॉप टेन अपराधियों में शामिल है। उसे शाहपुर थाने नरगदा गांव से गिरफ्तार किया गया है। एसपी प्रमोद कुमार द्वारा शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि टॉप टेन और टॉप 20 अपराधियों की धर-पकड़ को लगातार छापेमारी की जा रही है। उसी क्रम में शुक्रवार रात सूचना मिली कि मुकेश कुमार यादव नरगदा गांव में छुपा हुआ है। उस आधार पर अपराधी की गिरफ्तारी को जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। टीम द्वारा नरगदा गांव स्थित एक घर में छापेमारी कर उसे दबोच लिया गया।

एसपी के अनुसार 2018 में शाहपुर इलाके में छापेमारी करने गयी पुलिस टीम पर हमला किया गया था। उसमें मुकेश कुमार यादव सहित 23 लोगों के खिलाफ केस किया गया था। उस मामले में मुकेश यादव फरार चल रहा था। उसके अलावे मुकेश यादव पर करनामेपुर शाहपुर थाने में 2014 के सितंबर में चोरी और अक्टूबर में रंगदारी जबकि 2016 के जून माह में छिनतई और अक्टूबर माह में हत्या का केस दर्ज हुआ है। वह फिलहाल भी अपराध में सक्रिय था। उसकी गिरफ्तारी बड़ी सफलता है। छापेमारी में शाहपुर थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार, दारोगा पूनम कुमारी और करनामेपुर ओपी इंचार्ज शामिल थे।●

75 साल बाद भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है देवराजी टोला

● गुड्डू कुमार सिंह

तरारी प्रखण्ड मुख्यालय से करीब 06 से 08 किलोमीटर की दूरी पर सैकडों वर्ष पहले से अवस्थित देव पंचायत का देवराजी टोला आजादी के 75 साल बाद भी मूलभूत सुविधा का दंश झेल रहा है। बताते चले कि कल सुबह केवल सच की टीम पडताल में देवराजी टोला गाँव पहुँची तो केवल सच टीम को गाँव पहुँचते पहुँचते पसीने छूट गए ,गाँव से करीब 1200 मीटर पहले टीम अपनी वाईक नदी के एक छोर पर छोड गॉव पहुँची जहाँ 65 वर्षीय बलिराम सिंह से मुलकात के बाद बातचीत के दौरान पता चला कि करीब 20 दिन पहले बहू शारदा देवी की मौत प्रसव पीडा के दौरान रास्ते सही नही होने के कारण हो गई । जिससे किसान बलिराम सिंह काफी आहत दिखे ,इसी दौरान हमारी मुलकात 60 वर्षीय महिला मोतीझारो देवी से हुई ,मोतीझारो देवी ने रोते हुए बताया की किसी तरह के बिमारी में काफी जिल्लत झेलने के बाद करीब 07 ,08 किलोमीटर दूर मोपती बजार जाने के बाद ईलाज संभव हो पाता है जो कि इस अवस्था में गाँव से पैदल चलकर पहुँचना संभव नही हो पाता है सबसे ज्यादा परेशानी तब होती है जब बरसात के दिनों में गाँव तक पहुंचने के लिए रास्ता तक नही होता ,काफी बीमार होने के बाद परिजन किसी तरह खाट पर लाद मोपती, खुटहाँ या सहियारा पहुँचते है ।बरसात के दिनो मे देवराजी टोला काफी अलग थलग पड जाती है उस समय काफी मान मनौवल के बाद ग्रामीण चिकित्सक को परिजन गाँव तक ले जाने में सफल हो पाते है। वही देवराजी टोला निवासी दिनेश यादव बताते है कि बरसात के दिनों में भोजन पर भी आफत बन आता है क्योकी सडंक सुविधा नही होने के चलते आम दिनो में भी काफी परेशानी झेलनी पडती है तो बरसात के दिनो कि स्थिति की कल्पना करना भयावह लगता है। वही किसान श्री भगवान सिंह का कहना है कि आज भी लगता है हमारे पूर्वज हमारे पिछले जन्म के किसी पाप के लिए हमे काला पानी की सजा भुगतने को छोड गये है। वही दिनेश सिंह का कहना है की कभी कभी हमे लगता है कि शायद हम लोग हिन्दुस्तान के नक्से के बाहर है इसलिए कोई भी प्रतिनिधी हमरी व्यथा सुनने को तैयार नही है ।वही उसी समय स्कूल से आती सातवी कक्षा के छात्रा पुजा कुमारी व पाँचवी कक्षा की छात्रा अंशु कुमारी से यह जानना चाहा की बरसात के दिनो में स्कूल कैसे जाती हो तो छात्राओ ने उदास चेहरा के साथ बताया की बरसात कें दिनो में स्कूल नही जा पाती हूँ ,हमलोग पढना तो चाहती हूँ मगर परिवारिक स्थिति अच्छी नही होने के कारण गाँव सें निकलकर कही शहर या बजार में रहकर नही पढ सकती। विडम्बना यह है कि आज तक किसी भी जनप्रतिनिधी ने देवराजी टोला के लोगों का दर्द बाटने का काम नही किया। ग्रामीण महेश सिंह के अनुसार इस गाँव के करीब 20 घरो में 150 लोग व करीब 85 मतदाता निवास करते है ,जब जब चुनाव आता है तब तब जनप्रतिनिधी गाँव तो पहुँचते है और कहते है कि अबकी बार हमे जिताइये हम आप लोग का उदार कर देगे ,लेकिन अजादी के 75 साल बाद भी पंचायत प्रतिनिधी से लेकर विधायक सांसद तक इस गाँव का तारणहार नही बन पाया। आखिर कौन बनेगा देवराजी टोला का तारण हार अबूझ पहेली। देवराजी टोला गाँव में 2020 में प्रधानमत्री विधुतीकरण योजना के तहत बिजली तो गाँव तक पहुँची लेकिन उसकी व्यवस्था परिपूर्ण नही है। वही मुख्यमंत्री सात निश्चय नल जल योजना के नाम पर योजना संख्या 17-18 के तहत देव पंचायत के वार्ड संख्या 13/2 में बारह लाख तेरह हजार की लागत से जल मीनार तो बन गया है लेकिन आज तक किसी घर में एक बुंद पानी तक नही टपका। 2005 में तरारी विधान सभा अपने अस्तित्व में आया उसके पहले विधायक बिकास पुरूष के नाम से जाने जानेवाले डा० सुनील पाण्डेय हुए। 2005 से 2015 तक इनका कार्यकाल रहा इसके बाद से महागठबंधन के नाम पर 2015 से आज तक कामरेड सुदामा प्रसाद तक कार्यकाल जारी है। वही दो बार से आरा लोकसभा का प्रतिनिधित्व कर रहे है पूर्व गृह संचिव व वर्तमान सांसद सह केन्द्रीय उर्जा मत्री के कार्य काल में भी देवराजी टोला का कायाकल्प नही हो पाया है। आखिर कब बहुरेगे देवराजी टोला के दिन?●

लूट कर भाग रहे अपराधियों के साथ पुलिस की मुठभेड़

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान एक अपराधी और एक जवान घायल हो गया। जवान अर्जुन कुमार को पेट में गोली लगी है। घटना शहर के टाउन थाना क्षेत्र के बिंद टोली मोहल्ले का है। विनायक पेट्रोल पंप के संचालक सुशांत कुमार से 4 लाख 99 हजार 5 सौ रुपये बैंक में जमा करने आया था। वह बैंक में प्रवेश कर ही रहे थे कि तभी बगल से ताज अली वहां आ गया और गन दिखाकर पैसे से भरा झोला छीनकर भागने लगा। मौके से कुछ दूरी पर कुछ सिपाही मौजूद थे। इन लोगों ने उसकी घेराबंदी की तो अपराधी फायरिंग करने लगा। इस दौरान सिपाही के पेट में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस के तरफ से भी जवाबी फायरिंग की गई, जिसमें ताज अली को

भी गोली लगी है। पुलिस ने आनन-फानन में जख्मी जवान को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, अपराधी का इलाज आरा सदर अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मी जवान मूल रूप से मुंगेर जिले के नया रामनगर थाना क्षेत्र के कंतपुरा गांव निवासी राम बड़न मंडल का पुत्र अर्जुन कुमार है। वह वर्तमान में भोजपुर के नगर थाने में चीता टीम में तैनात है। इलाज कर रहे चिकित्सक डॉ. विकास सिंह ने बताया कि जख्मी जवान को गोली पेट के बीचो-बीच लगी है। जवान की आंत करीब 6 जगह डैमेज हुआ है। इलाज किया जा रहा है। बुलेट निकाल दिया गया है। उनका बायपास सर्जरी भी किया गया है। शुरू में उनकी स्थिति बिल्कुल नाजुक थी। अभी मरीज की स्थिति बिल्कुल एस्टेबल है। हालांकि उन्हें अभी ऑब्जरवेशन में रखा जाएगा। इधर जख्मी जवान अर्जुन कुमार ने बताया कि अपराधी एक व्यक्ति

से पैसा छीन कर भाग रहा था। जब मैंने उसका पीछा किया तो उसने अपने पास रखे पिस्टल से मुझे गोली मार दी। वहीं दिनदहाड़े इस घटना के बाद आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी प्रमोद कुमार, एएसपी चंद्र प्रकाश और डीआईओ सहित कई थानों की पुलिस घटना स्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है। इस मामले में भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि आरा के नवादा थाना क्षेत्र के कतीरा स्थित एक पेट्रोल पंप है। उसी के मालिक पैसा लेकर टाउन थाना क्षेत्र के आर्य समाज मंदिर स्थित एसबीआई ब्रांच में जमा करने आए थे। जैसे ही वह बैंक के पास अपने बोलेरो से उतरे और बैंक के गेट की ओर जाने लगे। तभी बगल से एक लड़का वहां आ गया और गन दिखाकर पैसा भरा झोला छीनकर भाग गया। हालांकि लोग यहां से पीछा करते हैं और कुछ दूरी पर हमारे

सिपाही मौजूद थे, जो गश्ती कर रहे थे। सिपाहियों ने उसकी घेराबंदी की, तो अपराधी फायरिंग करने लगा। इस दौरान एक सिपाही को पेट में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस के तरफ से भी जवाबी फायरिंग की गई, जिसमें एक अपराधी को भी गोली लगी है। झोला बरामद हो गया है और उसमें रखे पैसे को भी अकाउंट कर लिया जाएगा। विनायक पेट्रोल पंप के संचालक सुशांत कुमार जैन ने बताया कि मैं अपने घर से पेट्रोल पंप का चार 4 लाख 99 हजार 5 सौ रुपये बैंक में जमा करने आया था। जैसे ही मैं बैंक में प्रवेश कर रहा था। तभी एक युवक ने पिस्टल दिखाकर मुझसे पैसे से भरा झोला छीन लिया और गली में भागने लगा। मैने अपने बचाव में पास में रखे लाइसेंसी पिस्टल से फायरिंग भी किया, लेकिन वह पैसा लेकर भाग गया। इसके बाद हम लोग बिहार पुलिस के साथ उसका पीछा किए, लेकिन वह नहीं पकड़ाया।●

लोगों के घर पहुंचे प्रखंड विकास पदाधिकारी

● गुड्डू कुमार सिंह

तरारी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार जिज्ञासु एवं प्रखंड समन्वयक श्रीकृष्ण सिंह के नेतृत्व में प्रखंड के सभी स्वच्छता पर्यवेक्षक का जांच दल भ्रमण कर अवैध तरीके से दूसरे के घर में शौचालय दिखाकर शौचालय राशि प्राप्त करने वाले के घर पहुँच उन्हे नसीहत दी। साथ ही साथ प्राथमिकी दर्ज करने हेतु प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा निर्देश भी दिया गया। जांच के क्रम में ग्राम पंचायत इमादपुर के बिशनपुरा पहुंचे प्रखंड विकास पदाधिकारी जांच दल के साथ चंचला देवी –पति शिवपूजन महतो द्वारा अवैध तरीके से राशि लेने का मामला प्राप्त हुआ । इनके द्वारा दूसरे के घर में शौचालय दिखाकर अवैध तरीके से राशि ले ली गई है। जिनके ऊपर एफआईआर दर्ज कर जेल भेजने के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कड़ी निर्देश के साथ नसीहत दि। वही बिना शौचालय निर्माण किये बिशनपुरा ग्राम के ही गिरजा देवी पति पुनवासी शर्मा, उषा देवी योगेंद्र प्रसाद सिंह मुनमुन सिंह पिता परशुराम सिंह, ममता देवी महिंद्र राम, सुनैना देवी अनिल राम सहित 32 ऐसे लोग मिले जो बिना निर्माण के शौचालय राशि प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन कर सरकारी डाटा के साथ खिलवाड़ किया हैं। इसके लिए सूची बनाकर ऐसे लोगो के खिलाफ प्रखंड विकास पदाधिकारी तरारी द्वारा एफआईआर दर्ज कराई जाएगी । इसी ग्राम पंचायत अन्तर्गत राजपुर ग्राम के कमला देवी जगदीश यादव, जयप्रकाश तिवारी श्री सावन तिवारी, मोनी देवी प्रमोद तिवारी, सुनील कहार रामकृपाल कहार, नीतू कुमारी नरेंद्र कुमार सिंह सहित 84 व्यक्ति ऐसे मिले जो बिना शौचालय निर्माण के गलत तरीके से शौचालय की राशि प्राप्त करना

चाह रहे थे। साथ ही ग्राम पंचायत मोआपखुर्द पहुँची जाँच दल द्वारा सामाजिक अंकेक्षण सोसाइटी के द्वारा दिए गए शिकायत के आलोक में जांच पडताल की। इसके पूर्व में प्रखंड विकास पदाधिकारी तरारी द्वारा विगत माह भी अपने जांच दल के साथ ग्राम पंचायत मोआपखुर्द मे जांच किया था। जहाँ इसी प्रकार अवैध ढंग से दूसरे का शौचालय दिखाकर राशि ले ली गई थी । प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा 15 से 20 दिन के अन्दर शौचालय बना लेने के लिए मोहलत दिया गया था। परंतु आज जांच दल के साथ पहुंचे प्रखंड समन्वयक श्रीकृष्ण सिंह ने पाया कि यह सभी लाभार्थी प्रख्ण्ड विकास पदाधिकारी के आदेश के बाद भी अपने हठधर्मिता का परिचय देते हुए राशि का दुरूपयोग कर अभी तक शौचालय नहीं बनाया गया हैं। इसके लिए संबंधित वार्ड सदस्य एवं वार्ड सदस्य के रिश्तेदार को भी दोषी पाया गया हैं। जिनके ऊपर एफआईआर. होना सुनिश्चित है। जांच के क्रम में कृष्णा पासवान, दुर्गा देवी, उषा देवी, मीरा देवी बेस लाल सिंह अवैध तरीके से राशि लेकर अभी भी शौचालय निर्माण नहीं कराया गया हैं। जिनके ऊपर एफआईआर दर्ज होना सुनिश्चित है। जांच के दौरान वार्ड सदस्य वार्ड संख्या 1 मालती देवी के पुत्र अमरजीत कुमार यादव द्वारा एक गरीब लाभार्थी महिला दुर्गा देवी से धोखे से शौचालय की राशि गलत तरीके से 10000 (दस हजार) रू० ले ली गई है। जिसके कारण यह शौचालय बनाने में अपने आपको असक्षम महसूस कर रही है । अगर इसके घर में शौचालय नहीं है तो इसका संपूर्ण दोस अमरजीत कुमार यादव का है। जिनके ऊपर प्रखंड प्रशासन के द्वारा एफआईआर. होना सुनिश्चित हो गई है। जांच दल में शंकर कुमार साह, निजामुद्दीन शैलेश कुमार, नागभूषण गिरी, हरेंद्र गिरी ,मुन्ना कुमार, रामाकांत टुनटुन कुमार ,शशि भूषण, युगत लाल राजीव रंजन सिंह सहित प्रखंड समन्वयक श्रीकृष्ण सिंह उपस्थित रहे। इन सभी के अनुशंसा पर सरकारी डाटा के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों पर एफआईआर होना सुनिश्चित हो गया है।●

गड़हनी बनास नदी का फोटो।

विलुप्त होने की कगार पर गड़हनी बनास नदी फ़ोटो।

कुंभकरणी नींद में जिला प्रशासन

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिला के नव सृजित नगर पंचायत गड़हनी सह प्रखंड सह अंचल के ग्राम गड़हनी पुरानी बाजार मे स्थित शिव पार्वती की शिवलिंग विगत 200 वर्षों से अवस्थित है। जिसको मिनी काशी के नाम से भी जाना जाता है। यह शिवालय किसी भी परिचय का मोहताज नहीं है। बिहार राज्य धार्मिक न्याय समिति के द्वारा निबंधित इस शिवालय के प्रांगण में भी अतिक्रमण का मामला न्यास परिषद मे चल रहा है और आलम यह है कि जिस देश में हर घर शौचालय अभियान चलाकर अखंड भारत मनाया जा रहा है वहीं इस शिवालय के प्रांगण में ही शौचालय नहीं है। जिसके वजह से श्रद्धालुओं एवं आगत अतिथियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शौचालय नही होने से लोगो को नदी के किनारे खुले में शौच कर शर्मसार होना पड़ता है। प्रतिवर्ष शिवालय के प्रांगण में सैकड़ों शादियां संपन्न होती हैं। और समिति को गज मंत्र भी प्राप्त होता है। लेकिन राजनैतिक षड्यंत्र की वजह से शौचालय एवं नवीकरण का कार्य नहीं हो रहा है। वहीं स्थानीय प्रशासन भी मुख दर्शक बनकर भूमिका का निर्वाहन कर रही है। गड़हनी अब नगर पंचायत में बन चुका है। जिसका चुनाव भी संपन्न हो चुका है लेकिन समय के अनुसार यहां पर स्थानीय प्रशासन

मांगलिक कार्य करते गड़हनी शिवालय प्रांगण की फोटो।...

की लापरवाही की वजह से विभिन्न प्रकार की मनमानी बनी हुई है। एम० एच० 12 आरा सासाराम रोड के गड़हनी बाजार शिवालय परिसर तक अतिक्रमण का यह आलम है कि चार पहिया वाहन बहुत मुश्किल से प्रवेश करता है। वह भी 500 मीटर पहले ही एक तरफ गाड़ी को रोकना पड जाता है। गोला बाजार से शिवालय तक लगभग 1 किलोमीटर की दूरी है। एक तरफ अतिक्रमण तो दुसरी ओर बनास नदी मे बनी बिना रेलिंग की छोटी पुलिया मंदिर परिसर तक पहुंचने मे बाधक बनी हुई है। सड़क के दोनों तरफ मकान मालिकों के द्वारा निर्मित दुकान सड़क के जमीन पर ही बना दिया गया है। कहीं पूरा दुकान सड़क के ही जमीन पर है जिसकी वजह से मोटरसाइकिल चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय प्रशासन के सक्रिय रहने के बाद भी आपदा की स्थित मे ना ही एंबुलेंस ना ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी घटनास्थल पर पहुंच पाता है। पुलिस की गाड़ी भी गड़हनी के गोला बाजार से शिवालय तक पेट्रोलिंग नहीं कर सकती है क्योंकि अतिक्रमण के कारण वाहन का आवागमन चुनौतीपूर्ण है। बनास नदी जो भोजपुर जिला की धरोहर के रूप मे पहचान रखती है। उसको भी कूड़ा कचरा से विलुप्त करने की कोशिश की जा रही है तथा उक्त जमीन पर भी अतिक्रमण करके मकान बनया जा रहा है। व्यक्तिगत झगड़ा कोई मोल नहीं लेना चाहता जिसकी वजह से इस प्रकार की गंभीर समस्या का आवेदन भी कोई नहीं देना चाहता। व्यक्तिगत स्वार्थ के कारण अतिक्रमण बनाया गया है।गड़हनी प्रखंड सह अंचल लगभग 200 से अधिक गांव का सबसे बड़ा बाजार है और गडहनी गोला बाजार से शिवालय ताक बड़ा बाजार है और प्रतिदिन एक करोड़ के आसपास व्यापार होता है। जहां पर अतिक्रमण की आड़ में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है और सड़क के अतिक्रमण की वजह से तत्परता के साथ चौकसी भी संभव नहीं है। इस समस्या को देखते हुए गड़हनी गांव के ही रहने वाले जिनका ब्रजेश मिश्र उरवार अपने माध्यम से राज्यपाल बिहार, मुख्यमंत्री, राज्य मानवाधिकार आयोग, बिहार राज्य श्रमिक न्यास परिषद पटना, आयुक्त पटना, प्रमंडल पटना, सीओ गड़हनी, जिला अधिकारी भोजपुर सहित कई उच्च अधिकारियों को इस मामले की जानकारी आवेदन देकर दिया है। आवेदन देने के उपरांत ही गड़हनी में अतिक्रमण गड़हनी अंचलाधिकारी गड़हनी थाना चरपोखरी थाना के नेतृत्व में हटाया गया था अतिक्रमण हटाने के बावजूद भी गड़हनी में अतिक्रमण ज्यों का त्यों ही रहा, जिसकी फोटो संलग्न है। ●

अतिक्रमण हटाते हुए गड़हनी अंचलाधिकारी की फोटो।...

डॉक्टर है या दरिंदा

● गुड्डू कुमार सिंह

चिकित्सक का कर्तव्य होता है मरीज को उचित इलाज देना। अस्पताल जाने वाले हर मरीज को भरोसा रहता है कि उसकी परेशानी दूर होगी। लेकिन यह भी सत्य है कि कोई भी चिकित्सक किसी इलाज के बारे में गारंटी नहीं ले सकता है। मरीज की उम्र, बीमारी के प्रसार समेत कई कारण इलाज के प्रभाव को कम या ज्यादा कर सकते हैं। ऐसे में किसी भी मरीज के मामले में अनहोनी की आशंका बनी रहती है। मरीज के साथ हुई अनहोनी का कारण चिकित्सक की लापरवाही है या नहीं, इसे समझना बहुत जरूरी है। ऐसे ही घटना बिहार के आरा में घटी है जो काफी दर्दनाक है ,आपको बता दें कि डॉक्टर के लापरवाही से हुए युवक के मौत से नाराज परिजनों ने नर्सिंग होम में तोड़फोड़ किया है,वही परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर डॉक्टर के खिलाफ सड़क जाम कर आगजनी कर दिया है, आकोर्षित लोगों ने डॉक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहे हैं, लोगों ने अपनी मांगों को लेकर जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे, आनन फानन में घटनास्थल पर पुलिस पहुँची, आक्रोशित लोगों को शांत कराने का प्रयास: किया, लेकिन गुस्साए लोगों ने पुलिस की बातों को नहीं माने, घटनास्थल पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को बुलाने की मांग पर अड़े रहे।

☞ **छत से गिरकर युवक का पैर हुआ था क्रैक :-** भोजपुर जिले के अगिआंव थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ौडा गांव निवासी धनंजय सिंह (38वर्ष) गत 18 मई को छत से गिर गया था, जिससे उसका बाया पैर टूट गया था, उक्त युवक को

ईलाज के लिए आरा मुख्यालय स्थित क्लब रोड में एक ऑर्थो डॉक्टर किया भर्ती कराया गया था जहां ऑपरेशन के दौरान डॉक्टर की लापरवाही से युवक की मौत हो गई।

☞ **डॉक्टर ने ऑपरेशन के लिये मोटी रकम का डिमांड किया, उसके बावजूद ऑपरेशन सक्सेसफुल नहीं रहा :-** मृतक के परिजनों ने बताया कि डॉक्टर ने ऑपरेशन करने से पहले 50 हजार रुपये जमा करा लिए थे, कुछ रकम ऑपरेशन सक्सेसफुल होने के बाद देने के लिए बोला गया था,बता दे कि 23 मई को डॉक्टर अपनी टीम के साथ धनंजय सिंह को ऑपरेशन थिएटर में लेकर चले गए जहां पैर का ऑपरेशन करने के बाद युवक का होश नहीं आया डॉक्टर ने परिजनों से कहा स्थिति स्थिति काफी दयनीय हो चुकी है इसे पटना लेकर जाना होगा लेकिन एंबुलेंस में ले जाने से पहले ही युवक ने दम तोड़ चुका था, इस घटना से आक्रोशित लोगों ने डॉक्टर की क्लीनिक में हो हंगामा करना शुरू कर दिया, डॉक्टर हंगामे को देखते हुए घटनास्थल से फरार हो गए। पूर्व मंत्री सह बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह के आश्वासन के बाद लोगों का गुस्सा शांत हुआ, उसके बाद सड़क जाम समाप्त हुआ। बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह घटनास्थल पर पहुंचकर आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर सड़क जाम हटवाया, उन्होंने घटनास्थल से ही पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार से कहाँ की नशे में धुत रहने वाले एवम फर्जी डॉ० के खिलाफ कार्रवाई करें,विधायक ने यहाँ तक कह डाला ये ऐसे डॉक्टर है, जो अंग टूटा रहता है, उसे छोड़कर नशे के हालात में दूसरे अंग का ऑपरेशन कर डालते हैं, ऐसे डॉक्टर पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिये।●

बक्सर में इस्कॉन मंदिर हेतु दान पत्र का निबंधन

● बिन्ध्याचल सिंह

अंतर्राष्ट्रीय कृष्णा भावनामृत संस्था (इस्कॉन) शाखा पटना केंद्र के तत्वावधान में बक्सर में भी भव्य इस्कॉन मंदिर बनने की दिशा में पहल शुरू हो गई। इस्कॉन पटना बिहार के प्रेसिडेंट प्रभु श्री कृष्ण कृपा दास का पटना से बक्सर आने पर भव्य स्वागत किया गया। बक्सर इस्कॉन हेतु जमीन दानदाता सह बक्सर केंद्र प्रबंध क राजेंद्र प्रसाद तिवारी उर्फ श्री राधा गोविंद दास, इस्कॉन के लाइफ पैट्रन सह स्मृति कॉलेज के निदेशक डॉ रमेश कुमार के साथ प्रेसिडेंट श्री कृष्ण कृपा दास द्वारा इस्कॉन आश्रम स्थल का निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात् निबंधन कार्यालय में जाकर इस्कॉन मंदिर निर्माण, धर्म प्रचार- प्रसार तथा विभिन्न जन कल्याणकारी कार्य हेतु

दान में दी गई जमीन 'दान पत्र' का निबंधन इस्कॉन पटना के नाम पर किया गया।

ज्ञातव्य है कि बक्सर में इस्कॉन द्वारा विगत कुछ वर्षों से धर्म प्रचार- प्रसार तथा जनकल्याणकारी किया जा रहा है। इस्कॉन पटना के प्रेसिडेंट ने कहा कि बक्सर समाहरणालय रोड स्थित डॉ रमेश कुमार के कैंपस में श्री राधा गोविंद दास प्रभु के दिशा- निर्देश में अस्थाई इस्कान केंद्र से शुरू कार्यक्रम आज बक्सर के नागरिकों, भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करने लगा है। लोगों में उत्साह, उमंग, जोश दिखने लगा है। पूर्व में केंद्रीय कारागार में भी कैदियों के बीच कई कल्याणकारी कार्यक्रम किए गए। गोयल धर्मशाला सहित विभिन्न जगहों पर कई कार्यक्रम किए गए हैं। अब इस्कॉन का स्थाई केंद्र हो जाने के बाद उद्देश्य परक कार्यक्रमों में तेजी आएगी और भक्तजनों का कल्याण होगा।

अंत में चरित्रवन स्थित ऐप्टेक सह स्मृति कॉलेज परिसर में पटना इस्कॉन प्रेसिडेंट सह जोनल सेक्रेटरी कृष्ण कृपा दास की अध्यक्षता में आगामी 16 जून को इस्कॉन केंद्र बक्सर पर किए जाने वाले कार्यक्रम के विषय में संक्षिप्त चर्चा की गई। जिसमें मुख्य रुप से राजा गोविंद दास, रोहतास गोयल, डॉ रमेश कुमार, सूबेदार पांडे इत्यादि उपस्थित थे।●

शाहाबाद प्रमंडल का मुख्यालय बनने में सक्षम है बक्सर : रामेश्वर

● बिन्ध्याचल सिंह

पटना से अलग शाहाबाद प्रमंडल बनाने की रणनीति विगत वर्ष 1995 से ही संचालित है। 1970 के पूर्व शाहाबाद जिले से अलग हुए भोजपुर बक्सर रोहतास और कैमूर जिले के लोगों ने भी शाहाबाद प्रमंडल के लिए भी अपना समर्थन दिया है। इसके लिए 1987 में सर्वदलीय समिति भी गठित की गई थी। जिसके निर्देशक सह प्रवक्ता बक्सर के प्रतिष्ठित वरीय अधिवक्ता एवं प्रबुद्ध लेखक रामेश्वर प्रसाद वर्मा सर्वसम्मति से मनोनित किये गये तभी श्री वर्मा के निर्देशन व नेतृत्व में शाहाबाद प्रमंडल बनाने के संघर्ष व अभियान अनवरत जारी रहा। बक्सर डुमरॉव आरा भभुआ सासाराम आदि मुख्यालयों के विभिन्न स्थलों एवं शैक्षणिक संस्थाओं के परिसरों में इसके लिये बैठक संगोष्ठियां परिचार्य नुक्कड़ सभाएं नुक्कड़ नाटक व शाहाबादी कवि गोष्ठियां आयोजित की जाती रही है। जन सम्पर्क कार्यक्रम के तहत पद-यात्रा तथा हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। जिसका परिणाम हुआ कि सभी राजनीतिक दलों के सांसद विधायकों पार्षदों एवं तत्कालीन केन्द्र व बिहार सरकार के तहत शाहाबाद प्रमंडल की अनिवार्यता पर अपनी हामी भरी। परिणाम स्वरूप प्रस्तावित शाहाबाद प्रमंडल के निमित्व बिहार सरकार बिहार के सचिवालय में अभिलेख खुला और प्रमंडल निर्माण हेतु प्रस्ताव प्रस्थापित व वैधानिक प्रक्रिया के आलोक में प्रशानिक व सरकारी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई। जो लगभग पूर्ण हो चुकी है। सिर्फ मुख्यालय के बिन्दुओं पर आकर रूक गया है। जबकि यह सर्वमान्य स्वीकारोक्ति है कि शाहाबाद प्रमंडल का मुख्यालय बक्सर ही बने। श्री वर्मा का कहना यह है कि सिर्फ भारतवर्ष ही नहीं वरना सम्पूर्ण

विश्व में पौराणिक ऐतिहासिक सांस्कृतिक एवं राजनैतिक दृष्टिकोण से बक्सर जनपद सुप्रसिद्ध है। बिहार एवं उत्तर प्रदेश का बॉर्डर होने के कारण भी बक्सर का महत्व आर्थिक प्रक्षेत्र में अप्रमित है। विश्व के प्रथम विश्वविद्यालय के रूप में भी यह जनपद चर्चित है। क्योंकि यह बक्सर जनपद मर्यादा पुरूषोत्तम राम और उनके अनुज लक्ष्मण का गुरूधाम रहा है। अर्द्धनारीश्वर देवों के देव महादेव भगवान शंकर सहित महर्षि विश्वामित्र वशिष्ठ च्यवन आदि अठ्ठासी हजार ऋषियों महर्षियों का तपस्थल होने के नाते यह बक्सर जनपद सर्वमान्य विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल घोषित है, जहां राष्ट्रीय नदी पतित पावनी गंगा प्रवाहित है। जो सबके लिए पूजनीय वंदनीय है तभी तो केंद्रीय सरकार ने इस सुप्रसिद्ध तीर्थ स्थल बक्सर को पर्यटन ग्राम के रूप में वैधानिक मान्यता दी है।

प्रबुद्ध बुद्धिजीवी विचार मंच के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद वर्मा का यह मानना है कि बक्सर जनपद अपने आप में एक प्रदेश की तरह है। जो अपनी भाषा, संस्कृति और अपनी सांस्कृतिक चेतना के लिए अलग पहचान बनाये हुए है। इस बक्सर जनपद के ऐतिहासिक परिदृश्य को व्यक्त करते हुए श्री वर्मा ने जानकारी दी की बक्सर मुख्यालय से आठ किलोमीटर पश्चिम चौसा स्थित विशाल मैदान में 26 जून 1539 ई० को शेरशाह और हिमायू के बीच जबर्दस्त मुठभेड़ हुआ था। जिसमें शेरशाह की जीत और हिमायू परास्त होकर अपनी जान बचाकर उफनती गंगा में कूद गया था। तब बक्सरी भिष्ती निजाम ने उसे डूबने से बचाया था। उसी के एवज में दिल्ली तख्त पर आने के बाद हिमायू ने बक्सरी भिष्ती निजाम को एक दिन का बादशाह बनाया था। भिष्ती निजाम ने अपनी एक दिन की बादशाही में ही चमड़े का सिक्का चलाया था। श्री वर्मा ने आगे जानकारी दी की 30 अक्टूबर 1764 को बक्सर की ऐतिहासिक लड़ाई बक्सर मुख्यालय स्थित कतकौली के मैदान में गंगाल के नवाब मीर कासिम दिल्ली के नवाब शाह आलम द्वितीय तथा अवध के नवाब सिजाउदौला की फौजों के साथ अंग्रेजी हुक्मरान ईस्ट इंडिया कंपनी के मेजर हेक्टर मुनरो के नेतृत्व में ब्रिटिश फौज का जमकर मुकाबला हुआ था। श्री वर्मा ने याद दिलाते हुए जानकारी दी की 1812 के पूर्व से ही बाढ़ के चलते हो रहे इस बक्सर जनपद के ऐतिहासिक किले सहित विभिन्न गांवों का कटाव और इस जिले के दियारा क्षेत्र की भूमि संघर्ष आज भी ज्वलंत समस्या है और इस गंभीर समस्या का निराकरण तब तक संभव नहीं, जब तक की बक्सर को प्रस्तावित शाहाबाद प्रमंडल का मुख्यालय न बना दिया जाये।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

बाल श्रम

मजबूरी या जरूरी

बच्चों को ड्रग पैडलर बनाकर मंगवाई जा रही भीख

● **मिथिलेश कुमार**

हमारा देश विश्व में युवाओं का देश माना जाता है हमारी श्रम शक्ति ही देश की सबसे बड़ी पूंजी है। लेकिन बढ़ती जनसंख्या और घटते रोजगार के बीच बाल श्रम भी देश के लिए कलंक बनता जा रहा है। देश के कई राज्यों में बाल मजदूरों की बढ़ रही जनसंख्या भारत के सेहत के लिए अच्छा नही कहा जा सकता है। जिन हाथों में कलम और किताब होनी चाहिए उन हाथों में भीख का कटोरा थमा कर अलग अलग तरीके से भीख मांगने की ट्रेनिग देकर भीख मंगवाये जा रहे है। बच्चों से उनका बचपन, मासूमियत छीनकर उनके कंधों पर बड़ी बड़ी जिम्मेवारी दी जा रही है। बिहार में बाल मजदूरों की संख्या अन्य प्रदशो की तुलना में कही अधिक है। हालांकि खाद्य सुरक्षा की स्थिति में उत्तरोत्तर सुधार हो रहा है, गरीब आबादी के लिये पोषण और संतुलित आहार तक पहुँच अभी भी समस्याग्रस्त है। वैश्विक भुखमरी सूचकांक, 2022 (Global Hunger Index & GHI, 2022) में भारत 121 देशों की श्रेणी में 6 स्थान और फिसलकर 107वें स्थान पर आ गया है। इस पर पहली प्रतिक्रिया में भारत सरकार ने सूचकांक की कार्यविधि को ही प्रश्नगत किया है। इस परिदृश्य में GHI, 2022 से संबंधित मुद्दों और भारत में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के दायरे पर एक विचार करना प्रासंगिक होगा। वैश्विक भुखमरी सूचकांक दृष्टिकोण में भुखमरी या 'हंगर' (Hunger) भोजन की कमी से होने वाली परेशानी को संदर्भित करती है। हालाँकि GHI महज इसी आधार पर भुखमरी का मापन नहीं करता बल्कि यह भुखमरी की बहुआयामी प्रकृति पर विचार करता है।

एक कली के फूल बनने से पहले ना तोड़ना उसे
उसकी खूबसूरती खो जाएगी
बचपने के संभालने से पहले इन्हें ना झंझोरना,
उनकी मासूमियत बेमानी बन जाएगी।
इनके बचपन में जो ना रंग भर सको ना सही,
पर इनके बचपन को छीनने का हक भी तुम्हें नहीं।।

बाल श्रम हमारे देश और समाज के लिए बहुत ही गम्भीर विषय है। आज समय आ गया है कि हमें इस विषय पर बात करने के साथ-साथ अपनी नैतिक जिम्मेदारियाँ भी समझनी होगी। बाल मजदूरी को जड़ से उखाड़ फेंकना हमारे देश के लिए आज एक चुनौती बन चुका है क्योंकि बच्चों के माता-पिता ही बच्चों से कार्य करवाने लगे है। आज हमारे देश में किसी बच्चे को कठिन कार्य करते हुए देखना आम बात हो गई है।

बाल मजदूरी को बड़े लोगों और माफियाओं ने व्यापार बना लिया है। जिसके कारण दिन-प्रतिदिन हमारे देश में बाल श्रम बढ़ता जा रहा है और बच्चों का बचपन खराब हो रहा है। इस से बच्चों का भविष्य तो खराब होता ही

है, साथ में देश में गरीबी फैलती है और देश के विकास में बाधाएँ आती हैं। बाल श्रम भारत के साथ-साथ सभी देशों में गैर कानूनी है। बाल श्रम हमारे समाज के लिए एक कलंक बन चुका है। बाल मजदूरी की समस्या समय के साथ-साथ बहुत उग्र रूप लेती जा रही है। इस समस्या को अगर समय रहते जड़ से मिटाया नहीं गया, तो इससे पूरे देश का भविष्य संकट में आ सकता है।

★ बाल श्रम या बाल मजदूरी का अर्थ :- जब कोई बच्चे को उसके बाल्यकाल से वंचित कर उन्हें मजबूरी में काम करने के लिए विवश करते हैं, उसे बाल श्रम कहते हैं। बच्चों को उनके परिवार से दूर रखकर उन्हें गुलामों की तरह पेश किया जाता है। दूसरे शब्दों में ख़ किसी भी बच्चे के बाल्य-काल के दौरान पैसों या अन्य किसी भी लालच के बदले में करवाया गया किसी भी तरह के काम को बाल श्रम कहा जाता है। इस प्रकार की मजदूरी अधिकतर पैसों या जरूरतों के बदले काम करवाया जाता है। साधारण शब्दों में समझाया जाए तो जो बच्चे 14 वर्ष से कम आयु के होते हैं, उनसे उनका बचपन, खेल-कूद, शिक्षा का अधिकार छीनकर, उन्हें काम में लगाकर शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से प्रताड़ित कर, कम रुपयों में काम करा कर शोषण करके, उनके बचपन को श्रमिक रूप में बदल देना ही बाल श्रम कहलाता है। बाल श्रम पूर्ण रूप से गैर कानूनी है। इस प्रकार की मजदूरी को समाज में हर वर्ग द्वारा निंदित भी किया जाता है। भारत के संविधान 1950 के 24 वें अनुच्छेद के अनुसार 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से मजदूरी, कारखानों, होटलों, ढाबों, घरेलू नौकर इत्यादि के रूप में कार्य करवाना बाल श्रम के अंतर्गत आता है। अगर कोई व्यक्ति ऐसा करता पाया जाता है, तो उसके लिए उचित दंड का प्रावधान है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में 35 मिलियन से भी ज्यादा बच्चे बाल मजदूरी करते हैं। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान में बाल मजदूरी होती है। यहां तक कि बालकों से अलग अलग तरीकों से भीख मंगवाने वाले गिरोह भी सक्रिय होकर बच्चों से भीख मंगाते है। बच्चों में नशे की लत लगाकर उसे अनैतिक कार्यो में भी प्रयोग करते है। बिहार राज्य की राजधानी में ऐसे गिरोह का पर्दाफास भी किया गया है। राष्ट्रीय दैनिक अखबार में खतरे में बचपन शीर्षक से प्रकाशित खबर पर महामहिम राज्यपाल ने भी इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है। बाल श्रम पर

कानून बनने के बाद भी राज्य सरकारों के द्वारा कोई करवाई नही की जा रही है। राज्य के विभिन्न जिलों एवं प्रखंडो में कार्यरत श्रमधीक्षक, प्रवर्तन पदाधिकारी के द्वारा इस दिशा में कोई करवाई नही की जा रही है। सख्त कानून के बाबजूद होटलों, रेस्तरां, रेस्टुरेंट, ईंट भट्ठों, छोटे-छोटे लघु उधोगों, चूड़ी कारखानो आदि स्थानों पर बच्चों को मजदूरी करते देखा जा सकता है।

★ बाल श्रम या बाल मजदूरी के कारण :-

☞ बाल मजदूरी का सबसे बड़ा कारण हमारे देश में गरीबी का होना है। गरीब परिवार के लोग अपनी आजीविका चलाने में असमर्थ होते हैं, इसलिए वे अपने बच्चों को बाल मजदूरी के लिए भेजते है।

☞ शिक्षा के अभाव के कारण अभिभावक यही समझते हैं कि जितना जल्दी बच्चे कमाना सीख जाए उतना ही जल्दी उनके लिए अच्छा होगा।

☞ कुछ अभिभावक के माता पिता लालची होते हैं, जोकि स्वयं कार्य करना नहीं चाहते और अपने बच्चों को चंद रुपयों के लिए कठिन कार्य करने के लिए भेज देते है।

☞ बाल श्रम को बढ़ावा इसलिए भी मिल रहा है क्योंकि बच्चों को कार्य करने के प्रतिफल के रूप में कम रुपए दिए जाते हैं, जिसके कारण लोग बच्चों को काम पर रखना अधिक पसंद करते हैं।

☞ हमारे देश में लाखों की संख्या में बच्चे अनाथ होते हैं, बाल श्रम बढ़ने का एक कारण यह भी है। कुछ माफिया लोग उन बच्चों को डरा-धमका कर भीख माँगने और मजदूरी करने भेज देते हैं।

☞ कई बार बच्चों की पारिवारिक मजबूरियां भी होती है क्योंकि कुछ ऐसी दुर्घटनाएँ हो जाती है जिसके कारण उनके परिवार में कमाने वाला कोई नहीं रहता है इसलिए उन्हें मजबूरी वश बचपन में ही होटलों, ढाबों, चाय की दुकान, कल कारखानों में मजदूरी करने के लिए जाना पड़ता है।

☞ भारत में जनसंख्या वृद्धि दर बहुत तेजी से बढ़ रही है, जिसके कारण जरूरत की वस्तुओं का मूल्य दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। जिसके कारण गरीब लोग अपने परिवार का भरण-पोषण नहीं कर पाते हैं, इसलिए परिवार के सभी सदस्यों को मजदूरी करनी पड़ती है, जिसमें बच्चे भी शामिल होते हैं इसलिए ना चाहते हुए भी बच्चों को परिश्रम करना पड़ता है।

☞ बाल मजदूरी का एक कारण भ्रष्टाचार भी है, तभी तो बड़े-बड़े होटलों, ढाबों और कारखानों पर उनके मालिक बिना किसी भय के बच्चों को

मजदूरी पर रख देते हैं, उन्हें पता होता है कि अगर पकड़े भी गए तो वे घूस देकर छूट जाएँगे, इसीलिए भ्रष्टाचार बाल मजदूरी में एक अहम भूमिका निभाता है।

☞ भारत सरकार ने बाल मजदूरी को रोकने के लिए कानून तो बनाए हैं, लेकिन उन कानूनों में काफी खामियाँ हैं, इसका फायदा उठाकर लोग बाल श्रम को अंजाम देते है और कई बार तो कानून का नियम पूर्वक पालन भी नहीं किया जाता है।

★ बाल श्रम या बाल मजदूरी के दुष्परिणाम :-

☞ जीवन का सबसे अच्छा पल बचपन ही होता है जब हम बच्चे होते हैं तो हमें किसी भी बात की चिंता नहीं रहती है। हम खिलौने से खेलते हैं और सभी लोग हमें प्यार करते हैं साथ ही हम जो चाहे पढ़ सकते हैं। लेकिन जिन बच्चों को बाल मजदूरी के काम में लगा दिया जाता है वह कभी भी खेल नहीं पाते हैं और अपना मनचाहा काम नहीं कर पाते है। जिसके कारण उनका पूरा बचपन मजदूरी के काम करने में बीत जाता है।

☞ बाल मजदूरी करने वाले बच्चे अक्सर कुपोषण का शिकार हो जाते हैं क्योंकि उनके मालिक उनसे काम तो ज्यादा करवाते है लेकिन उन्हें खाने को कुछ भी नहीं देते। जिसके कारण उनके शरीर में ऊर्जा की कमी हो जाती है और वे धीरे-धीरे कुपोषण के शिकार हो जाते है।

☞ बाल मजदूरी करते समय कई बच्चे और बच्चियों का शारीरिक शोषण भी किया जाता है जोकि उनके ऊपर दोहरी मार है। एक रिपोर्ट के अनुसार बाल मजदूरी करने वाले बच्चों में से लगभग 40% बच्चों का शारीरिक शोषण किया जाता है। यह बहुत ही गंभीर बात है लेकिन इस पर कभी भी ध्यान नहीं दिया जाता।

☞ मजदूरी करते समय बच्चों से अक्सर गलतियाँ होती रहती हैं। गलतियाँ तो बड़े लोगों से भी होती है लेकिन बच्चों को डाँट लगाना आसान होता है इसलिए उन से काम कराने वाले उनके मालिक उन्हें मानसिक प्रताड़ना देते है। जो कि एक छोटे से बच्चे के मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव डालती है।

☞ बच्चों के माता-पिता बचपन में तो कुछ रुपयों के लिए अपने बच्चों को मजदूरी पर लगा देते हैं लेकिन उन्हें यह नहीं पता होता है कि अगर वे पढ़ेंगे लिखेंगे नहीं तो उन्हें नौकरी नहीं मिल पाएगी और वे पूरी जिंदगी भर मजदूरी करनी पड़ेगी। जिसके कारण उनका पूरा जीवन गरीबी में बीतेगा।

☞ ज्यादातर गरीब परिवार के बच्चे पढ़ लिख नहीं पाते हैं, इसी कारण वे अच्छी नौकरी नहीं कर पाते और देश के विकास में सहयोग नहीं कर पाते इसलिए देश का आर्थिक विकास भी धीमा पड़ जाता है।

☞ जहाँ पर बच्चों से मजदूरी कराई जाती है, वहाँ के लोग अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं। साथ ही उनका रहन-सहन भी अच्छा नहीं होता है। जिसके कारण बच्चे भी उन्हीं के साथ रहने के कारण उनकी भाषा और उन्हीं के जैसा रहन-सहन करने लग जाते हैं और उनकी मानसिक स्थिति भी कमजोर हो जाती है जिसके कारण एक अच्छे समाज का विकास नहीं हो पाता है।

☞ बच्चा अशिक्षित रह जाता है। देश का आने वाला कल अंधकार की ओर जाने लगता है। इसके साथ ही बेरोजगारी, गरीबी और अधिक बढ़ने लगती है।

☞ बच्चों से काम करवाने से बच्चों का शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास रुक जाता है।

★ बाल मजदूरी की रोकथाम के उपाय :-

बाल श्रम हमारे समाज के लिए एक अभिशाप है जो हमारे समाज को अन्याय मुक्त नहीं बनने देगा। हमें हमेशा इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि बच्चे से काम करवाने के बदले उसे पैसे देकर या खाना देकर हम उस पर कोई एहसान नहीं करते हैं बल्कि हम उस के भविष्य से खेलते हैं।

☞ बाल श्रम को खत्म करने के लिए सबसे पहले हमें अपनी सोच को बदलना होगा। बाल श्रम का अंत करने के लिए सबसे पहले अपने घरों या दफ्तरों में किसी भी बच्चे को काम पर नहीं रखना चाहिए।

☞ बाल श्रम को रोकने के लिए मजबूत और कड़े कानून बनाने चाहिए। जिससे कोई भी बाल मजदूरी करवाने से डरे।

☞ अगर आपके सामने कोई भी बाल श्रम का मामला आए तो सबसे पहले नजदीकी पुलिस स्टेशन में खबर करनी चाहिए।

☞ हमें बाल श्रम को पनाह देने वाले पत्थर दिलों के विरुद्ध अपनी आवाज को बुलंद करना चाहिए।

☞ आम आदमी को भी बाल मजदूरी के विषय में जागरूक होना चाहिए और अपने समाज में इसे होने से रोकना चाहिए।

☞ गरीब माता-पिता को अपने बच्चों की शिक्षा की ओर पूरा ध्यान देना चाहिए क्योंकि आज सरकार मुफ्त शिक्षा, खाना और कुछ स्कूलों में दवाईयाँ जैसी चीजों की सुविधाएँ प्रदान कर रही हैं।

☞ कारखानों और दुकानों के लोगों को प्रण लेना चाहिए कि वो किसी भी बच्चे से मजदूरी या श्रम नहीं करवाएँगे और काम करवाने वाले लोगों को रोकेंगे।

☞ हम जब भी कोई सामान खरीदें तो पहले दुकानदार से उसकी तकनीक के बारे में जरुर पूछें। हम इस प्रश्न को पूछ कर समाज में सचेतना का एक माहौल पैदा कर सकते हैं। हमें बाल श्रम की बनाई गई किसी भी वस्तु का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

☞ अगर हमें किसी भी बाल श्रम का पता चले, उसके बारे में सबसे पहले बच्चे के परिवार वालों से बात करनी चाहिए। उनके हालातों को समझकर उनके बच्चे के भविष्य के बारे में उन्हें बताना चाहिए। बच्चों के परिवार वालों को बाल श्रम के नुकसान और कानूनी जुर्म के बारे में बताना चाहिए।

☞ हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था में आज भी सुधार नहीं है। जिसके कारण ग्रामीण इलाकों और बिछड़े हुए इलाकों के बच्चे आज भी पढ़ लिख नहीं पाते हैं। जिसके कारण वह बचपन में ही बाल मजदूरी का शिकार हो जाते हैं।

☞ भ्रष्टाचार के कारण बाल श्रम करवाने वाले अपराधी आसानी से छूट जाते हैं या फिर उन्हें गिरफ्तार ही नहीं किया जाता। जिसके कारण छोटे बच्चों को मजदूरी करनी पड़ती है इसलिए हमें भ्रष्टाचार पर लगाम लगानी चाहिए।

☞ हमारे समाज में बहुत से अच्छे व्यक्ति हैं लेकिन हमें और अच्छे व्यक्तियों की आवश्यकता है जो कि कम से कम एक गरीब बच्चे की पढ़ाई का पूरा खर्चा उठा सके क्योंकि जब तक हम हमारे समाज की जिम्मेदारी नहीं लेंगे तब तक कुछ नहीं हो सकता क्योंकि अकेली सरकार सब कुछ नहीं कर सकती, इसलिए हमें आगे बढ़कर गरीब बच्चों की पढ़ाई लिखाई में मदद करनी चाहिए।

★ बाल मजदूरी पर अंकुश लगाने के लिए सरकार द्वारा किए गए कार्य :- सरकार देश को बाल श्रम से पूर्णत: मुक्त करवाने के लिए अनेक कानून बनाती आई है। लेकिन जब तक हम और आप उन कानूनों का सही ढंग से अनुसरण नहीं करेंगे तब तक देश को बाल श्रम से पूरी तरह मुक्त कराना संभव नहीं है।

★ सरकार द्वारा बनाए गए कुछ कानून :-

☞ The Child Labour (Prohibition and regulation) (निषेध और विनियमन) Act 1986 :- बाल श्रम को जड़ से खत्म करने के लिए हमारी सरकार द्वारा 1986 में चाइल्ड लेबर एक्ट बनाया गया है जिसके तहत 14 वर्ष से कम आयु के बच्चे से कार्य करवाना दंडनीय अपराध माना जाएगा।

☞ The Juvenile Justice (Care and Protection) (देखभाल और संरक्षण) of Children Act of 2000 :- इस कानून के तहत अगर कोई व्यक्ति बच्चों से मजदूरी करवाता है या फिर उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर करता है तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

☞ The Right of Children to Free and Compulsory education Act, 2009 :- यह कानून वर्ष 2009 में बनाया गया था, जिसके अंतर्गत 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाएगी, साथ ही प्राइवेट स्कूलों में भी गरीब और विकलांग बच्चों के लिए 25% सीटें आरक्षित होंगी।

बाल मजदूरी हमारे देश के लिए एक गंभीर समस्या है, अगर जल्द ही इसे खत्म नहीं किया गया तो यह हमारे देश के विकास में बाधक सिद्ध होगा। साथ ही जिन बच्चों को बचपन में हँसना, खेलना और पढ़ाई करना चाहिए वह बच्चे हमें अधिक मात्रा में कठिन परिश्रम करते हुए मिलेंगे जिससे हमारा देश का भविष्य खराब हो जाएगा। इसलिए हमें आज ही बाल श्रम के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और जहाँ पर भी कोई बच्चा हमें बाल मजदूरी करते हुए मिले उसकी शिकायत हमें नजदीकी पुलिस स्टेशन में करनी चाहिए। बालश्रम को खत्म करना केवल सरकार का ही कर्तव्य नहीं है, हमारा भी कर्तव्य है। बालश्रम एक बहुत बड़ी सामाजिक समस्या है। इस समस्या को सभी के द्वारा जल्द-से-जल्द खत्म करने की जरूरत है। अगर जल्द ही इस समस्या पर कोई कदम नहीं उठाया गया तो यह पूरे देश को दीमक की तरह खोखला कर देगी। बच्चे ही हमारे देश का भविष्य है। अगर उन्हीं का बचपन अंधेरे और बाल श्रम में बीतेगा तो हम एक सुदृढ़ भारत की कल्पना कैसे कर सकते है। अगर हमें नए भारत का निर्माण करना है तो बाल मजदूरी को जड़ से उखाड़ फेंकना होगा यह सिर्फ हमारे और सरकार के सहयोग से ही संभव है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/9955077308

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

चैट जीपीटी के जमाने में पत्रकारिता और नैतिकता का भविष्य

पत्रकारिता का मूल उद्देश्य सेवा भाव होना चाहिए। समाचार-पत्रों में महान शक्ति होती है, लेकिन जिस तरह जल की एक मुक्त धारा देश के पूरे तटीय क्षेत्र को जलमग्न कर देती है और फसलों को बर्बाद कर देती है, उसी प्रकार एक अनियंत्रित कलम भी नष्ट करने का कार्य करती है : महात्मा गांधी

● **संदीप सिंह सिसोदिया**

एक स्वतंत्र न्यूज मीडिया जिसमें समाचार पत्र, पत्रिका, टेलीविजन रेडियो, ऑनलाइन समाचार पोर्टल एवं डिजिटल समाचार प्लेटफॉर्म जैसे नए मीडिया शामिल हैं, लोकतंत्र की लंबी और कठिन यात्रा के अभिन्न अंग रहे हैं परंतु मीडिया जिस तेजी से न्यू मीडिया बनकर हमारे समक्ष आकार ले रहा है उसका विकास और विस्तार उसे विकराल भी बना रहा है और विकृति का शिकार भी बना रहा है।

पत्रकारिता के 6 प्रमुख सिद्धांतों (Canons of Journalism-1922), उत्तरदायित्त्व, प्रेस की स्वतंत्रता, स्वतंत्रता, सच्चाई और सटीकता, निष्पक्षता एवं उचित व्यवहार (Fair Play) का प्रतिपादन, पत्रकारिता को पेशेवर बनाने और पत्रकारिता के कार्य तथा इसकी सामग्री की निगरानी व मूल्यांकन करने के नैतिक मानकों को निर्धारित करने के लिए किया गया था। परंतु वर्तमान समय में प्रिंट से लेकर

डिजिटल मीडिया की अद्भुत तकनीक और असीम प्रसारण क्षमता के साथ ही वैश्विक स्तर पर इसमें नैतिकता का घोर संकट उत्पन्न हो गया है। भारत सहित संपूर्ण विश्व में नैतिक मानदंडों और सिद्धांतों के उल्लंघन के मामलों जैसे- पेड न्यूज से लेकर, फेक न्यूज का प्रसार, सनसनीखेज खबरें बनाना, सामान्य प्रकृति की खबरों को अतिशयोक्तिपूर्ण रूप से पेश करना, पूर्वाग्रहपूर्ण रिपोर्टिंग, प्रोपेगेंडा और त्रुटिपूर्ण सूचनाओं के प्रसार, भ्रामक सुर्खियां बनाना, निजता का उल्लंघन, तथ्यों का विरूपण आदि में कई गुना वृद्धि हुई है। एक तरफ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर मीडिया, पत्रकार जहां अपने अधिकारों का भरपूर दोहन कर रहा है, वहीं अक्सर वह निरंकुश और लापरवाह होकर अपनी जिम्मेदारियों और उद्देश्यों से भटक रहा है। आज की सबसे बड़ी चिंता यही है कि आखिर क्यों मीडिया अपने जन सरोकारी दायित्वों से मुंह मोड़ रहा है, क्यों सामाजिक उत्तरदायित्त्व के विचार को अनसुना कर रहा है। इस समय हम संचार युग की सबसे बड़ी क्रांति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित चौटबॉट, चौट जीपीटी के बारे में देख-सुन रहे हैं। यह सूचना और संचार को बेहद उच्च स्तर पर ले जाने में सक्षम है। बहुत से पत्रकारों को तो अभी एआई की संभावनाओं से परिचित कराया जा रहा है, लेकिन क्या आपको पता है कि पिछले काफी समय से व्यावसायिक समाचार उद्योग जमकर इसका इस्तेमाल कर रहा है। जब आप किसी बड़ी वेबसाइट पर जाते हैं, तो संभावना है कि आपके द्वारा देखे जाने वाले कम से कम कुछ लेख विशेष रूप से आपके लिए चुने गए हों।

अब वेबसाइटें आपकी पढ़ने की आदतों को ट्रैक करती हैं और फिर यह पता लगाने के लिए मशीन लर्निंग लागू करती हैं कि आपको कौन से लेख दिखाए जाएं ताकि आप उसी वेबसाइट पर बने रहें। जनरेटिव एआई के उपयोग से आधुनिक पत्रकारिता के नए रूपों, जैसे व्यक्तिगत समाचार फीड और व्यक्तिगत पसंदों के अनुसार बनाया गया एल्गोरिदम अब किसी भी समाचार या कंटेट को तुरंत वायरल कर रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के पास तो विज्ञापनों को दिखाने

के लिए आपकी पसंद-नापसंद, लिखी-शेयर की हुई पोस्ट या देखी गई सभी सामग्री की जानकारी होती ही है। चौटजीपीटी जैसा चौटबॉट पत्रकारिता को कैसे प्रभावित करेगा? इस सवाल का जवाब मैंने इसी एआई चौटबोट से पूछा तो जवाब मिला कि इसका उपयोग 'सरल समाचार लेख' उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है, इस प्रकार पत्रकारों को अधिक गहन और अनुसंधान परख रिपोर्टिंग और समाचारों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए समय मिलेगा। लेकिन, इसने एक चेतावनी भी दी कि इस पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह 'पक्षपाती या गलत जानकारी' दे सकता है। यह एक दार्शनिक नोट पर समाप्त हुआ कि आखिरकार, पत्रकारिता पर भाषा मॉडल का प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि उनका उपयोग कैसे किया जाता है और समाचार तैयार करने की प्रक्रिया में किस उद्देश्य के लिए इसे एकीकृत किया जाता है। हाल ही में विश्व का पहला । आधारित न्यूज चैनल भी लॉन्च किया गया है जिसे न्यूजजीपीटी के नाम से जाना जा रहा है। इसके सीईओ एलन लेवी ने बताया कि न्यूजजीपीटी दुनिया भर के पाठकों-दर्शकों को निष्पक्ष और तथ्य-आधारित समाचार प्रदान करेगा और अन्य समाचार चौनलों की तरह न्यूजजीपीटी समाचार विज्ञापनदाताओं, राजनीतिक जुड़ाव या व्यक्तिगत राय से प्रभावित नहीं होगा, लेकिन आने वाले समय में यह दावा कितना सही सिद्ध होता है इसका जवाब अभी नहीं दिया जा सकता।

जेनरेटिव एआई का उपयोग मशीनों द्वारा उत्पन्न की गई सामग्री की विश्वसनीयता और जवाबदेही के संबंध में भी चिंताएं उठाता है, खासतौर पर फेक न्यूज और डीपफेक्स (वीडियो मॉर्फिंग) के संदर्भ में। इसलिए, पत्रकारिता में एआई के उपयोग के लिए नैतिक और व्यावसायिक मानकों को स्थापित करना बेहद महत्वपूर्ण और आवश्यक है, ताकि पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों को खतरे में न डालते हुए तकनीक के लाभ हासिल किए जा सकें। तो अब आगे के लिए समाधान क्या है? सबसे पहले हमें खुद को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई तकनीक को अपनाने और सीखने के लिए तत्पर होना होगा, तभी हम इसके फायदे-नुकसान को समझ कर जरूरी दिशा-निर्देश बना सकेंगे। इसी तरह नए जमाने के साथ अब हमें पत्रकारिता के मूल सिद्धांत, नीतिशास्त्रीय और नैतिक मानकों के निरंतर पालन के लिए उत्तरदायी, रचनात्मक, सकारात्मक और समाधानपरक पत्रकारिता पर अधिक जोर देना चाहिए। AI बेस्ड न्यूज, सिटीजन जर्नलिज्म, कटेंट क्रिएटर्स से भरे यूट्यूब, फेसबुक और नए सोशल मीडिया प्लेट्फॉर्म्स का मुकाबला कर रही भारतीय मीडिया को अब उत्तरदायित्व और परिपक्वता की भावना का गंभीर आत्मनिरीक्षण और विकास करना चाहिए, साथ ही पत्रकारों को यह समझना होगा कि सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने के लिए नैतिक मानदंडों का पालन करना उनके हित में है। सबसे महत्वपूर्ण बात, सभी प्रकार की स्वतंत्रता उचित प्रतिबंधों के अधीन है और इनके साथ ही आवश्यक उत्तरदायित्त्व भी जुड़े होते हैं। लोकतंत्र में हर कोई जनता के प्रति जवाबदेह है। अत: पत्रकार, मीडिया संस्थान भी लोगों के प्रति जवाबदेह हैं और यह ऐसे ही रहना चाहिए।●

पीएलएफआई सुप्रीमो कुख्यात दिनेश गोप गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

झारखंड का कुख्यात इनामी उग्रवादी पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप को एनआईए और झारखंड पुलिस ने गिरफ्तार कर दिल्ली से रांची लाया। एनआईए और झारखंड पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर दिनेश को गिरफ्तार किया है। 21 मई रविवार की शाम दिल्ली से हवाई जहाज के द्वारा दिनेश को रांची लाया गया। दिनेश गोप का नाम 2002 में अलग झारखंड बनने के बाद सामने आया था। दिनेश गोप हल्का ब्लू शर्ट पहने, लंबे बाल दाढ़ी में पूरे सुरक्षाकर्मियों के साथ रविवार को देर शाम रांची लाया गया। बता दें कि लगभग छह फिट ऊंचा कद, गोरा चिट्टा दिनेश गोप जो कभी सेना में जाने की ख्वाहिश रखता था। आज पुलिस की गिरफ्त में आ गया। अपने भाई की मौत के बाद दिनेश गोप पहले जेएलटी संगठन से जुड़ा फिर पीएलएफआई का एरिया कमांडर बनने तक का सफर तय किया । इनके नाम करीब 150 मामले दर्ज हैं । कई बड़ी घटनाओं को अंजाम देने वाला दिनेश अब एनआइए की गिरफ्त में है। दिनेश गोप के असम में सरदार की वेशभूषा में होने की सूचना एनआईए को मिली थी और इसके बाद उसकी गिरफ्तारी हुई। अब यह गिरफ्तारी असम से हुई है या दिल्ली से हुई है इसकी पुष्टि होनी अभी बाकी है, लेकिन एक वरीय पुलिस पदाधिकारी कहा है कि उनकी गिरफ्तारी हो चुकी है वो रांची आ चुका है। लेकिन यह बताते चले कि भले एनआईए ने

दिनेश गोप को गिरफ्तार कर लिया है लेकिन 5 दिन पूर्व जब खूंटी एसपी के नेतृत्व में 2 तीन थानों के थाना प्रभारियों ने जगन्नाथपुर स्थित दिनेश गोप के माता-पिता से मुलाकात की थी और इसका एक मार्मिक अपील करता हुआ वीडियो भी वायरल किया गया था जिसमें दिनेश की माता-पिता किस बदहाली में जी रहे हैं यह दिखाया गया है।

☞ **तीस लाख का है ईनामी :-** पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप पर 30 लाख का इनाम घोषित किया गया था।5 लाख एनआईए द्वारा घोषित किया गया था और 25 लाख झारखंड पुलिस द्वारा घोषित किया गया था।

☞ **कैसे मिली सफलता :-** डीजीपी अजय कुमार सिंह के पदभार लेने के बाद से ही कयास लगाया जा रहा था कि वर्तमान में सबसे शीर्ष अगर कोई नक्सली संगठन का पीएलएफआई कमांडर है तो वह दिनेश गोप है और इसकी तलाश पिछले 6 सालों से अधिक बढ़ गई थी । तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास की सरकार में भी दिनेश गोप के पीछे पुलिस पड़ी थी। इसके कई जगहों की संपत्ति जब्त की गई थी और कई साथियों को भी गिरफ्तार किया गया था, लेकिन हर बार दिनेश गोप बच कर भाग निकलता था। हालांकि सफलता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार को ही मिली। इस अभियान को तेज करने के लिए आइजी ऑपरेशन अमोल वेणु कांत होमकर की भी अहम भूमिका मानी जाती है । इनके नेतृत्व में कई बड़ी घटनाओं में शामिल पीएलएफआई के कई बड़े एरिया कमांडर आत्मसमर्पण कर चुके हैं या मारे जा चुके हैं।

☞ **अबतक मिली सफलता :-** पीएलएफआई के एरिया कमांडर रहे दिनेश गोप पर 30 लाख का इनाम था और और पुलिस इसकी गिरफ्तारी के लिए लंबे समय से प्रयासरत थी। एनआईए ने 19 जनवरी 2018 को केस टेक ओवर लिया आरसी 2 / 2018 से दिनेश को खोज रही है और 30 जनवरी 2022 को दिनेश गोप की दो पत्नियां हीरा देवी और शकुंतला देवी को गिरफ्तार किया था । इसके अलावा 2 मार्च 2020 को दिनेश गोप का करीबी जय प्रकाश सिंह भुईया, अमित जायसवाल को गिरफ्तार किया था । सुमंत के पास से करीब 90 लाख नगदी बरामद किया था। इसके अलावा बेड़ों एसबीआई बैंक में करीब 25.38 लाख रुपए जमा करने जा रहे चार लोगों को भी गिरफ्तार किया गया था। 70 लाख के करीब चल अचल संपत्ति जब्त की गई।

☞ **भाई की मौत के बाद नक्सली बना :-** दिनेश गोप मूल रूप से खूंटी जिला के कर्रा और जरियागढ़ थाना अंतर्गत लापा मोहराह टोली गांव का रहने वाला है। इसके गांव पहुंचने के लिए जरियागढ़ थाना क्षेत्र के मुख्य मार्ग से करीब बारह किलोमीटर दूर कोलातार की सड़क है,जो रेलवे लाइन के किनारे से लापा गांव पहुंचाती है।

इस गांव के पीछे एक नदी भी है।

☞ **कैसे बना नक्सली :-** बताया तो यह भी जाता है कि दिनेश आर्मी में था या आर्मी में जाने की तैयारी कर रहा था इसी दौरान इसके एक भाई सुरेश की पुलिस की गोली से मौत हो गई थी। भाई की मौत के बाद दिनेश ओडिसा भाग गया। पुलिस से बचने के लिए भागते भागते दिनेश जंगल की ओर चला गया। यही पूर्ती भाकपा माओवादी के साथ आया। बाद ने मसीह को पुलिस ने गिरफ्तार किया था और मसीह से 2009 में विधानसभा चुनाव लड़ा था और दूसरे पायदान पर था। खैर दिनेश गोप शुरुआत में जेएलटी फिर भाकपा माओवादी से जुड़ गया। दिनेश का शुरुआती लड़ाई सम्राट गिरोह से था। फिर अपना संगठन पिपुल्स लिबरेशन फ्रंट आफ इंडिया बनाया और इसका वर्चस्व खूंटी, जिला, सिमडेगा, चाईबासा, लोहरदगा, गुमला रांची में भी रहा। हत्या, मुठभेड़, रंगदारी जैसे ढ़ेरों मामलों दिनेश गोप के नाम दर्ज है।

☞ **दिनेश गोप ने भाजपा नेता को दी धमकी :-** भाजपा महानगर महामंत्री बलराम सिंह को मोबाइल नंबर 6287686186 से 18 मई 2023 को फोन आया था, उस वक्त वह महानगर कार्यालय में थे। फोन पर धमकी किए जाने पर बलराम सिंह ने एफआईआर में जिक्र किया है कि फोन रिकार्डिंग के वक्त महानगर कार्यालय में जिला महामंत्री भाजपा वरुण साहू, जिला अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा राम लगन राम, कार्यसमिति सदस्य रणधीर सिंह और गोंदा मंडल के मंत्री नयन परमार भी मौजूद थे और दिनेश गोप ने दस एके 47 राइफल की मांग की। इस संबंध में गोंदा थाने में 19 मई को मामला दर्ज कराया। जिसके बाद 21 मई को दिनेश की गिरफ्तारी की खबर आती है।

☞ **खूंटी पुलिस माता पिता से मिले :-** पकड़े जाने के एक सप्ताह पूर्व संभवत: 12-13 मई 2023 को खूंटी एसपी अमन के निर्देश पर तोरपा सर्किल इंस्पेक्टर दिग्विजय सिंह, रनिया थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार, जरिया गढ़ थाना प्रभारी पंकज कुमार संयुक्त रूप से दिनेश गोप के पिता कामेश्वर गोप, माता, चचेरी बहन और बहनोंई परमेश्वर यादव से जगन्नथपुर थाना क्षेत्र के मौसी बाड़ी झोपड़ी पट्टी में मुलाकात किया था और दिनेश गोप को आत्मसमर्पण कराने के लिए प्रेरित किया था। इस पर माता-पिता ने कहा कि करीब डेढ़ सालों से दिनेश को न देखा है न उससे बातचीत हुई है। उसके पिता ने यह भी कहा कि जिस तरह से एक बेटा सुरेश मारा गया, हम चाहेंगे कि दिनेश पुलिस की गोली से न मरे वह आत्मसमर्पण करें। इसका यहीं से माता पिता के साथ पुलिस ने एक मार्मिक वीडियो वायरल किया जो संभवत: दिनेश गोप की गिरफ्तारी का कारण बना।●

भारी मात्रा में गैस सिलेंडर बरामद

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची की पुलिस ने गैस सिलेंडर चोर गिरोह का खुलासा किया है। पहला मौका है जब ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने 101 गैस सिलेंडर बरामद किया। वहीं, चोरी किए गैस सिलेंडर लाने ले जाने को लेकर एक ऑटो को भी जब्त किया गया है। पांच जून सोमवार को नामकुम थाना परिसर में प्रेसवार्ता कर ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने जानकारी देते हुए कहा कि गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि नामकुम थाना क्षेत्र के खरसीदाग ओपी और नगड़ी थाना क्षेत्र के गैस गोदाम से गैस सिलेंडर चोरी कर विभिन्न गैस दुकान एवं अन्य व्यक्ति को बेचते थे। वहीं अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस के द्वारा लगातार छापामारी की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी में हरमू रोड निवासी 22 वर्षीय बिट्टू कुमार, चिरौंदी निवासी 30 वर्षीय रमेश कुमार, तिरिल बस्ती कोकर निवासी 25 वर्षीय निशांत कुमार और हनुमान नगर चिरौंदी निवासी 37 वर्षीय पंकज कुमार को शामिल है। इस मौके पर मुख्यालय वन एएसपी मूमल राजपुरोहित और नामकुम थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर सुनील तिवारी भी उपस्थित थे।

बताया कि नामकुम थाना क्षेत्र के खरसीदाग ओपी अंतर्गत एचपी गैस गोदाम कुटियातू,राँची से 39 गैस सिलेंडर की चोरी हुई थी। गैस सिलेंडर चोरी को लेकर गैस गोदाम मालिक ने लिखित आवेदन दिया था। जिसके बाद तत्काल इसकी सूचना एसएसपी को दी गयी। एसएसपी ने ग्रामीण एसपी को एक टीम गठित कर गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करने का निर्देश दिया। इस निर्देश के आलोक में ग्रामीण एसपी ने सहायक पुलिस अधीक्षक मुख्यालय-प्रथम के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया। छापेमारी टीम में नामकुम थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी के अलावा खरसीदाग ओपी प्रभारी सुखेदव साह,नामकुम थाना के पुलिस अवर निरीक्षक रवि कुमार केसरी, खरसीदाग ओपी के पुअनि सुधांशु कुमार समेत नामकुम और खरसीदाग ओपी के सशस्त्र बल ने शहर के अलग अलग थाना क्षेत्र में छापेमारी की। छापेमारी टीम ने विभिन्न स्थानों से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी की गई 30 पीस गैस सिलेंडर समेत अन्य 62 पीस गैस सिलेंडर को भी बरामद किया। वहीं, चोरी किये गये गैसे सिलेंडर की ढुलाई करने के आरोप में एक ऑटो को भी जब्त किया। साथ ही तीन मोबाइल फोन भी बरामद किया है।●

राष्ट्रपति ने किया झारखण्ड उच्च न्यायालय का किया उद्घाटन

● ओम प्रकाश

झारखंड हाई कोर्ट का 24 मई 2023 को नई इको फ्रेंडली बिल्डिंग की सौगात मिल गई है । जिसका उद्घाटन महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया। इस ऐतिहासिक मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अलावा राज्यपाल सिपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन , सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस अनिरुद्ध, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र, धन्यवाद ज्ञापन सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 5.28 मिनट्स में दीप प्रज्ज्वलित कर किया और स्वागत भाषण झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र ने किया। इसके बाद भगवान बिरसा मुंडा प्रतीक चिह्न देकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद 5.48 बजे महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रिमोट का बटन दबाकर झारखंड उच्च न्यायालय का उद्घाटन किया। धन्यवाद ज्ञापन सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, प्रधान सचिव वंदना डाडेल, अपर प्रधान सचिव विनय चौबे, डीजीपी अजय सिंह, आइजी विधि व्यवस्था संजय आनंद लठकर, उपायुक्त राहुल सिन्हा, एसएसपी किशोर कौशल, ग्रामीण एसपी नौशाद आलम, सिटी एसपी शुभानशु जैन, यातायात एसपी हारिस बिन जमॉ सहित न्यायाधीशगण, अधिवक्ता गण, एवं विधायक, मंत्री, सांसद , राज्य सभा सदस्य व आइएएस, आइपीएस सहित विशेष अतिथि गण उपस्थित थे।

☞ **अब अपना होगा हाईकोर्ट :-** आपको बता दें कि पटना हाई कोर्ट का स्थापना वर्ष 1916 में हुई थी और जब झारखंड बिहार में सम्मिलित था, तो छोटानागपुर के रांची में 6 मार्च 1972 को पटना हाई कोर्ट की पहली सर्किट बेंच की स्थापना हुई थी । छोटानागपुर क्षेत्र की आदिवासी आबादी की जरूरतों को देखते हुए इस बेंच की स्थापना की गई थी । 8 अप्रैल 1976 को तत्कालीन उज्जवल नारायण सिन्हा ने उद्घाटन किया था। 15 नवंबर 2000 को झारखंड हाई कोर्ट का गठन किया गया था, जिसमे चीफ जस्टिस वीके गुप्ता सहित 12 न्यायाधीश थे। नया झारखंड राज्य बनने के बाद प्रतिवर्ष मुकदमों की संख्या बढ़ती गई। साथ ही वकील ,मुंशी , मुव्वाकिल भी बढ़ते गए। एक जनवरी 2007 को न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाकर 20 कर दी गई। उस समय डोरंडा स्थित 5 एकड़ के हाई कोर्ट परिसर में जगह की कमी थी । परिसर में 2500 वकील हैं और लाइब्रेरी में दर्जन भर कुर्सी लगती थी, जो बीस मई 2023 को ही नये हाईकोर्ट भवन में सिफ्ट हो चुका है।

☞ **कैसे मिली जमीन :-** तत्कालीन अध्यक्ष व झारखंड हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता जयप्रकाश ने 12 मई 2010 को अपने जन्मदिन पर जनहित याचिका संख्या 2211 / 2010 दायर की थी । एचईसी राज्य सरकार को 2000 एकड़ जमीन दी है, जिसमें से 300 एकड़ जमीन झारखंड हाईकोर्ट को दिया गया । याचिका में मामले की सुनवाई चलती रही । तत्कालीन चीफ जस्टिस प्रकाश टाटिया की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में 2011 में नागड़ी अंचल के धुर्वा के तिरील मौजा में 165 एकड़ जमीन झारखंड हाईकोर्ट को दिया गया । इसके बाद सरकार ने हीं हस्तांतरित भूमि की चारदीवारी कराई । बाद में राज्य सरकार ने हास्तारिंत जमीन पर चारदीवारी वर्ष 2013 में हाईकोर्ट को नए भवन की आधारशिला रखी गई। भवन का निर्माण कार्य शुरू हुआ। निर्माण के दौरान तत्कालीन एक्टिंग चीफ जस्टिस डीएन पटेल के नेतृत्व में परिसर में पौधारोपण अभियान चलाया गया। वर्तमान न्यायधीश स्वीकृत है।

☞ **कैसा है इमारत :-** इको फ्रेंडली बिल्डिंग में चीफ जस्टिस का कोर्ट रूम, कोर्ट नंबर वन सबसे अंतिम हिस्से में है । इसका क्षेत्रफल 80 फीट लंबा, 65 फीट चौड़ा और 40 फीट ऊंचा है। इसमें वीडियो कांफ्रेंसिंग रूम, कॉन्फ्रेंस रूम ,लाइब्रेरी और डाइनिंग रूम बनाए गए हैं । 24 कोर्ट रूम भी अत्याधुनिक है । प्रथम तल्ले पर दाएं बाएं कुल 12 कोर्टरूम बनाए गए हैं । इतने ही कोर्टरूम के द्वितीय तल्ले पर भी बनाए गए हैं। वहीं सीनियर एडवोकेट के लिए 76 तथा अन्य अधिवक्ताओं के लिए 576 चेंबर बनाए गए हैं। बिल्डिंग में 32 लिफ्ट लगाए गए हैं , जिसमें एक बार में 13 व्यक्ति जा सकेंगे । ग्राउंड फ्लोर और दूसरे प्रथम तल पर दो दो स्केलेटर लगाए गए है। इस कैंपस के गेट नंबर 1 से जब आप प्रवेश करेंगे, तो 60 साल पुराना साइकस बोनसाई पौधा नजर आएगा। यहां से आगे बढ़ने पर 50 फीट ऊंचा भवन स्थल नजर आएगा ,यहां पर राष्ट्रीय झंडा तिरंगा फहराता रहेगा। सामने शेरों मोनियलम को बनाया गया है ,जहां से सीधे हाईकोर्ट के मुख्य भवन में प्रवेश किया जा सकता है, लेकिन यह विशेष अवसरों पर ही खुलेगा।

☞ **विभिन्न प्रजातियों के 2000 से अधिक पौधे :-** इतना ही नहीं इस परिसर को हरा-भरा रखने के लिए 30 हजार वर्ग फीट में विभिन्न प्रजातियों के 4436 के करीब पौधे लगाए गए हैं, जिनमे मुख्य रूप से आम, पीपल, बरगद, नीम आदि के साथ 400 विभिन्न प्रकार के फूल-

पौधे लगाए गए है और इसके पटवन के लिए स्वचालित व्यवस्था की गई है।

☞ **वर्तमान में झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीशगण :-** झारखंड चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र, जस्टिस संजय प्रसाद ,अंबुज नाथ, सुभाष चंद्र ,संजय कुमार द्विवेदी, राजेश कुमार ,राजेश शंकर, आनंद सेन, रंगन मुखोपाध्याय ,एस चंद्रशेखर , सुजीत नारायण प्रसाद, रत्नकार भेंगरा, डॉक्टर एसएन पाठक, अनिल कुमार चौधरी, अनुभवा रावत चौधरी, दीपक रोशन, गौतम कुमार चौधरी ,नवनीत कुमार ,प्रदीप कुमार श्रीवास्तव शामिल हैं।

☞ **झारखंड हाई कोर्ट का क्षेत्र फल :-** 168 एकड़ क्षेत्रफल के करीब 68 एकड़ भूमि पर हाईकोर्ट भवन बनाया गया है। इसमें तीन ब्लाक है, जिसमे 550 करोड़ राशि की लागत लगी है । पांच सौ सीसीटीवी कैमरे, चीफ जस्टिस कोर्ट सहित 13 कोर्ट है , दूसरे तल पर 12 कोर्ट,70 पुलिसकर्मी के लिए बैरक,95 सरकारी वकीलों का चौंबर,तीस लोगों के बैठने के लिए कांफ्रेंस हॉल, इस भवन में पार्किंग कोर्ट रूम अधिवक्ता और रजिस्ट्री भवन बनाएं गए हैं, 30 हजार वर्ग फीट में लाइब्रेरी है , पांच लाख किताबे रखने की व्यवस्था,दो बड़े हॉल में 12 से अधिक लोगों की बैठने की जगह है। 540 चेंबर भी अधिवक्ताओं के लिए अलग से बनाए गए हैं, 2000 वाहनों के रखने की व्यवस्था है। मौके पर कई न्यायाधीशगण,अधिवक्ता गण, एवं विधायक, मंत्री, सांसद, राज्य सभा सदस्य व आइएएस, आइपीएस सहित विशेष अतिथि गण उपस्थित थे।●

गांजा बेचने के क्रम में पत्नी गिरफ्तार, पति फरार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची की चुटिया थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक महिला गांजा बिक्रेता को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला का नाम आशा देवी है। वह चुटिया के कृष्णापुरी में रहती है। पुलिस ने उसके

250 ग्राम गांजा,नगद 43,200 रुपए व एक मोबाइल भी जब्त किया है। इस सम्बंध में चुटिया थाना प्रभारी वेंकटेश कुमार ने बताया कि एसएसपी किशोर कौशल को गुप्त सूचना मिली थी कि चुटिया क्षेत्र में गांजा की बिक्री हो रही है। सूचना के आधार पर एवं एसएसपी के निर्देश पर सिटी एसपी शुभांशु जैन के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। इसके बाद उन्होंने और चुटिया थाना प्रभारी वेंकटेश कुमार ने अपने दलबल के साथ मंगलवार देर शाम को कृष्णापुरी रोड नंबर पांच में संजय उरांव उर्फ छोटू के घर में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान संजय उरांव के घर में छिपाकर रखा बड़ी मात्रा में गांजा मिला। पुलिस ने उसके घर से नगदी और गांजा पैक करने के लिए रखे प्लास्टिक के पैकेट भी जब्त किए। आरोपी महिला को पुलिस ने जेल भेज दिया है। पुलिस ने जब गिरफ्तार आशा देवी से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसका पति संजय उरांव गांजा लेकर आता था और वह बेचती थी। पुलिस से बचने के लिए संजय उरांव अपनी पत्नी का इस्तेमाल गांजा बेचने के लिए किया करता था, ताकि पुलिस उसपर शक नहीं करे। संजय उरांव फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। संजय उरांव उड़ीसा से गांजा लेकर आता था और राँची में अपनी पत्नी की सहायता से बेचा करता था।●

ट्रैफिक जवानों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में आए दिन चेन स्नैचिंग की खबरें हम पढ़ते और देखते हैं, साथ ही यह भी खबरें छपती हैं कि ट्रैफिक पुलिस यातायात व्यवस्था में ध्यान नहीं दे रही है , लेकिन इसी बीच रांची शहर के जगन्नाथपुर थाना और सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ड्यूटी में तैनात 5 ट्रैफिक जवानों ने आश्चर्यचकित कार्य करने वाला काम किया है। जिसके काम की सराहना चारों ओर हो रही है। इसी को देखते हुए ट्रैफिक एसपी हारिस बिन जमॉ और सिटी एसपी शुभांशु जैन ने संयुक्त रूप से इन पांचों जवानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और हौसलाा अफजाई की।

☞ **क्या है पूरा मामला :-** बता दें कि बीतें 27 मई को जगन्नाथपुर थाना अंतर्गत डीपीएस स्कूल के पास एक मोटरसाइकिल पर दो युवक सवार थे, इसके साथ अलग ई रिक्शा में एक युवती भी थी। दोनों युवकों ने डीपीएस स्कूल के पास एक राह चलती महिला के गले की चेन स्नैचिंग कर फरार हो गया। महिला के चिल्लाने पर डीपीएस स्कूल के पास तैनात एएसआई विश्राम उरांव ने वायरलेस से अरगोड़ा चौक पर तैनात ट्रैफिक जवानों को सूचना दी। वहां पर तैनात ट्रैफिक जवान संजय कुमार मांझी, धीरज कुमार, अमरजीत कुमार राय इन जवानों ने मिलकर बैरिकेडिंग कर दी और भाग रहे युवकों को करीब 2 किलोमीटर तक खदेड़कर पकड़ लिया। दोनों युवकों में एक युवक सलमान सोने की चेन को निगल लिया ,चेन अभी उसके पेट में है और रिम्स में इलाजरत है । वहीं दूसरा युवक अरजान जफर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । युवती अभी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। सलमान नौ मामले में लोअर बाजार, चुटिया, डोरंडा,अरगोड़ा और लालपुर थाना से विभिन्न मामलों में जेल जा चुका है। वहीं अरजान युवती के चक्कर में आत्महत्या के आरोप में जेल जा चुका है।

☞ **युवती फरार :-** युवती आरोपी सलमान और अरजान के साथ थी। वह ई रिक्शा में थी। ट्रैफिक पुलिस उसे भी पकड़ लेती, लेकिन बताया जा रहा है कि मौके पर महिला पुलिस नहीं रहने के कारण वह युवती भागने में सफल रही।

☞ **बीस हजार रुपए थाना में जमा किये :-** वहीं दूसरी ओर जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के शनि मंदिर के पास ट्रैफिक पुलिस मकबूल अली अपने ड्यूटी में तैनात थे और महामहिम राष्ट्रपति का कार्यक्रम था। इसी बीच किसी व्यक्ति का 2000 के 10 नोट 20000 रुपए सड़क पर गिरे हुए मिले, जिसे मकबूल अली ने उठा लिया और इसको थाना में जमा करा दिया । अभी तक किसी व्यक्ति ने उस पैसे पर अपना दावा नहीं ठोका है।

☞ **पांच ट्रैफिक पुलिसकर्मी को किया गया सम्मानित :-** सभी पांचों ट्रैफिक पुलिसकर्मी एएसआई विश्राम उरांव, संजय कुमार मांझी, धीरज कुमार, अमरजीत कुमार राय और मकबूल अली के बेहतर कार्य को देखते हुए इन्हें सम्मानित किया गया है। बाकी ट्रैफिक जवानों से भी यही उम्मीद की गई है कि वह भी इसी तरह से बेहतर कार्य करेंगे और पुलिस पदाधिकारियों का नाम रोशन करेंगे।

☞ **क्या कहा ट्रैफिक एसपी ने :-** ट्रैफिक एसपी हारिस बिन जमॉ ने कहा कि ट्रैफिक जवानों के द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य से पुलिस खुद को गौरवान्वित महसूस कर रही है। आशा भी करती है कि आगे भी इसी तरह से सभी जिला पुलिस के जवान काम करेंगे। सभी से इसी तरह की उम्मीदें हैं और हम सब इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। ●

तनवीर अहमद हत्या काण्ड के पांच आरोपी गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची के बरियातू थाना क्षेत्र के एदलहातू में बीते दिन हुए बिटटू खान हत्याकांड मामले की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। इस मामले में पुलिस ने पाँच अपराधी को गिरफ्तार किया है। बीते 6 जून को शाम करीब 6 बजे दो बाइक से आए चार अपराधियों ने बिट्टु खान को बदले की भावना से सड़क पर गोलियों से भून दिया था। मामले के बाद पुलिस तुरंत सक्रिय हुई और करीब 7 दिन बाद पाँच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। राँची के एसएसपी किशोर कौशल ने इस मामले की जानकारी प्रेस वार्ता कर दी। एसएसपी किशोर कौशल के निर्देश पर गठित एसआईटी की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस हत्याकांड की घटना में शामिल रोहन श्रीवास्तव, मोहम्मद आरिफ ,अंकित कुमार सिंह, दीपक कुमार सिंह और अंकुश कुमार सिंह को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने दो पिस्तौल, तीन जिंदा गोली, दो बाइक और चार मोबाइल फोन बरामद किया है। घटना के बारे में एसएसपी ने बताया कि इस हत्याकांड में संलिप्त सभीआरोपी गिरफ्तार कर लिए गए है। चार लोगों ने हत्या की घटना को अंजाम दिया और बाकी के दो आरोपी रेकी कर रहे थे। रोहित मुंडा, रोहन श्रीवास्तव, अभिषेक मालिक और शुभम विश्वकर्मा दो बाइक से घटनास्थल गए थे और बिट्टू खान की गोली मारकर हत्या कर दी, वहीं अंकुश कुमार सिंह एदलहातू टीओपी और दीपक कुमार सिंह बिट्टू के घर की रेकी कर रहा था। अंकुश कुमार सिंह और दीपक कुमार सिंह ने बताया कि घटना के दिन एक बाइक पर आरोपी शुभम और अभिषेक मलिक था, जिसमें शुभम गाड़ी चला रहा था और अभिषेक के पास पिस्तौल था एवं दूसरे मोटर साईकिल पर रोहन श्रीवास्तव और रोहित मुण्डा था, जिसमें रोहन गाड़ी चला रहा था और रोहित मुण्डा उर्फ बीडी के पास पिस्तौल था। मौका पाते ही दोनों ने बिट्टू खान पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई और फरार हो गए।

बता दें कि मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ने सदर डीएसपी के नेतृत्व में टीम का गठन कर मामले की जांच की जिसके बाद गुप्त सूचना के आधार पर सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अपराधियों के पास से घटना को अंजाम देने में उपयोग किया गया 1 आर्म्स, 2 मोटर साईकिल एवं अपराधियो का मोबाईल बरामद कर लिया है। साथ ही बता दें कि इनमें से चार अपराधियों की पहले से भी कई कांडों में संलिप्तता रही है।

☞ **तीन महीने पहले रची गई थी हत्या की साजिश :-** पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि गिरफ्तार हुए सभी अपराधियों के द्वारा मृतक तनवीर अहमद उर्फ बिट्टू को मारने का प्लान 02-03 महीने पहले नहीं बनाया गया था। अंकित कुमार सिंह को एदलहातु टीओपी का और दीपक कुमार सिंह को मृतक तनवीर अहमद उर्फ बिट्टू के घर की रेकी करने का काम सौंपा गया था। बीते तीन जून को जेल में बंद राज वर्मा से निर्देश प्राप्त करने के लिए दीपक कुमार सिंह और अंकुश कुमार सिंह उर्फ लकी जेल में मिलने गया था। जेल में बंद राज वर्मा के निर्देश पर घटना को अंजाम दिया गया था। घटना के दिन एक बाइक पर दुर्गा और अभिषेक मलिक था, जिसमें दुर्गा गाड़ी चला रहा था और अभिषेक मलिक के पास पिस्तौल था। और दूसरा बाइक पर रोहन श्रीवास्तव और रोहित मुण्डा उर्फ बीड़ी था, जिसमें रोहन श्रीवास्तव गाड़ी चला रहा था तथा रोहित मुण्डा उर्फ बीड़ी के पास पिस्तौल था। घटना के बाद डोरण्डा के मो. आरिफ को हथियार और बाइक छुपाने के लिए दिया गया था।

☞ **कैदी वाहन में अपराधी लव कुश शर्मा और राज वर्मा के बीच हुई थी मारपीट :-** बीते 27 मार्च को कुख्यात अपराधी लवकुश शर्मा और राज वर्मा दोनों को ही राँची जेल से एक मामले में पेशी के लिए अदालत लाया गया था। अदालत में पेशी के बाद अन्य कैदियों के साथ कैदी वाहन में ही राज वर्मा और लव कुश शर्मा को पुलिस सुरक्षा में वापस जेल भेजा जा रहा था। इसी दौरान लव कुश शर्मा और राज वर्मा में एक पुरानी बात को लेकर कहासुनी हुई और देखते ही देखते दोनों एक-दूसरे से भिड़ गए। भवन के बाहर मौजूद पुलिसकर्मियों ने दोनों को चेतावनी दी कि वह लोग लड़ाई बंद कर बैठ जाए लेकिन वह नहीं माने, जिसके बाद कैदी वाहन के चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को सीधे बरियातू थाने में घुसा दिया। गौरतलब है कि लव कुश शर्मा और राज वर्मा के गैंग के बीच पुरानी रंजिश है। राज वर्मा कालू लामा गिरोह से ताल्लुक रखता था। एक वर्ष पहले शिबू सोरेन आवास के पास सरेआम कालू लामा की गोली मारकर लवकुश शर्मा गिरोह के द्वरा हत्या कर दी गई थी। इसी मामले में झारखंड एटीएस ने इसी साल लव कुश शर्मा को बिहार से गिरफ्तार किया था।

☞ **रेकी कर की गयी थी हत्या :-** बिट्टू खान पर कुख्यात गैंगस्टर कालू लामा की रेकी कर हत्या कराने का आरोप लगा था। उस दौरान बिट्टू खान को गिरफ्तार कर लिया गया था। वह हत्या से छह महीने पहले ही जेल से बाहर आया था। कालू लामा गैंग के सदस्यों से बचने के लिये अपराधी बिट्टू खान एदलहातु छोड़ चुका था। जेल से छूटने के बाद से ही वह राँची के हिंदपीढ़ी इलाके में रहने लगा था। बताया जा रहा था कि हत्या से दस दिन पहले से वह फिर से सुबह और शाम में एदलहातू स्थित अपने आवास जाता था।जिसकी जानकारी लामा गिरोह को हो गयी थी। जिसकी बाद रेकी कर उसकी हत्या कर दी गयी। ●

झारखण्ड पुलिस एसोसिएशन का महाधिवेशन

● **ओम प्रकाश**

झारखंड पुलिस एसोसिएशन का तीन दिवसीय महाधिवेशन 15, 16 एवं 17 जून 2023 को भव्य रूप से किया जा रहा है । इस आयोजन की तैयारी को लेकर झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह अपने सभी पदाधिकारियों एवं सहयोगियों के साथ पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि रिम्स के ऑडिटोरियम में तीन दिवसीय झारखंड पुलिस एसोसिएशन का 103 वीं स्थापना वर्षगांठ एवं सप्तम महाधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है और इस कार्यक्रम में हमारे डीजीपी सहित कई वरीय पुलिस पदाधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। साथ ही साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी हम लोग आमंत्रित कर रहे हैं।

☞ **पहला दिन :-** 15 जून को प्रथम सत्र में सप्तम महाधिवेशन का शुभारंभ होगा। द्वितीय सत्र में चिंतन एवं मार्गदर्शन सत्र आयोजित होगा, जिसमें अतिथियों का मार्गदर्शन प्राप्त किया जाएगा और तृतीय सत्र में आम सभा आयोजित की जाएगी, इस सत्र में पर्यवेक्षक गण अपना मतदान संबंधी अनुशासन समझाएंगे एवं उम्मीदवार वोटरों से अपना परिचय देते हुए वोट के लिए अपील करेंगे।

☞ **दूसरे दिन :-** वहीं 16 जून को सुबह 8:00 मतदान का कार्यक्रम होगा, जो शाम तक चलेगा और 17 जून को चुने गए नए पदाधिकारी का पदभार ग्रहण एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

☞ **1178 करेंगे मतदान :-** योगेंद्र सिंह ने कहा कि महाधिवेशन में पंच पदों पर नामांकन किया गया है। अध्यक्ष पद पर तीन उम्मीदवार हैं, उपाध्यक्ष पद पर पांच उम्मीदवार, महामंत्री पद पर दो उम्मीदवार, संयुक्त सचिव पर चार उम्मीदवार एवं संगठन सचिव पद पर तीन उम्मीदवारों ने नामकरण किया है। इस तरह से पांच पद पर कुल 17 सदस्यों का केंद्रीय चुनाव का नामांकन किया गया है । वहीं महाधिवेशन को पूर्ण रूप से संपन्न करने के लिए समिति की गठन की गई है , जिसमें स्वागत समिति, पत्रकार समिति, अवसान समिति , लेखा समिति, भोजन समिती , यातायात समिति, इस तरह से कुल छह समितियां में कुल 67 सदस्यों को शामिल किया गया है ,जो अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे। वहीं 1178 मतदाता मतदान करेंगे।

☞ **मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूरी हुई मांगे :-** अध्यक्ष ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार में जो झारखंड पुलिस एसोसिएशन की मांगे थी, उसे पूरा किया गया। जिसमें पुलिस कर्मियों को 13 माह के वेतन के बदले काटे गए 20 दिनों के क्षतिपूर्ति अवकाश को वापस किया गया। पुरानी पेंशन योजना वापस की गई और उसे लागू किया गया है। नई पेंशन योजना हमारे विरोध में शुरू में की गई थी परंतु पूर्व के सरकार इसे अनसुनी कर देते थे। इसके अलावा सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा नियमावली 2016 पूर्व के सरकार द्वारा बनाई गई थी, जो सिपाही संवर्ग के प्रोन्नति में भेदभाव हो रही थी तथा आगे भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा था, प्रोन्नति में बाधा उत्पन्न हो रही थी । हम लोगों के बातों को एवं मांगों को मुख्यमंत्री जी पूरा किये हैं। इससे पहले से सिपाही संवर्ग के पुलिसकर्मियों में उत्साह एवं उमंग की लहर दौड़ गई है। इस मौके पर झारखंड पुलिस एसोसिएशन के महामंत्री अक्षय राम ने कहा कि जो कार्यक्रम हो रहा है ये 20 मई 1920 को कोलकाता में इसकी शुरुआत की गई थी। पिछले साल कोविड था, इसलिए हम लोगों ने इस कार्यक्रम का भव्य आयोजन नहीं कराए थे, इसलिए इस बार सब कुछ ठीक-ठाक है, तो हम लोग कार्यक्रम का रूप रेखा तैयार किए जो भव्य तरीके से होगा। इस अवसर पर झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह, महामंत्री अक्षय राम , संयुक्त सचिव महताब आलम, प्रक्षेत्रीय मंत्री धर्मेंद्र सिंह, संगठन सचिव अंजनी कुमार, उपाध्यक्ष अरविंद प्रसाद यादव, वायरलेस सचिव सुरेंद्र राय, नरेंद्र कुमार, जैप 10 के अध्यक्ष तारकेश्वर यादव, आईआरबी पांच के अध्यक्ष लाल शर्मा ,श्रीकांत शर्मा , राजकुमार यादव अभय कुमार सिंह , नीरज पाठक, क्षेत्रीय मंत्री सुश्री भारती, गौतम बरेली सहित सभी संगठन के सदस्य गण उपस्थित थे।●

कोतवाल, हवलदार और सिपाही के अभिनय को देखकर लोटपोट हुए दर्शक

● ओम प्रकाश

संत सबनीस लिखित और उषा बनर्जी द्वारा अनुवादित , पत्रकार कला मंच के बैनर तले संगीत व नाट्य निर्देशन निलय सिंह द्वारा निर्देशित सैंया भए कोतवाल नाटक का सफल मंचन सीएमपीडीआई के मयूरी प्रेक्षागृह में 11 जून 2023 किया गया। मंच ने यह नाटक आदिम जनजाति सेवा मंडल के सहायतार्थ के लिए किया गया । हास्य और व्यंग इस नाटक का आनन्द सभी दर्शकों ने लिया। नाटक में समसामयिक घटनाओं का समावेश बहुत ही चुटीले अंदाज में टाइमिंग के साथ प्रस्तुत किया गया। संगीत में भी मराठी के साथ-साथ नागपुरी झलक भी देखने को मिली। नाटक में हवलदार की मुख्य भूमिका राज सिंह न्याय करते दिखे, कोतवाल की भूमिका में संदीप नाग को दर्शकों ने सराहा, वहीं सिपाही की भूमिका में परवेज कुरैशी ने अपने टाइमिंग और पंच पर दर्शकों को हंसा हंसा कर लोटपोट कर दिया। राजा की भूमिका में एएसआरपी मुकेश और प्रधान की भूमिका में जय शंकर कुमार को भी दर्शकों ने पसंद किया । मैनावती की भूमिका में स्वस्तिका शर्मा ने अपने अभिनय और नृत्य से दर्शकों का दिल जीत लिया और सख्या की संक्षिप्त भूमिका में विनय मुर्मू ने वाहवाही लूटने में सफल रहे। कोरस में संतोष मृदुला, शिवांग, बसंत और शर्मिष्ठा थे। सह निर्देशन संतोष मृदुला और अमित दास ने किया। पार्श्वगायक निलेश सिंह और छंदोंश्री, ढोलक पर जाहिद खान, कॉस्टयूम संजय लाल और संदीप नाग, रूप सज्जा प्रदीप बोस और संजय सिंह, मंच सामग्री परवेज कुरेशी, मंच सज्जा शिवांग, प्रकाश प्रदीप बोस, ध्वनि शिव साउंड, प्रचार एसआरपी मुकेश और प्रबंधन अमित दास अक्षय तिवारी संजय सिंह और रॉबिन छावड़ा का रहा। इस मंचन के प्रायोजक वासुदेव चटर्जी स्मृति फाउंडेशन और सिटीजंस फाउंडेशन रहे, जबकि सीएमपीडीआई , हॉट लिप्स, रांची प्रेस क्लब और देशप्रिय क्लब का विशेष आभार रहा। मौके पर झामुमो के वरिष्ठ नेता सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य, जेपीएससी सदस्य डा अजिता भट्टाचार्य, डा कमल बोस,प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष सुशील सिंह मंटू, वरिष्ठ पत्रकार सुनील सिंह बादल , राजीव चटर्जी, जेएफटीए के संचालक राजीव सिन्हा, समाजसेवी सुधीर पाल, रंगकर्मी ऋषिकेश लाल कांस्यकार, जयदेव, विवेक, विक्की, सोनम गुप्ता सहित कई पत्रकारगण, फोटो जर्नलिस्ट उपस्थित रहे। ●

राँची पुलिस ने बाइक चोरों को किया गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राँची पुलिस ने 8 बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बाइक चोरों के नाम सुमित मिर्धा उर्फ बाबू, मोहम्मद गुड्डू, मोहम्मद वारिस, अनिल शर्मा, सनी महली, वीर सिंह महतो, सुनील कुमार महतो और विनय कुमार महतो है। गिरफ्तार सभी बाइक चोर रांची जिले के रहने वाले हैं। 8 जून को कोतवाली थाना पुलिस को जानकारी मिली थी कि कचहरी परिसर से एक स्कूटी चोरी हो गई है। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने स्कूटी की बरामदगी के लिए छापेमारी की। इस घटना के संबंध में सीसीटीवी फुटेज निकाला गया, जिसमें एक व्यक्ति की पहचान की गई। पहचान करने के बाद व्यक्ति को

गुमला जिले के सिसई इलाके से सुमित मिर्धा उर्फ बाबू को गिरफ्तार कर स्कूटी बरामद किया गया। सुमित मिर्धा की गिरफ्तारी के बाद इसके इशारे पर और भी कई लोगों की गिरफ्तारी की गई और भी बाइक बरामद की गई। रांची पुलिस ने कुल 10 बाइक बरामद किया है। रांची के एसएसपी किशोर कौशल प्रेस वार्ता कर मामले का खुलासा किया। ●

अंधविश्वास के चक्कर में पड़कर की हत्या

● ओम प्रकाश

जिले के तमाड़ थाना इलाके में 2 दिन पूर्व हुई हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हत्या में प्रयोग किए गए टांगी भी बरामद किया है। बताया गया कि मृतक दुर्गा चरण मुंडा के लापता होने की जानकारी उनके पुत्र से मिलने के बाद पुलिस ने शव बरामद किया था। पुत्र ने बताया था कि 27 मई को उसके पिता देवड़ी मंदिर के समीप यूनाइटेड बैंक से पैसा निकालने गए थे। लेकिन अभी तक घर वापस नहीं आए हैं। उसके बाद पुलिस के साथ खोजबीन शुरू लिया गया। खोजबीन के क्रम में जाहिर टीकर नामक गांव के समीप 500 मीटर की दूरी पर, एक व्यक्ति का शव खून से लथपथ मिला। जिसकी शिनाख्त दुर्गाचरण मुंडा के रूप में की गई। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए गुप्त सूचना के आधार पर कार्तिक मुंडा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने कबूला की दुर्गा चरण मुंडा की हत्या उसने अपने एक साथी के साथ मिलकर की थी। आरोपी ने बताया कि दुर्गाचरण मुंडा के जादू टोना के कारण उसे टीबी हो गया है। जबकि आरोपी को पहले से ही टीबी

की बीमारी थी ,लेकिन तांत्रिक के चक्कर में पड़ने के कारण, तांत्रिक ने कार्तिक मुंडा को विश्वास दिलाया कि दुर्गा चरण मुंडा के जादू टोने के कारण ही तुम्हें टीबी हो गया है। इस पर वह उसकी हत्या करने की कोशिश में था और उस दिन बैंक से लौटने के दौरान रास्ता सुनसान होने के कारण उसने उसकी उस जगह पर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी कार्तिक मुंडा और हत्या में साथ देने वाले उसके साथी सुरेंद्र मुंडा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।●

हत्या के आरोप में दो गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची के कांके थाना इलाके में हुई एक हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो अपराधी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया गया कि रामनवमी के जुलूस में निकला अरविंद उरांव नामक युवक की हत्या कर दी गई थी। दूसरे दिन उसका शव बरामद हुआ था। पुलिस को परिजनों ने बताया था कि अरविंद रामनवमी जुलुस देखने निकला था लेकिन देर रात घर ना पहुंचने पर इसकी सूचना पुलिस को दी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण नौशाद आलम रांची के निर्देशन में थाना प्रभारी कांके आभास कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर गुप्त सूचना के आधार पर घटना को अंजाम देने वाले अपराधी कृष्णा राम उर्फ बिल्लू और सुमित कुमार उर्फ डोम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जब अरविंद की खोजबीन में जुट गई तभी पुलिस को मालूम चला कांके थाना

इलाके के सुंदर नगर डीएवी स्कूल जाने वाले रास्ते में एक शव पड़ा हुआ है। शव को कंबल प्लास्टिक और गमछा के सहारे लपेटा गया है। उसी समय से पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एवं इसकी जांच करते हुए मानवीय गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी कृष्णा राम और सुमित कुमार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार करने के बाद दोनों से पूछताछ में आरोपी ने हत्या की बात स्वीकारी और हत्या का मुख्य वजह आपसी रंजिश बताया ।गिरफ्तार अपराधियों ने बताया कि रामनवमी की रात उसकी ईंटा और पत्थर से कूच कर हत्या कर दी और शव को छुपाने की नियत से कंबल गमछा और प्लास्टिक से लपेट कर शव को सुंदर नगर के समीप ठिकाने लगा दिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर खून लगा हुआ पत्थर और दो मोबाइल भी बरामद किया है। गिरफ्तार कृष्णा राम का पुराना आपराधिक रिकार्ड है। वह पहले भी कई हत्या के आरोप में जेल जा चुका है।●

प्रगतिशील लोकतंत्र के लिए जरूरी है

'एक देश एक चुनाव'

● **प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी**

एक स्वस्थ, टिकाऊ और विकसित लोकतंत्र वही होता है, जिसमें विविधता के लिए भरपूर जगह होती है, लेकिन विरोधाभास नहीं होते। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के भविष्योन्मुखी दृष्टि वाले नेतृत्व में विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत धीरे-धीरे इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। 'एक देश-एक टैक्स' की सफलता ने इस बात को सही साबित किया है। अब तक देश के लगभग एक तिहाई राज्यों में लागू हो चुके 'एक नेशन-एक राशन' कार्यक्रम के ऐसे ही सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। इसी प्रकार, एक देश-एक कानून (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लागू किए जाने के विचार को भी जनता के एक विशाल वर्ग का अपार समर्थन मिल रहा है। 'एक देश-एक चुनाव' लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं का चुनाव एक साथ करवाने का एक नीतिगत उपक्रम है। इसे समझने के लिए हमें चुनाव की प्रक्रिया को समझना होगा। हमारे देश में केंद्र और सभी राज्यों में, केंद्र शासित प्रदेशों को छोड़कर, जनता द्वारा चुनी हुई सरकारें कार्य करती हैं। इनका कार्यकाल पांच वर्ष का होता है। ये कार्यकाल, किसी भी महीने पूरा हो सकता है। जब किसी निर्वाचित सरकार का पांच साल का कार्यकाल पूरा हो जाता है, तो उस राज्य में अथवा केंद्र में एक निर्धारित अवधि के अंदर नए चुनाव कराना आवश्यक होता है, ताकि वहां नई सरकार गठित की जा सके और देश और उस प्रदेश का काम फिर से सुचारू ढंग से चलना सुनिश्चित किया जा सके। चुनावों की प्रक्रिया को निर्बाध व निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने के लिए, काफी बड़े तंत्र व खर्च की आवश्यकता होती है। जितने ज्यादा चुनाव, उतनी ही ज्यादा व्यवस्था। 2023 को ही लें । इस साल राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, जम्मू-कश्मीर, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और मिजोरम समेत देश के दस राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें कितने समय, धन और व्यवस्था की जरूरत पड़ेगी, इसका अंदाजा लगाना कोई मुश्किल काम नहीं है। ऊपर से, इन चुनावों के खत्म होते-होते लोकसभा चुनावों की गहमागहमी शुरू हो जाएगी। अब सोचिए कि अगर इन राज्यों के और लोकसभा के चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था की जा सके तो कितना देश का कितना समय और धन बचेगा। आज अगर हम देश के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डालें, तो पायेंगे कि हर वर्ष देश को कोई न कोई हिस्सा चुनावमय बना रहता है। लेकिन, शुरुआत में ऐसा नहीं था। देश के पहले आम चुनावों से लेकर अगले पंद्रह सालों तक, 1952, 1957, 1962, 1967 में चार बार लोकसभा चुनाव हुए और हर बार राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव भी इनके साथ-साथ ही करवाए गए। लेकिन, जब 1968-69 में अलग-अलग कारणों से कुछ राज्यों की विधानसभाएं उनका कार्यकाल खत्म होने से पहले ही भंग कर दी गई, तो यह सिलसिला बाधित हो गया। यहां तक कि पहली बार लोकसभा चुनाव भी समय से पहले ही करवा लिए गए। चौथी लोकसभा का कार्यकाल 1972 तक था, लेकिन आम चुनाव इसके पूरा होने से पहले ही 1971 में करा लिए गए। इससे समझा जा सकता है कि अगर राज्यों के विधानसभा चुनाव और आम चुनाव एक साथ आयोजित कराने की बात की जा रही है तो इसमें कुछ भी ऐसा नहीं है, जिस पर आपत्ति की जानी चाहिए। लेकिन, जब भी केंद्र में सत्तासीन एनडीए सरकार, एक बार फिर इस व्यवस्था की बहाली की बात करती है तो विपक्ष इस तरह मुखर हो उठता है कि जैसे उसे किसी भी हाल में यह नहीं होने देना है। भाजपा विरोधी कुछ दल इसे भाजपा का 'सत्ता का केंद्रीकरण करने की योजना' कहकर इसका विरोध जारी रखे हैं, जबकि सच तो यह है कि 'एक देश, एक चुनाव' की अवधारणा काफी पुरानी है। इस विषय पर संविधान समीक्षा आयोग, विधि आयोग, चुनाव आयोग और नीति आयोग जैसे प्रभावशाली संस्थानों की राय भी काफी सकारात्मक है। अब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में राजग सरकार, राष्ट्रहित में इस विचार को और अधिक लटकाए न रखकर एक ठोस व साकार रूप देना चाहती है।

☞ **25 साल से जारी है विचार :-** विशेषज्ञ लंबे समय से 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर अपनी राय व्यक्त करते रहे हैं। वर्ष 1999 में विधि आयोग ने अपनी 170वीं रिपोर्ट में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने का समर्थन किया था। रिपोर्ट का एक पूरा अध्याय इसी मुद्दे पर केंद्रित है। चुनाव सुधारों पर विधि आयोग की इस रिपोर्ट को देश में राजनीतिक प्रणाली के कामकाज पर अब तक के सबसे सटीक दस्तावेजों में से एक माना जाता है। मजबूत केंद्र एवं शक्तिशाली नेतृत्व के प्रबल पक्षधर, तत्कालीन गृहमंत्री और प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी ने इसे राजनीतिक स्तर पर प्रमुखता से उठाया था। वर्ष 2003 में, अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया था। 'एक राष्ट्र एक

चुनाव' को लेकर भाजपा की इच्छाशक्ति और प्रतिबद्धता, पार्टी के 2014 और 2019 के घोषणापत्रों में भी देखी जा सकती है। दूसरी बार सत्ता संभालने के महज एक ही महीने बाद, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून 2019 को इस पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इसके लिए आमंत्रित 40 दलों में से 21 दलों के नेता इस विमर्श में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में रखी गई इस बैठक में शामिल हुए। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में एक कमेटी गठित करने का निर्णय लिया गया, जिससे इस मुद्दे पर आम सहमति बनाई जा सके और इसके काम करने के तरीकों की व्यवहारिकता और संभावनाओं को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की जा सके।

☞ **समय की मांग है 'एक देश, एक चुनाव' :-** इसके पीछे सबसे बड़ा उद्देश्य तो यही है कि राजकोष पर पड़ने वाले चुनावी खर्च के बोझ को कम से कम किया जाए, जो पिछले कुछ दशकों में लगातार बढ़ता ही गया है। इसके अलावा थोड़े-थोड़े अंतराल के बाद होने वाले चुनावों के दौरान आचार संहिता लागू हो जाने से बहुत सारे विकास कार्य और जनहित कार्यक्रम बाधित होते हैं, इससे भी बचा जा सकेगा। अगर हम खर्च की ही बात करें तो पिछले पैटर्न को देखते हुए हम पाएंगे कि पहले आम चुनावों से लेकर पिछले आम चुनावों तक उम्मीदवारों की संख्या करीब पांच गुना बढ़ी है, लेकिन चुनावों पर आने वाला खर्च पांच हजार गुना से भी ज्यादा हो गया है। 1951-52 में जब पहले लोकसभा चुनाव हुए थे, तो इनमें 53 राजनीतिक दल चुनावी समर में उतरे थे। इन चुनावों में 1874 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा और खर्च आया कुल 11 करोड़ रुपए। अब 2019 के लोकसभा चुनावों को देखते हैं। इनमें कुल 9000 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा और खर्च था लगभग 60 हजार करोड़ रुपए। यानि हर लोकसभा क्षेत्र पर औसतन 110 करोड़ का खर्च। जबकि 2014 के आम चुनावों पर इसका आधा ही यानी लगभग 30 हजार करोड़ रुपए खर्च आया था। अब देश में विधानसभा सीटों की बात करते हैं। सभी राज्यों में कुल मिलाकर विधानसभा की चार हजार से अधिक सीटें हैं। मोटे-मोटे तौर पर एक लोकसभा क्षेत्र में करीब आठ विधानसभा सीटें आती हैं। अगर हम 2019 के आम चुनावों के खर्च को विधानसभा चुनावों के परिप्रेक्ष्य में देखें, तो यह लगभग 15 करोड़ रुपए प्रति विधानसभा सीट बैठता है। मान लीजिए कि एक लोकसभा सीट और उसके अंतर्गत आने वाली आठ विधानसभा सीटों के लिए दो अलग-अलग समय पर चुनाव होते हैं। ऐसे में यह खर्च दोगुना हो जाएगा। लेकिन, अगर हम इन्हीं चुनावों को एक साथ करायें तो इस खर्च को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इससे जो धन राशि बचेगी, उसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने जैसे कार्यों में किया जा सकता है, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

☞ **चुनौतियां भी कम नहीं :-** सिर्फ खर्च ही नहीं, बल्कि अन्य कई दृष्टि से भी 'एक देश एक चुनाव' का विचार काफी फायदेमंद है। इसमें प्रशासनिक तंत्र और सुरक्षा बलों पर बार-बार पड़ने वाला बोझ कम होगा, जिससे वे चुनावी गतिविधियों से बचा समय दूसरे उपयोगी कामों को दे सकते हैं। मतदाता सरकार की नीतियों को केंद्र व राज्य दोनों स्तर पर परख सकेंगे। बार-बार चुनाव होते रहने से शासन-प्रशासन के कार्यों में जो बाधाएं आती हैं, उनसे बचा जा सकेगा। साथ ही एक निश्चित अंतराल के बाद चुनाव कराए जाएंगे तो जनता को भी राहत मिलेगी और राजनीतिक दलों, चुनाव आयोग, चुनावों में सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियों को इनकी तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा। हालांकि, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि भारत जैसे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में इस राह में बहुत सारी चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। इनमें सबसे बड़ी समस्या तो लोकसभा और विधानसभाओं के कार्यकाल के बीच सामंजस्य स्थापित करने की है। अगर हम 2024 के आम चुनावों को ही लें तो देश के करीब आधे राज्यों की विधानसभाएं इन चुनावों के दौरान ऐसी होंगी, जिन्होंने अपना आधा कार्यकाल भी पूरा नहीं किया होगा। ऐसे में उन्हें बीच में भंग कर नए चुनाव कराना बहुत सारे राजनीतिक विवादों का सबब बन सकता है।

मान लीजिए कि राजनीतिक दल आपसी सहमति से इसके लिए तैयार भी हो जाते हैं, तो इस विचार को व्यावहारिक धरातल पर उतारने के लिए कई विधानसभाओं के कार्यकाल को घटाना पड़ेगा और कई के कार्यकाल को बढ़ाना और इसके लिए संविधान में अनेक संशोधनों की आवश्यकता होगी। जैसे कि अनुच्छेद 83, जो कहता है कि लोकसभा का कार्यकाल उसकी पहली बैठक की तिथि से पांच वर्ष होगा और अनुच्छेद 172, जो यही प्रावधान विधानसभा के लिए निर्धारित करता है। इसके अलावा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और संसदीय प्रक्रिया में भी बदलाव करना होगा। लेकिन, अगर इरादा पक्का हो और राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो तो कुछ भी असंभव नहीं है। दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, जर्मनी, स्पेन, हंगरी, स्लोवेनिया, अल्बानिया, पोलैंड, बेल्जियम जैसे दुनिया के कई देश हैं, जो केंद्र और राज्यों के चुनाव एक साथ ही कराते हैं, ताकि उनके विकास की गति बाधित न हो। भारत इन देशों के अनुभवों का लाभ उठा सकता है। ●

(लेखक भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली के महानिदेशक हैं।)

2000 के नोट विदाई के अवसर पर जानिए रुपए की कहानी

आरबीआई कैसे करता है भारतीय करेंसी का प्रबंधन?

रिजर्व बैंक द्वारा 2000 रुपए के नोट को चलन से बाहर करने के फैसले से हड़कंप मचा हुआ है। हालांकि लोगों के पास इन नोटों को बैंकों में जमा करने के लिए 30 सितंबर तक का समय है लेकिन जिसके पास यह नोट है वह जल्द से जल्द खुद को फ्री करना चाहता है। बाजार में अचानक बड़ी संख्या 2000 के नोट आ गए। बड़े सौदों के लेनदेन में अचानक इनका प्रयोग बढ़ गया। पेट्रोल पंप, सोना चांदी, हवाला आदि में लोग इन नोटों को खपाने की कोशिश कर रहे हैं। 2016 की नोटबंदी के बाद आए 2000 के नोट की विदाई से पहले जानते हैं नोटों के सफर की रोचक कहानी। जानिए रिजर्व बैंक कैसे रुपए को मैनेज करता है।

☞ **कहां से आया रुपया :-** रुपया शब्द संस्कृत के रुप्यकम से आया है। इसका मतलब होता है चांदी का सिक्का। शुरुआत में जो मूल रुपया इस्तेमाल में लाया जाता था वो चांदी का होता था, इसकी वजह से इसका नाम रुपया पड़ा। मध्यकाल में भारत में रुपए का प्रयोग सबसे पहले सूरी वंश के शासक शेरशाह सूरी ने किया था। उन्होंने देश पर 1540 से 1545 तक राज किया था। उस समय 10 ग्राम सोने से बने सिक्कों को रुपया कहा जाता था। उन्होंने ही सोने के साथ ही तांबे का भी सिक्का चलाया।

☞ **कब शुरू हुआ कागज नोटो का प्रचलन :-** पहली बार देश में कागज के नोटों का प्रचलन 1861 के पेपर करेंसी एक्ट के बाद शुरू हुआ था। उससे पहले देश में सिक्कों का प्रचलन था। पहली कागजी मुद्रा विक्टोरिया पोट्रेट मुद्रा थी। ये नोट 10, 20, 50, 100 और 1000 रुपए के नोट में उपलब्ध थे। नोट पर क्वीन की तस्वीर थी और यह 2 भाषाओं में उपलब्ध थे। वर्ष 1923 में जॉर्ज पंचम की तस्वीर के साथ ही अधिक भाषाओं और विवरण वाले नोट प्रकाशित हुए। नोटों की प्रिंटिंग बैंक ऑफ इंग्लैंड में होती थी। 1928 में भारत पहली बैंक नोट प्रेस नासिक में स्थापित हुई।

☞ **रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया :-** रिजर्व बैंक भारत की अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करता है। यह केंद्रीय बैंक भारत में बैंकिंग प्रणाली भी संचालित करता है। 1935 में रिजर्व बैंक की स्थापना रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ऐक्ट 1934 के अनुसार हुई थी। 1938 में त्टप् ने सबसे पहले 5 रुपए का नोट जारी किया। बाद में इसी वर्ष 10, 100, 1000 और 10,000 रुपए के नोट जारी किए गए। 1940 में 1 रुपए का नोट जारी हुआ और फिर 1943 में 2 रुपए का नोट जारी कर दिया गया। आजादी से पहले आरबीआई स्वतंत्र बैंक हुआ करता था लेकिन स्वतंत्रता के बाद इसका राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। पूरे भारत में रिजर्व बैंक के कुल 29 क्षेत्रीय कार्यालय हैं। बैंक का मुख्यालय मुंबई में स्थित है। मौद्रिक नीति तैयार करना, उसका कार्यान्वयन और निगरानी करना आदि महत्वपूर्ण कार्य रिजर्व बैंक के ही जिम्मे हैं। मुद्रा जारी करना, उसका विनिमय करना और परिचालन योग्य न रहने पर उन्हें नष्ट करना भी RBI का काम है। आज भी देश में जारी हर नोट पर रिजर्व बैंक के गर्वनर के साइन होते हैं।

☞ **आजादी के बाद रुपए की विकास गाथा :** स्वतंत्र भारत में रिजर्व बैंक ने पहला नोट 1 रुपए का था जो 1949 में जारी किया था। इसमें अशोक चक्र का निशान था। इसके बाद साल 1954 में 10000 के नोट फिर से छापे जाने लगे। 1957 में उसने 1 रुपए को 100 पैसों में बांट दिया। जिसके बाद 1, 2, 3, 5, 10 और 20 पैसे के सिक्के जारी हुए। 1959 में हज यात्रियों के लिए 1 रुपए और 10 रुपए के विशेष नोट जारी किए गए। 1960 में अलग अलग रंगों के नोट का चलन शुरू हुआ। 1969 में पहली बार महात्मा गांधी के फोटो का इस्तेमाल नोट पर हुआ। आजादी के बाद 1972 में पहली बार 20 रुपए का नोट जारी किया गया। 1996 में महात्मा गांधी के चित्र लगे नोटों की श्रृंखला जारी की गई। 2016 में नोटबंदी के समय पहली बार 2000 का नोट जारी किया गया। इसी समय रिजर्व बैंक ने 500 का नया नोट भी लांच किया गया। इसके बाद 10, 20, 50, 100 और 200 रुपए के नए नोट भी जारी किए गए। हालांकि 7 साल की अल्प अवधि में ही 2000 के नोट की बाजार से विदाई का रास्ता साफ हो गया।

☞ **क्या है RBI की मुद्रा वितरण व्यवस्था :** रिजर्व बैंक अहमदाबाद, बेंगलुरू, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरूवनंतपुरम स्थित 19 निर्गम कार्यालयों तथा कोच्चि स्थित एक मुद्रा तिजोरी के माध्यम से मुद्रा परिचालनों का प्रबंधन करता है।

☞ **क्या है क्लिन नोट पॉलिसी :** RBI एक्ट 1934 की धारा 27 में स्पष्ट कहा गया है कि कोई भी शख्स किसी भी तरीके से नोटों को ना तो नष्ट करेगा और ना ही उससे किसी तरह की छेड़छाड़ करेगा। रिजर्व बैंक की अपनी क्लिन नोट पॉलिसी भी है। यह पॉलिसी 1999 में लागू की गई थी। इस पॉलिसी का उद्देश्य ग्राहकों को अच्छी गुणवत्ता वाले करेंसी नोट और सिक्के देना है। नोटों को सर्कुलेशन में बनाए रखने के लिए आरबीआई की यह पॉलिसी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। आरबीआई का मानना है कि हर नोट का अपना इस्टिमेटेड लाइफ स्पेन होता है।

इस पॉलिसी के तहत ही बैंक नोटों को चलन से बाहर करता है।

☞ **क्या होता है कटे-फटे और गंदे नोटों का :** क्लिन नोट पॉलिसी के तहत ही संचलन से वापस लिए गए नोटों की जांच की जाती है। जो नोट चलन के योग्य होते हैं उन्हें पुन: जारी किया जाता है, जबकि अन्य गंदे तथा कटे-फटे नोटों को नष्ट कर दिया जाता है। अगर कोई जाली नोट बैंककर्मियों के पास पहुंचता है तो इसे तुरंत नष्ट कर दिया जाता है।

☞ **बैंकों का राष्ट्रीयकरण :** 1 जनवरी, 1949 को भारतीय रिजर्व बैंक का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। कमर्शियल बैंकों को भारतीय बैंकिंग प्रणाली की रीढ़ की हड्डी कहा जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक का इन पर नियंत्रण रहता है। जुलाई 1969 में देश के 50 करोड़ रुपए से अधिक जमा राशि वाले प्रमुख 14 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के राष्ट्रीयकरण हुआ। इसी तरह 200 करोड़ रुपए से अधिक जमा राशि वाले और 6 बैंकों का राष्ट्रीयकरण अप्रैल 1980 को कर दिया गया। राष्ट्रीयकरण से पूर्व सभी वाणिज्यिक बैंकों की अपनी अलग और स्वतंत्र नीतियां होती थीं। बैंकों के राष्ट्रीयकरण से पहले किसानों और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का हाल बेहाल था। हालांकि बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बाद देश में सभी वर्गों के लोगों का विकास हुआ। हालांकि सरकार अब बैंकों के निजीकरण की तैयारी कर रही है। हो सकता है सितंबर तक 1 सरकारी बैंक का निजीकरण भी हो जाए।

☞ **नोटबंदी :** रिजर्व बैंक ने समय और परिस्थिति की मांग को देखते हुए देश में कई बार नोटों को वापस लेने का भी फैसला किया। 2016 में हुई नोटबंदी के दौरान सरकार ने 500 और 1000 के नोट बंद कर दिए थे। इसे विमुद्रीकरण कहा जाता है। इसके तहत नोट का लीगल टैंडर रद्द कर दिया जाता है। उसे बाजार में चलाने की अनुमति नहीं रहती है। इससे पहले 1978 में मोरारजी देसाई के राज में 1000, 5000 और 10,000 के नोट बंद किए गए थे। जब-जब भी अर्थव्यवस्था में काले धन का प्रभाव बढ़ता है सरकार विमुद्रीकरण का सहारा लेती है। इससे काला धन स्वत: ही नष्ट हो जाता है।

☞ **नोटो का चलन से बाहर होना :** सरकार कई बार नोटबंदी नहीं करते हुए भी उसे चलने से बाहर करने की योजना बनाती है। इसके तरह व्यक्ति को तय समय सीमा में बैंकों में नोट जमा करने का समय दिया जाता है। सरकार कई बार पुराने नोटों को बाजार से हटाने के लिए ऐसा करती है। हम गौर करें तो अब बाजार में 10, 20, 50 और 100 के पुराने नोट बाजार में दिखाई नहीं देते हैं। इन्हें रिजर्व बैंक बैंकों की मदद से चलन से बाहर कर चुकी है।

☞ **कौन कौन से नोट चलन में :** रिजर्व बैंक ने नोटबंदी के अलावा भी कई अवसरों पर पुराने नोट बंद कर नए जारी किए। कई बार पुराने नोट बंद नहीं किए और नए नोट चालू किए। हालांकि पुराने नोटों को धीरे धीरे चलन से बाहर हो गए और उनकी जगह नए नोटों ने ले ली। 1, 2, 5, 10 के सिक्के महंगाई की वजह से पहले ही चलन के बाहर हो गए। 25 पैसे के सिक्कों का चलन साल 2011 में बंद हो गया था। इसके बाद सरकार ने 50 पैसे के सिक्कों को बनाना बंद कर दिया। महंगाई के चलते लोगों ने इनका इस्तेमाल करना भी बंद कर दिया। फिलहाल देश में 5, 10, 20, 50, 100, 200, 500 और 2000 के नोट चलन में है। बाजार में 50 पैसे, 1 रुपए, 2, 5, 10 और 20 रुपए के सिक्के भी चलन में हैं। गौरतलब है कि सरकार ने भले ही 2000 के नोट चलन से बाहर करने का फैसला किया हो लेकिन इसका लीगल टेंडर रद्द नहीं किया है, यह सितंबर तक बाजार में चलते रहेंगे।

☞ **कैसे होती है नोटो की छपाई :** लोगों की जिज्ञासा इस बात में होती है कि नोटों की छपाई किस तरह होती है। इस संदर्भ में बैंक नोट प्रेस

के एक अधिकारी ने बताया कि होशंगाबाद से बनी बनाई शीट आती है जिस पर पहले से ही नंबर छपे होते हैं। नोट छापने के लिए जिस इंक का इस्तेमाल होता है वह भी स्पेशल होती है और नोट प्रेस को आरबीआई ही मुहैया कराती है। छपाई कई चरणों में होती है। उसकी जांच की जाती है। नोट छापने के बाद इसे रिजर्व बैंक के पास भेज दिया जाता है और वहां से इसे चेस्ट सेंटर्स के हवाले से बैंकों को सौंप दिया जाता है। आरबीआई द्वारा नोट जारी करने से पहले उसकी कोई वैल्यू नहीं होती है।

☞ **कमजोर होता चला गया रुपया :** 15 अगस्त 1947 में एक डॉलर की कीमत 4.16 रुपए थी। इसके बाद डॉलर लगातार मजबूत होता चला गया और रुपए की स्थिति बेहद कमजोर हो गई। 1991 में खाड़ी युद्ध और सोवियत संघ के विघटन के कारण भारत बड़े आर्थिक संकट में घिर गया और डॉलर 26 रुपए पर पहुंच गया। 1993 में एक अमेरिकी डॉलर खरीदने के लिए 31.37 रुपए लगते थे। साल 2008 खत्म होते रुपया 51 के स्तर पर जा पहुंचा।

☞ **मोदी राज में रुपए का हाल :** डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए की गिरती कीमत थमने का नाम नहीं ले रही है। 26 मई 2014 को नरेन्द्र मोदी ने एनडीए के प्रचंड बहुमत के बाद देश की बागडोर संभाली थी, उस समय डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत करीब 58.93 रुपए थी। मोदी राज में डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर ही बना रहा। डॉलर तेजी से कुलाचे भरता रहा और 2022 में इसने 82.33 का आंकड़ा छू लिया। 20 मई 2023 को 1 डॉलर की कीमत 82.91 रुपए थी। इस तरह मोदी राज में भी रुपया करीब 24 रुपए महंगा हो गया।

☞ **एटीएम :** ऑटोमेटेड टेलर मशीन (ATM मशीन) और एटीएम कार्ड की बदौलत भारत में एक नई क्रांति आई। भारत में 1987 में देश का पहला एटीएम शुरू हुआ था। इसे मुंबई में HSBC बैंक ने लगाया था। 2000 आते-आते देशभर में एटीएम से नकद निकालने का चलन आम हो गया। इसने ग्राहकों के साथ ही बैंकों का भी काम आसान कर दिया। पहले बैंकों से कैश निकालने के लिए लोगों को घंटों परेशान होना होता था। एटीएम अब 24 घंटे खुले रहते हैं। अत: आवश्यकतानुसार, कभी भी पैसा निकाला जा सकता है। वर्तमान में भारतीय स्टेट बैंक देश में सबसे बड़ा एटीएम सुविधा प्रदाता है। NFS नेटवर्क के तहत जनवरी 2022 तक देशभर में करीब 2 लाख 55 हजार एटीएम हैं।

☞ **बैंकों का डिजिटलाइजेशन :** बैंकों के डिजिटलाइजेशन ने भारत के बैंकिंग सैक्टर को एक नए मुकाम पर पहुंचा दिया। नेट बैंकिंग तक आम आदमी की पहुंच आसान हो गई। आज सभी बैंकों के अपने एप है। जो ग्राहकों के मोबाइल में इंस्टाल हो गए। बैंक से जुड़े सभी काम अब एक क्लिक पर हो जाते हैं। कोई भी व्यक्ति कही भी बगैर पर्स को हाथ लगाए पैसों का आदान प्रदान कर सकता है। बड़े कारोबारी से लेकर छोटे फुटकर व्यापारी तक सभी यूपीआई पेमेंट सहर्ष स्वीकार कर रहे हैं। इससे नोट की आवश्यकता कम हुई है साथ ही चेक का चलन भी ना के बराबर हो गया है। लोगों को खाते में जब रुपया डायरेक्ट पहुंचा तो अर्थव्यवस्था मजबूत बनी रही साथ लोगों को भी बड़ी राहत मिली।●

प्रकृति से नजदीक रहकर बॉटनी में बनाएं करियर

● डॉ. संदीप भट्ट

प्रकृति के पास रहने से हमें अक्सर बहुत सुकून मिलता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि जो लोग जो पेड़-पौधों, वनस्पतियों से लगाव रखते हैं, वे बेहद सर्जनशील होते हैं। पेड़-पौधों के वैज्ञानिक अध्ययन को वनस्पति शास्त्र कहते हैं। यह हमारी धरती पर मौजूद समस्त वनस्पतियों के अध्ययन का विज्ञान है। अक्सर विज्ञान विषयों के विद्यार्थी स्कूली स्तर से ही इस विषय को लेकर बहुत स्पष्ट नहीं होते हैं। अधिकतर विद्यार्थी इस प्रश्न पर बहुत कन्फ्यूज होते हैं कि क्या पेड़-पौधों के अध्ययन में भी कोई करियर हो सकता है। लेकिन वास्तव में पृथ्वी पर प्रकृति ने जितनी वनस्पतियां हमें दी हैं उनमें से हर एक के अध्ययन में बेहतरीन करियर हो सकता है। वास्तव में पेड़ पौधे आज भी हम मनुष्यों के लिए कई मायनों में गहरे रहस्य और अनुसंधान का विषय है। धरती पर जीवन शुरुआती चरणों में वनस्पतियों के रूप में ही उभरा है। हम देखते हैं कि पेड़ पौधों में मनुष्यों की अपेक्षा कई तरह की अद्भुत क्षमताएं होती हैं। जहां तक करियर का सवाल है वनस्पति शास्त्र में करियर के शानदार अवसर मौजूद हैं। तो आइए जानते हैं कि वनस्पति विज्ञान में करियर कैसे बनाया जा सकता है :-

☞ साइंस की दुनिया में बॉटनी एक बेहतरीन करियर फील्ड।

☞ प्रकृति से लगाव रखने वालों के लिए बहुत अच्छा विकल्प।

☞ पेड़-पौधों की संरचना, जैनेटिक्स, रोग विज्ञान जैसे अनुसंधानों से भरा हुआ फील्ड।

☞ पृथ्वी से लेकर स्पेस साइंस के मिशन में शामिल होते हैं बॉटनी के एक्सपर्ट्स।

★ **क्या है बॉटनी :-** दरअसल वनस्पति विज्ञान या बॉटनी जीवविज्ञान की एक शाखा है जिसके अंतर्गत पेड़ पौधों और उनके जैसी संरचनाओं का अध्ययन किया जाता है। वनस्पति विज्ञान के अंतर्गत शैवाल कवक जैसे माइक्रो ऑर्गेनिज्म का भी अध्ययन होता है। इसलिए वनस्पति शास्त्र का क्षेत्र बेहद है। बॉटनी के अंतर्गत पेड़ पौधों की शारीरिक क्रिया-विधियों' वर्गीकरण, आर्थिक महत्व, आकार-प्रकार, अनुवांशिकी और पारिस्थितिकी आदि विषयों का अध्ययन किया जाता है। इसके साथ ही पादपों के रोग और उपचार आदि का भी अध्ययन वनस्पति शास्त्र के अंतर्गत होता है। वनस्पति विज्ञान या बॉटनी जीवविज्ञान की एक शाखा है। वनस्पति विज्ञान के अंतर्गत अनेक माइक्रो ऑर्गेनिज्म का भी अध्ययन होता है।

★ **क्या करते हैं वनस्पति वैज्ञानिक :-** बॉटेनिस्ट या वनस्पति शास्त्र के वैज्ञानिक क्षेत्र में जाकर वनस्पतियों का अध्ययन करते हैं। वे उनके प्राकृतिक आवास उनके विकास, उनको हानि पहुंचाने वाले कारकों और मानव समुदाय के लिए वनस्पतियां किस प्रकार सहायक हो सकती हैं, इन तमाम विषयों का अध्ययन करते हैं। बॉटेनिस्ट के कामकाज का दायरा बहुत बड़ा होता है। उनके कार्यक्षेत्र में कई तरह के स्पेशलाइजेशन होते हैं। संपूर्ण मनुष्य एवं पृथ्वी पर मौजूद प्राणियों की निर्भरता पेड़-पौधों पर ही होती है इसलिए वनस्पति शास्त्र के वैज्ञानिकों का बहुत महत्व होता है। हमारी धरती के पार अंतरिक्ष में मौजूद अन्य ग्रहों में जीवन की संभावनाएं तलाशने में भी बॉटनी के विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है, इसलिए नासा समेत तमाम प्रतिष्ठित अंतरिक्ष विज्ञान की रिसर्च संस्थाओं के तमाम मिशन में बॉटनी के स्पेशलिस्ट की भी अहम भूमिका होती है।

★ **कैसे करें शुरुआत :-** बॉटनी में करियर बनाने के लिए आपको दसवीं के बाद से विज्ञान विषयों का अध्ययन करना होता है। आमतौर पर 12वीं में जीव विज्ञान के यानी बायोलॉजी के अंतर्गत वनस्पति एवं जंतु विज्ञान पढ़ाया जाता है। जब आप ग्रेजुएशन के लिए विषयों का चयन करें तब आपके पास बॉटनी में ऑनर्स या बायोलॉजी

विषयों के साथ किसी एक अन्य विषय के कॉन्बिनेशन में ग्रेजुएशन करने का विकल्प होता है। ग्रेजुएशन के दौरान आपको बॉटनी के तमाम अन्य सब-फील्ड्स के बारे में जानने के जानने और पढ़ने के लिए मिलता है। आप अपनी रूचि और क्षमता के अनुसार मास्टर डिग्री के लिए किसी एक बॉटनी की ब्रांच का चयन कर सकते हैं।

★ **बॉटनी में उपलब्ध कोर्सेज :-** बॉटनी एक बहुत ही वाइडर फील्ड है। साधारण शब्दों में कहें तो बॉटनी में बहुत विस्तृत संभावनाएं हैं। करियर के लिए आपसे अगर आप बैचलर ऑफ साइंस यानी कि बीएससी बॉटनी से भी इस फील्ड में करियर बनाने की शुरुआत कर सकते हैं। इसके अलावा जेनेटिक्स, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री बायोटेक्नोलॉजी, हॉर्टिकल्चर यहां तक कि एग्रीकल्चर भी बॉटनी से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े हुए फील्ड हैं। अंडर ग्रैजुएट लेवल पर आपको सेल बायोलॉजी यानी कि कोशिका विज्ञान, प्लांट एनाटॉमी, प्लांट फिजियोलॉजी, जेनेटिक, माइक्रोबायोलॉजी, एथनोबॉटनी जैसे कई विषयों के बारे में पढ़ाया जाता है। इसके बाद मास्टर डिग्री के लिए आप बॉटनी से संबंधित कोई भी स्पेशलाइजेशन का कोर्स कर सकते हैं। फिर चाहे वह बायोकेमेस्ट्री का कोर्स हो, मरीन साइंस का कोर्स हो या प्लांट बायोटेक्नोलॉजी का कोर्स हो, एमएससी बॉटनी हो या एनवायरमेंट साइंस इन एमएससी, तमाम इस तरह के कोर्स आपको मास्टर लेवल पर पढ़ने के लिए मिल सकते हैं। ये सभी कोर्स बॉटनी के एक एक्सपर्ट बतौर आपका करियर बनाने में सहायक हो सकते हैं।

☞ बॉटनी में करियर बनाने के लिए 12वीं में विज्ञान विषयों का चयन आवश्यक।

☞ ग्रेजुएशन में बॉटनी ऑनर्स या बाएससी इन लाइफ साइंसेज कोर्स हैं बहुत पॉपुलर।

☞ अच्छे करियर के लिए पीजी जरूर करें।

☞ पोस्ट ग्रेजुएशन में स्पेशलाइजेशन करना होता है बेहतर।

★ **करियर के ऑप्शन :-** बॉटनी का एक ग्रैजुएट स्टूडेंट तमाम तरह के अलग-अलग फील्ड में अपने लिए करियर की अपॉर्चुनिटी हो सकता है। एक बायोटेक्नोलॉजी के फील्ड में काम कर रही किसी एक फार्म से लेकर फूड प्रोसेसिंग कंपनी ड्रग एंड फार्मास्यूटिकल फर्म, एनवायरमेंट और इकोलॉजी में काम करने वाले रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि ने बीएससी ग्रैजुएट्स के लिए करियर के कई अवसर हो सकते हैं, लौटने के साथ बीएससी करने के बाद अगर आपने बीएड या टीचिंग का कोई डिग्री या डिप्लोमा कर लिया तो आपके लिए साइंस टीचिंग में भी अच्छे खासे अवसर मौजूद होते हैं। बॉटनी में मास्टर डिग्री करने के बाद करियर के विकल्प बढ़ सकते हैं। वनस्पति विज्ञान में पीजी करने के बाद आप एक प्लांट बॉयोकैमिस्ट से लेकर जेनेटिक्स में काम कर सकते हैं या फिर किसी रिसर्च फर्म में साइंटिस्ट बन सकते हैं। हॉर्टिकल्चर, फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री, बॉयोटेक्नॉलाजी के सेक्टर में भी बॉटनी में पोस्ट ग्रेजुएशन या रिसर्च प्रोग्राम्स करने के बाद आप काम कर सकते हैं। एग्रीकल्चर में कंसलटेंट बन सकते हैं। रिसर्च का एक बहुत बड़ा सेक्टर है जहां बॉटनी की पीजी डिग्री के बाद आप करियर को नई ऊंचाइयों दे सकते हैं। यूरोप, अमेरिका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया आदि महाद्वीपों में प्लांट साइंसेज में काम करने वाले टॉप रिसर्च इंस्टीट्यूशंस में रिसर्च साइंटिस्ट के बतौर काम करने का अवसर आपको मिल सकता है। अगर आपकी रूचि टीचिंग में है तो बॉटनी विषय में नेट जेआरएफ

और पीएचडी करने के बाद आप दुनिया भर के कॉलेज और यूनिवर्सिटी में इस विषय का अध्यापन काम भी कर सकते हैं।

☆ **सैलेरी :-** बॉटनी के साथ ग्रेजुएशन करने पर आपको आमतौर पर एक साइंटिफिक असिस्टेंट रिसर्च असिस्टेंट या फिर स्कूल टीचर्स आदि जैसा काम मिल सकता है। इस तरह के फील्ड में शुरुआती तौर पर आपको 3 से 5 लाख रुपए की सैलरी औसतन सालाना मिल सकती है। अगर आप बॉटनी में मास्टर्स करने के बाद में जूनियर साइंटिस्ट या रिसर्च फेलो काम करते हैं तो आपका वेतन 4 से 7 लाख सालाना तक हो सकता है। बॉटनी की रिसर्च आदि डिग्री करने के बाद अनुभव के साथ आपका वेतन और भी बेहतर हो सकता है। जैनेटिक्स और एडवांस साइंसेज के फील्ड में एक बॉटनिस्ट को बहुत ही शानदार सैलरी मिलती है। अच्छी एजुकेशन और स्पेशलाइजेशन वाले स्टूडेंट्स को बॉटनी के फील्ड में देश-विदेश के रिसर्च इंस्टिट्यूट्स में भी लाखों की सैलरी मिलती हैं।

☆ **कहां से करें कोर्स :-** बॉटनी में देशभर के प्रत्येक क्षेत्र में मौजूद ग्रैजुएट लेवल के और पोस्टग्रैजुएट लेवल के कॉलेजों से बीएससी की जा सकती है। अगर आप यूनिवर्सिटी में पढ़ने की इच्छा रखते हैं तो देश भर में केंद्रीय विश्वविद्यालय,

स्टेट यूनिवर्सिटीज और निजी विश्वविद्यालय तथा संस्थानों से ग्रेजुएशन करने का मौका आपको मिल सकता है। इसी तरह मास्टर्स लेवल के कोर्स करने के लिए भी सेंट्रल यूनिवर्सिटीज और स्टेट यूनिवर्सिटी तथा अन्य संस्थाओं से तरह-तरह के पॉपुलर को किए जा सकते हैं। यहां ध्यान देने की बात है कि आप अपनी स्टडीज के लिए एक ऐसे इंस्टीट्यूशंस को चुनें जिसमें अंडरग्रैजुएट से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन में स्पेशलाइजेशन के और रिसर्च के अच्छे संसाधन मौजूद हों। अनेक सरकारी विश्वविद्यालयों की में कुछ डिपार्टमेंट ऐसे होते हैं जिनका बॉटनी की किसी एक ब्रांच में अच्छा स्पेशलाइजेशन होता है।

☞ बॉटनी में ग्रैजुएट और पोस्टग्रैजुएट लेवल के कॉलेजों में आसानी से उपलब्ध।

☞ सेंट्रल और स्टेट यूनिवर्सिटीज के साथ ही प्राइवेट कॉलेजों से भी बीएससी करने के विकल्प उपलब्ध।

☞ अलग-अलग इंस्टिट्यूट्स की एडमिशन पॉलिसी के अनुसार होते हैं प्रवेश।

☞ विदेशी यूनिवर्सिटीज और संस्थानों से पीजी करने के लिए मिलती हैं कई फैलोशिप्स।

आपके लिए अच्छा होगा कि इस तरह के इंस्टिट्यूट में से यदि आप मास्टर्स कर सकें इन दिनों तमाम सेंट्रल यूनिवर्सिटी में एडमिशन सीयूईटी के माध्यम से ही होता है। अत: समय-समय पर इस तरह के नोटिफिकेशन पर नजर रखें ताकि आप अच्छे संस्थान से पढ़ सकें। अगर आप बैचलर करने के बाद में किसी विदेशी यूनिवर्सिटी से पढ़ना चाहते हैं तो जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका के कई टॉप इंस्टिट्यूशन मास्टर कोर्स करने के लिए तमाम तरह की फेलोशिप भी देते हैं। हालांकि वहां के लिए आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स भी बहुत अच्छी होनी चाहिए, खासकर अंग्रेजी भाषा में कम्युनिकेशन स्किल आपको बहुत मदद कर सकती है। तो अगर आपकी रूचि पेड़-पौधों और प्रकृति में है तो बॉटनी आपके लिए एक बहुत ही शानदार विकल्प हो सकता है। वास्तव में बॉटनी एक ऐसा शानदार सब्जेक्ट है, जिसमें करियर की संभावनाएं हमेशा ही मौजूद रहने वाली है।●

धरा पर संकट : साल दर साल क्यों प्रचंड हो रही गर्मी?

● **नवीन रांगियाल**

क्या हो अगर आपके सामने लोहे की सलाखें पिघलकर रिसने लगें, या सड़कों का डामर पिघलकर लिक्विड बन जाए। ऐसा अब तक हमने साइंस फिक्शन फिल्मों में देखा है, लेकिन इस तरह की 'तपन' हकीकत में महसूस होने लगे तो क्या इंसानी जीवन की कल्पना की जा सकती है। शायद नहीं। जी, हां पहले से ही वायरस और भूकंप जैसी आपदाओं से जूझती दुनिया के लिए अब तापमान एक 'नया खतरा' है। दरअसल, दुनिया के तापमान (वैश्विक तापमान) में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वैज्ञानिक कई बार ये चेतावनी दे चुके हैं कि धरती का पारा बढ़ रहा है। इसमें हर साल इजाफा हो रहा है। इस झुलसती गर्मी के पीछे कई वजहें हैं।

☞ **क्या 50 डिग्री को पार करेगा पारा?**

1850 से 1900 के बीच दुनिया का जो औसत तापमान था वो अब 1.15 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। यानी ग्लोबल टेंपरेचर में इतना इजाफा हुआ है। यही वजह थी कि 2015 से 2022 तक सभी 8 साल बेहद गर्म रहे थे। 1990 के दशक में साल का औसत तापमान 26.9°C हुआ करता था। अब कुछ साल से दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों का तापमान 40 के पार जा रहा है। वहीं देश के दूसरे राज्यों और शहरों में 40 से लेकर 45 डिग्री तक तापमान दर्ज हो रहा है। रिपोर्ट की माने तो हर दो दशकों में 10-14 डिग्री तक तापमान बढ़ा है। इस रफ्तार को दर्ज करें तो आने वाले दो दशकों में यानी करीब 2045-50 के आसपास गर्मी 50 डिग्री तक पहुंच सकती है।

✯ **क्यों दहशत में है नासा (NASA)?**

☞ विश्व मौसम विज्ञान संगठन (World Meteorological Organisation :- WMO के छह मुख्य अंतरराष्ट्रीय तापमान डेटासेट के मुताबिक पिछले 8 साल दुनियाभर के रिकॉर्ड पर सबसे गर्म थे। यह लगातार बढ़ती ग्रीनहाउस गैस की मात्रा और इससे होने वाली गर्मी की वजह से था। इसका मतलब यह है कि 2022 में पृथ्वी 19वीं सदी के अंत के औसत से लगभग 1.11 डिग्री सेल्सियस गर्म थी। यही वजह है कि नासा (NASA) ने भी दुनिया पर आने वाले इस नए खतरे को लेकर डर जाहिर किया है। ☞ World Meteorological Organisation :- WMO की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। नासा (छौ।) के प्रशासक बिल नेल्सन ने हाल ही में कहा था- लगातार बढ़ती गर्मी खतरनाक है। जलवायु पहले ही गर्म होने के रिकॉर्ड बना रही है, जंगलों में आग और भयावह हो रही है, तूफान खतरनाक होते जा रहे हैं, सूखा कहर बरपा रहा है और समुद्र का स्तर बढ़ रहा है। ऐसे में दुनिया की हालत क्या होगी।

☞ **2022 में यूरोप में हजारों की हुई थी मौत**

पिछले साल ॅभ्ठ (क्षेत्रीय यूरोप) के निदेशक हंस क्लूज मुताबिक 2022 में गर्मी की वजह से 15 हजार लोगों की मौत हो गई थी। जबकि जर्मनी में 4500 लोग, स्पेन में 4000 लोगों की मौत, पुर्तगाल में 1000 से ज्यादा लोगों की मौत, यूके में 3200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। भारत के कई शहरों और राज्यों में गर्मी का पारा 40 के पार जा चुका है। शोध और विशेषज्ञ मानते हैं कि इंसान का शरीर 36-37 डिग्री तक तापमान बर्दाश्त कर सकता है। जबकि कई देशों और राज्यों में गर्मी का पारा 50 तक पहुंचने की रिपोर्ट पहले से ही दहशत में डाल रही है। सोचिए अगर यह 50 तक पहुंचा तो क्या स्थिति होगी?

☞ **भारत की क्या स्थिति होगी?**

☞ World Meteorological Organisation :- WMO की ही रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर में हो रहे जलवायु परिवर्तन और बढ़ रहे तापमान का सबसे बुरा असर भारत, पाकिस्स्तान और बांग्ष्लादेश पर होगा। भारत के कई हिस्स्सों में लू (Heat wave) तो पिछले कुछ सालों में बहुत ज्यादा देखी गई है। आबादी के मान से भी भारत पर ज्यादा असर होगा। यहां गर्मी (Heat wave) से मरने वालों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। कुल मिलाकर WMO की रिपोर्ट के मुताबिक जलवायु परिवर्तन का सबसे भारी नुकसान भारत, पाकिस्स्तान और बांग्लादेश झेलेगा। क्लाइमेट ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट 2022 में कहा गया है कि भारत में गर्मी के संपर्क में आने से 167 अरब काम के घंटों का नुकसान हुआ है, जो 1990-1999 से 39 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक 2021 में अत्यधिक गर्मी के कारण सेवा, विनिर्माण, कृषि और निर्माण क्षेत्रों में भारत को 159 बिलियन अमेरिकी डॉलर, जो कि सकल घरेलू उत्पाद का 5.4 प्रतिशत आय का नुकसान हुआ। 2030

तक गर्मी के तनाव के कारण उत्पादन क्षमता में गिरावट को लेकर रिपोर्ट भी है। जिसमें कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर 8 करोड़ नौकरियां जाएंगी। इनमें से 3.4 करोड़ नौकरियां भारत में जाएंगी।

☞ **क्या है IPCC की रिपोर्ट में?**

इस बढ़ती गर्मी में संयुक्त राष्ट्र की प्च्ब् की रिपोर्ट का जिक्र भी जरूरी है। यह रिपोर्ट लंबे समय की रिसर्च के बाद सामने आई थी। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के साथ ही IPCC (Intergovernmental Panel on Climate Change) की जो रिपोर्ट आई थी। रिपोर्ट के मुताबिक उत्सर्जन के आधार पर हम करीब 10 से 20 साल में तापमान के मामले में 1.5 डिग्री की बढ़ोतरी पर पहुंच जाएंगे। यह भारत के लिए खतरनाक है, क्योंकि गर्मी बढ़ने से भारत के 50% हिस्से और ऐसे लोगों पर भारी प्रभाव पड़ेगा, जिनका जीवनयापन सीधे तौरपर पर्यावरण पर निर्भर करता है। विशेषज्ञों का दावा है कि इस गति से गर्मी बढ़ना मानव जाति के इतिहास में 2000 साल में पहली बार देखा गया है। इससे भारत के लोगों पर भारी असर होगा, खासकर ऐसे 40 करोड़ लोगों पर जिनका रोजगार पर्यावरण या इसी तरहघ के संसाधनों चलता है। जबकि दुनिया की 90 फीसदी आबादी पर असर होगा। ये आबादी अत्याधिक गर्मी और सूखे से जुड़े खतरों का सामना करेगी।

☞ **234 वैज्ञानिकों की इस रिपोर्ट में क्या है?**

यह 3000 पन्नों से ज्यादा की रिपोर्ट है। इसे दुनिया के 234 वैज्ञानिकों ने तैयार किया है। जिसमें कहा गया है कि तापमान से समुद्र स्तर बढ़ रहा है, बर्फ का दायरा सिकुड़ रहा है और प्रचंड लू, सूखा, बाढ़ और तूफान की घटनाएं बढ़ रही हैं। ऊष्णकटिबंधीय चक्रवात और मजबूत और बारिश वाले हो रहे हैं, जबकि आर्कटिक समुद्र में गर्मियों में बर्फ पिघल रही है और इस क्षेत्र में हमेशा जमी रहने वाली बर्फ का दायरा घट रहा है।

☞ **200 देश 'क्लाइमेट चेंज' से लड़ रहे युद्ध**

साल 2015 में पेरिस जलवायु समझौता हुआ था, जिसमें 200 देशों ने इस ऐतिहासिक जलवायु समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, इस समझौते का मकसद था दुनिया में हो रही तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस (3.6 डिग्री फारेनहाइट) से कम रखना। इसके साथ ही यह तय करना कि यह पूर्व औद्योगिक समय की तुलना में सदी के अंत तक 1.5 डिग्री सेल्सियस (2.7 फारेनहाइट) से ज्यादा न हो। रिपोर्ट में शामिल 200 से ज्यादा लेखक पांच परिदृश्यों पर नजर बनाए हुए हैं और उनका मानना है कि किसी भी स्थिति में दुनिया 2030 तक 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान के आंकड़े को पार कर लेगी। यह आशंका पुराने पूर्वानुमानों से काफी पहले है।

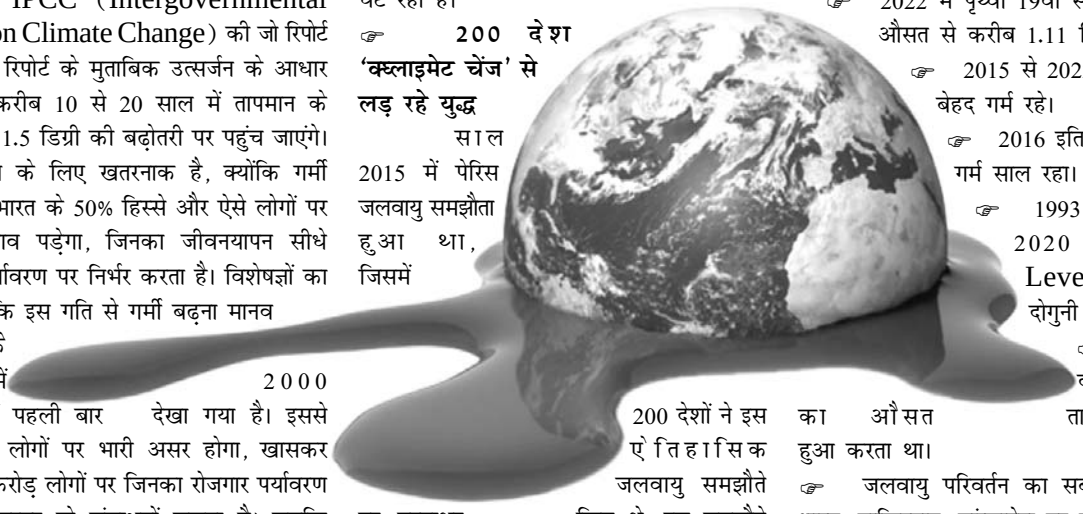

☞ 2022 में दुनिया का तापमान छौ। की बेसलाइन अवधि 1951-1980 के औसत से 0.89 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था।

☞ 2022 में पृथ्वी 19वीं सदी के अंत के औसत से करीब 1.11 डिग्री गर्म थी।

☞ 2015 से 2022 तक 8 साल बेहद गर्म रहे।

☞ 2016 इतिहास का सबसे गर्म साल रहा।

☞ 1993 की तुलना में 2020 में (Sea Level Rise) में दोगुनी बढ़ोतरी हुई।

☞ 1990 के दशक में साल का औसत तापमान 26.9°C हुआ करता था।

☞ जलवायु परिवर्तन का सबसे बुरा असर भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश पर होगा।

☞ 2030 तक गर्मी की वजह से भारत में 3.4 करोड़ नौकरियां जा सकती हैं।

☞ **आकड़ें :** 'WMO प्रोविजिनल स्टेट ऑफ द ग्लोबल क्लाइमेट 2022श की डाउन टू अर्थ में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक।●

29 जून को होंगी देवशयनी एकादशी

मांगलिक कार्य पर इस एकादशी के बाद कुछ महीने के लिए लगेंगे विराम : ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा

● निलेन्दु झा

भारत के प्रसिद्ध, प्रतिष्ठित,एवं विश्वसनीय ज्योतिष संस्थानों में एक ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान, प्रताप चौक, सहरसा बिहार के संस्थापक एवं निर्देशक ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा जी ने बताया की आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को ही देवशयनी एकादशी के नाम से जाना जाता है. इस वर्ष देवशनी एकादशी 29 जून 2023 के दिन मनाई जानी है. इसी दिन से चातुर्मास का आरंभ भी माना गया है, और मांगलिक कार्य पर भी इस देवशयनी एकादशी के बाद कुछ दिन के लिए विराम लग जायेंगे! हरिशयनी एकादशी को पद्मनाभा के नाम से भी जाना जाता है सभी उपवासों में देवशयनी एकादशी व्रत श्रेष्ठतम कहा गया है. इस व्रत को करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, तथा सभी पापों का नाश होता है!

☞ **इसकी विस्तृत जानकारी :-** धर्मराज युधिष्ठिर ने कहा- हे केशव, आषाढ़ शुक्ल एकादशी का क्या नाम है? इस व्रत के करने की विधि क्या है और किस देवता का पूजन किया जाता है? श्रीकृष्ण कहने लगे कि हे युधिष्ठिर,जिस कथा को ब्रह्माजी ने नारदजी से कहा था वही मैं तुमसे कहता हूं, एक समय नारद जी ने ब्रह्माजी से यही प्रश्न किया था, तब ब्रह्माजी ने उत्तर दिया कि हे नारद तुमने कलियुगी जीवों के उद्धार के लिए

पंडित तरूण झा

बहुत उत्तम प्रश्न किया है। क्योंकि देवशयनी एकादशी का व्रत सब व्रतों में उत्तम है, इस व्रत से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं! इस व्रत के करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं,इस एकादशी का नाम पद्मा है, अब मैं तुमसे एक पौराणिक कथा कहता हूं, तुम मन लगाकर सुनो:- सूर्यवंश में मांधाता नाम का एक चक्रवर्ती राजा हुआ है, जो सत्यवादी और महान प्रतापी था,वह अपनी प्रजा का पुत्र की भांति पालन किया करता था,उसकी सारी प्रजा धनधान्य से भरपूर और सुखी थी,उसके राज्य में कभी अकाल नहीं पड़ता था, एक समय उस राजा के राज्य में तीन वर्ष तक वर्षा नहीं हुई और अकाल पड़ गया,प्रजा अन्न की कमी के कारण अत्यंत दुखी हो गई। अन्न के न होने से राज्य में यज्ञादि भी बंद हो गए,एक दिन प्रजा राजा के पास जाकर कहने लगी कि हे राजा,सारी प्रजा त्राहि-त्राहि पुकार रही है, क्योंकि समस्त विश्व की सृष्टि का कारण वर्षा है। वर्षा के अभाव से अकाल पड़ गया है और अकाल से प्रजा मर रही है, इसलिए हे राजन,कोई ऐसा

उपाय बताओ जिससे प्रजा का कष्ट दूर हो, राजा मांधाता कहने लगे कि आप लोग ठीक कह रहे हैं, वर्षा से ही अन्न उत्पन्न होता है और आप लोग वर्षा न होने से अत्यंत दुखी हो गए हैं,मैं आप लोगों के दुखों को समझता हूं। ऐसा कहकर राजा कुछ सेना साथ लेकर वन की तरफ चल दिया,वह अनेक ऋषियों के आश्रम में भ्रमण करता हुआ अंत में ब्रह्माजी के पुत्र अंगिरा ऋषि के आश्रम में पहुंचा, वहां राजा ने घोड़े से उतरकर अंगिरा ऋषि को प्रणाम किया। मुनि ने राजा को आशीर्वाद देकर कुशलक्षेम के पश्चात उनसे आश्रम में आने का कारण पूछा, राजा ने हाथ जोड़कर विनीत भाव से कहा कि हे भगवन! सब प्रकार से धर्म पालन करने पर भी मेरे राज्य में अकाल पड़ गया है, इससे प्रजा अत्यंत दुखी है,राजा के पापों के प्रभाव से ही प्रजा को कष्ट होता है, ऐसा शास्त्रों में कहा है। जब मैं धर्मानुसार राज्य करता हूं तो मेरे राज्य में अकाल कैसे पड़ गया? इसके कारण का पता मुझको अभी तक नहीं चल सका। अब मैं आपके पास इसी संदेह को निवृत्त कराने के लिए आया हूं। कृपा करके मेरे इस संदेह को दूर कीजिए। साथ ही प्रजा के कष्ट को दूर करने का कोई उपाय बताइए,इतनी बात सुनकर ऋषि कहने लगे कि हे राजन! यह सतयुग सब युगों में उत्तम है। इसमें धर्म को चारों चरण सम्मिलित हैं अर्थात इस युग में धर्म की सबसे अधिक उन्नति है। लोग ब्रह्म की उपासना करते हैं और केवल ब्राह्मणों को ही वेद पढ़ने का अधिकार है। ब्राह्मण ही तपस्या करने का अधिकार रख सकते हैं, परंतु आपके राज्य में एक शूद्र तपस्या कर रहा है। इसी दोष के कारण आपके राज्य में वर्षा नहीं हो रही है। इसलिए यदि आप प्रजा का भला चाहते हो तो उस शूद्र का वध कर दो,इस पर राजा कहने लगा कि महाराज मैं उस निरपराध तपस्या करने वाले शूद्र को किस तरह मार सकता हूं। आप इस दोष से छूटने का कोई दूसरा उपाय बताइए। तब ऋषि कहने लगे कि हे राजन! यदि तुम अन्य उपाय जानना चाहते हो तो सुनो। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की पद्मा नाम की एकादशी का विधिपूर्वक व्रत करो। व्रत के प्रभाव से तुम्हारे राज्य में वर्षा होगी और प्रजा सुख प्राप्त करेगी क्योंकि इस एकादशी का व्रत सब सिद्धियों को देने वाला है और समस्त उपद्रवों को नाश करने वाला है। इस एकादशी का व्रत तुम प्रजा, सेवक तथा मंत्रियों सहित करो। मुनि के इस वचन को सुनकर राजा अपने नगर को वापस आया और उसने विधि पूर्वक पद्मा एकादशी का व्रत किया। उस व्रत के प्रभाव से वर्षा हुई और प्रजा को सुख पहुंचा। अत: इस मास की एकादशी का व्रत सब मनुष्यों को करना चाहिए। यह व्रत इस लोक में भोग और परलोक में मुक्ति को देने वाला है। इस कथा को पढ़ने और सुनने से मनुष्य के समस्त पाप नाश को प्राप्त हो जाते हैं, **इति।**

इस बार आषाढ़ माह में पांच सोमवार का शुभ संयोग
क्या होगी अच्छी बारिश?

आषाढ़ माह से बारिश भी प्रारंभ हो जाती है और इसी माह में सोमवार के व्रत भी प्रारंभ हो जाते हैं। हालांकि श्रावण सोमवार के व्रत आषाढ़ माह के बाद आने वाले सावन मास में होते हैं परंतु जो लोग 16 सोमवार का व्रत करना चाहते हैं वे इसी माह से प्रारंभ कर देते हैं। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार आषाढ़ माह का प्रारंभ 5 जून 2023 से हुआ है जो 3 जुलाई तक रहेगा। इस बीच 4 की जगह इस बार 5 सोमवार का शुभ संयोग बन रहा है।

5 जून : पहला सोमवार
12 जून : दूसरा सोमवार
19 जून : तीसरा सोमवार
26 जून : चौथा सोमवार
03 जुलाई : पांचवां सोमवार

आषाढ़ मास सोमवार से प्रारंभ होकर सोमवार को ही समाप्त हो रहा है। सोमवार को सौम्य वार माना गया है, इसलिए ये संयोग शुभ फलदायी माना जा रहा है। ये शुभ योग अच्छी बारिश होने और देश की उन्नति का संकेत भी दे रहा है। यदि बारिश अच्छी होती है तो देश में उपद्रव और विरोध प्रदर्शनों में भी कमी आने की संभावना है।

आषाढ़ माह में ही देव शयनी एकादशी के दिन से देव सो जाते हैं तब चातुर्मास का प्रारंभ हो जाता है। यह चार माह पूरे बारिश के ही रहते हैं। इस माह में व्रत, पूजा, पाठ और साधना का खास महत्व रहता है। इस माह में की गई पूजा पाठ और साधना तुरंत ही फल देने वाली होती है। अत: यदि आप चातुर्मास का पालन नहीं कर पा रहे हैं तो कम से कम जब तक श्रावण सोमवार चले तब तक व्रतों का पालन करें। यह भी नहीं कर पा रहे हैं तो कम से कम सोमवार के दिन ही व्रत रखें।●

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- यह महीना मेष राशि के जातकों के लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा लेकिन कोई नई गाड़ी खरीदने या प्रॉपर्टी खरीदने के लिए बहुत अच्छा समय है. इस समय में आपको ऐसी चीजें खरीदने में सफलता मिल सकती है. इनसे घर में खुशियां भी आएंगी घर में कोई फंक्शन भी हो सकता है. आप अधिकार से बात करेंगे जिससे लोग आपकी बातों को सुनेंगे!

वृषभ राशि :- यह महीना आपके लिए खर्चों से भरा रहने वाला है, इसलिए आपको कमर कसकर तैयार रहना होगा. इनकम तो ठीक होगी लेकिन खर्च इतने ज्यादा होंगे कि आपको उन्हें कंट्रोल करना भारी पड़ेगा और यदि आप कंट्रोल नहीं कर पाए, तो बाद में परेशान हो सकते हैं. भाइयों, बहनों और दोस्तों का सपोर्ट आपके साथ रहेगा, जो आपको चुनौतियों से बाहर निकलने में मदद करेंगे. घर का माहौल सहयोग पूर्ण रहेगा!

मिथुन राशि :- मिथुन राशि के जातकों को इस महीने की शुरुआत से ही अच्छी इनकम देखने को मिलेगी. शुरुआत में खर्चे भी होंगे लेकिन आपके कंट्रोल में ही होंगे, जो महीने के सेकंड हाफ में आपके कंट्रोल में आ जाएंगे. इनकम बढ़िया होने से आपके सभी काम बनने लगेंगे. लव लाइफ के लिए अच्छा समय होगा. आप अपने लवर के लिए कुछ बढ़िया गिफ्ट लेकर आएंगे. घर में भी कोई फंक्शन हो सकता है. घरवालों के साथ पिकनिक या किसी टूर पर जाने की कोशिश करेंगे!

कर्क राशि :- कर्क राशि के जातकों को महीने के शुरुआत में मानसिक द्वंद का सामना करना पड़ सकता है. परिवार की स्थिति तनावपूर्ण रहेगी. घर में अशांति हो सकती है. आपसी तालमेल की कमी से मन काम में कम लगेगा लेकिन व्यापार में सफलता मिलेगी. नए लोगों के जुड़ाव से व्यापार में गतिशीलता आएगी. गृहस्थ जीवन में रोमांस रहेगा और आप और आपके लाइफ पार्टनर कोई नया बिजनेस स्टार्ट कर सकते हैं!

सिंह राशि :- सिंह राशि के जातकों के लिए यह महीना शुरुआत में बहुत अच्छा रहेगा. नौकरी में आपको पद प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा. सरकारी नौकरी प्राप्त हो सकती है. जो लोग सरकारी जॉब में हैं, उन्हें अच्छा प्रमोशन मिल सकता है. इनकम बढ़ेगी. महीने के सेकंड हाफ में और भी अच्छी इनकम होने के योग बनेंगे. परिवार में आपसी तालमेल अच्छा रहेगा. जॉब चेंज भी कर सकते हैं. महीने की शुरुआत में खर्च ज्यादा रहेंगे!

कन्या राशि :- कन्या राशि के लोगों को महीने की शुरुआत में सेहत का ध्यान रखना पड़ेगा क्योंकि इस महीने सेहत कमजोर रह सकती है. मानसिक तनाव का भी सामना होगा लेकिन आप उससे दूसरे सप्ताह तक बाहर निकल जाएंगे. इनकम में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी लेकिन दूसरा और तीसरा सप्ताह कुछ खर्चों में तेजी लाएगा. इस को कंट्रोल में करने के लिए आपको बहुत मेहनत करनी पड़ेगी!

तुला राशि :- आपके लिए इस महीने की शुरुआत बहुत बढ़िया रहेगी. आप अपनी जॉब में संतुष्ट रहेंगे. खूब मेहनत करेंगे. इसके आपको अच्छे नतीजे मिलेंगे. बिजनेस करने वालों को कुछ नए लोगों से मिलना पड़ेगा. बिजनेस पार्टनर से कहासुनी हो सकती है लेकिन बिजनेस अच्छी ग्रोथ करेगा. आपकी कोई पुरानी सोची-समझी स्कीम सफल हो सकती है. दूसरे और तीसरे सप्ताह में ट्रेवलिंग के योग बनेंगे!

वृश्चिक राशि :- वृश्चिक राशि के जातकों को इस महीने की शुरुआत में कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट करने से बचना चाहिए लेकिन महीने के दूसरे और तीसरे सप्ताह में आप अच्छी इन्वेस्टमेंट करने में सफल हो सकते हैं. मानसिक तनाव को खुद पर हावी होने से रोकें, नहीं तो आपके काम अटक सकते हैं. जॉब के लिए समय अनुकूल है. आपको प्रमोशन मिल सकता है. पद प्रतिष्ठा का लाभ होगा!

धनु राशि :- इस महीने धनु राशि के लोगों को अच्छी इनकम का बेनिफिट मिलेगा. आपकी इनकम बढ़ती चली जाएगी और इस महीने आपके पास अच्छी मात्रा में धन उपलब्ध होगा. खर्चे नियंत्रण में रहेंगे, इसलिए आप कुछ सेविंग भी कर पाएंगे और किसी नई स्कीम में धन लगा सकते हैं. महीने की शुरुआत में वाहन सावधानी से चलाएं. पेट से संबंधित रोग परेशान कर सकते हैं!

मकर राशि :- इमकर राशि के लोगों के लिए इस महीने की शुरुआत अच्छी रहेगी लेकिन आपको अपने काम पर ध्यान देना होगा. अगर आप जॉब करते हैं तो अपने काम पर ज्यादा ध्यान दें और इधर-उधर की बातों पर ध्यान देने से बचें, नहीं तो काम में समस्या आ सकती है. बिजनेस करने वालों के लिए पूरा महीना बढ़िया रहेगा. आपका बिजनेस ग्रोथ करेगा. इनकम बढ़ेगी. पारिवारिक जीवन में कुछ तनाव रहेगा!

कुंभ राशि :- आपके लिए यह महीना अनुकूल रहने वाला है. आप कोई नई गाड़ी खरीद सकते हैं लेकिन उसके लिए महीने की शुरुआत अच्छी नहीं है क्योंकि दुर्घटना हो सकती है. महीने के सेकंड हाफ में ही कोई गाड़ी खरीदने की कोशिश करें. नौकरी में ट्रांसफर के योग बन सकते हैं जबकि बिजनेस करने वालों को इस महीने गवर्नमेंट सेक्टर से अच्छा बेनिफिट मिल सकता है!

मीन राशि :- मीन राशि के जातकों के लिए यह महीना शुरुआत में कमजोर रहेगा. मानसिक तनाव ज्यादा होगा. खर्चे तेजी से बढ़ते रहेंगे और इनकम लिमिटेड होगी लेकिन सेकंड वीक से आपकी इनकम अच्छी होगी और खर्चों में कमी आने लगेगी. भाइयों का सपोर्ट मिलेगा और आपका बिजनेस तेज गति से ग्रो करेगा. जॉब करने वालों के लिए भी यह महीना अच्छा रहने वाला है!

☆ **क्या पुलिस किसी अपराधी की गिरफ्तारी करते समय गिरफ्तारी का विरोध करने पर उसकी हत्या भी कर सकती है?**

यदि कोई व्यक्ति गिरफ्तारी का बलपूर्वक विरोध करता है तो पुलिस अधिकारी हत्या के अभियुक्त व्यक्ति की मृत्यु कारित कर सकता है किंतु दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 46 (3) से यह स्पष्ट होता है कि यदि मृत्यु या आजीवन कारावास से दंडनीय अपराध का अभियुक्त अपनी गिरफ्तारी का बलपूर्वक विरोध करता है तो पुलिस अधिकारी उसकी मृत्यु कारित कर सकता है या अगर खतरनाक अपराधी जिस पर हत्या का आरोप हो वह कैद से फरार हो रहा हो तो उसकी हत्या पुलिस कर सकती है या सेल्फ डिफेंस में भी पुलिस वैसे मुदालय की हत्या कर सकती है। पुलिस द्वारा फर्जी एनकाउंटर के मामले भी काफी चर्चा में इन दिनों रहे हैं खासकर उत्तर प्रदेश राज्य में कई फर्जी एनकाउंटर की बातें मीडिया में सुनने को मिली है जब भी कोई एनकाउंटर का विरोध होता है तो सरकार उसे सीबीआई के हवाले जांच करने के लिए भेज देती है ताकि उनके सरकार की फजीहत ना हो।

☆ **क्या दो नपुंसको या दो पुरुषों या स्त्रियों के बीच किया गया विवाह वैध होता है?**

दो नपुंसको के बीच किया गया विवाह शुन्य होता है यही बात दो पुरुषों के बीच या दो महिलाओं के बीच किया गया विवाह के ऊपर भी लागू होता है क्योंकि विवाह के लिए दो पक्ष कार होनी चाहिए जिनमें एक पक्षकार का पुरुष होना तथा दूसरे पक्षकार का स्त्री होना आवश्यक होता है इसलिए यदि दो पुरुष आपस में विवाह करते हैं तो वह विवाह शुन्य माना जाएगा या दो महिला आपस में विवाह करती है तो भी वह विवाह शुन्य होता है।

☆ **क्या किसी मुकदमे को लड़ने से वकील मना कर सकता है?**

सुप्रीम कोर्ट ने अधिवक्ता समुदाय को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण निर्णय दिया था कि वकील या उनके संगठन किसी अभियुक्त की ओर से न्यायालय में पेश होने से इंकार नहीं कर सकते हैं भले ही वह आतंकी बलात्कारी हत्यारा या कोई अन्य क्यों ना हो ,इस तरह का कोई भी इनकार संविधान का बार काउंसिल के मानकों का और भगवत गीता के सिद्धांत का उल्लंघन होगा। न्यायाधीश मार्कंडेय काटजू और ज्ञान सुधा मिश्रा की पीठ ने अपने एक आदेश में इस बात पर चिंता व्यक्त की थी कि देशभर में बार एसोसिएशन और वकीलों द्वारा किसी न किसी कारण से अभियुक्तों की ओर से न्यायालय में पेश नहीं होने का चलन बढ़ रहा है ।न्यायमूर्ति कि उक्त खंडपीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा है कि पेशेवर आचार नीति की मांग है कि यदि मुदालय फीस देने को तैयार है तो वकील बहस करने से इनकार नहीं कर सकता है इसलिए बार एसोसिएशन का इस तरह का प्रस्ताव कि उनका कोई भी साथी किसी खास अभियुक्त के मामले में न्यायालय में पेश नहीं होगा संविधान कानून और पेशेवर आचार नीति के सभी मानदंडों के विरुद्ध तथा बार एसोसिएशन की महान परंपरा के भी विरुद्ध है जो हमेशा किसी अपराध के लिए अपराधी का बचाव करने के लिए तत्पर रहती है ।वर्ष 2007 में एक आंदोलन के दौरान पुलिसकर्मियों और कोयंबटूर के वकीलों द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध दार आपराधिक मामलों को खारिज करते हुए खंडपीठ ने उपर्युक्त निर्णय दिया था।

☆ **दहेज देने या लेने के लिए कानून में कितने वर्षों तक की सजा का प्रावधान है ?**

यदि कोई व्यक्ति दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 के प्रावधान लागू होने के पश्चात दहेज देगा या लेगा अथवा दहेज देने या लेने के लिए दुश प्रेरित करेगा तो उसे 5 वर्षों तक की सजा और कम से कम 15000 रू० तक का जुर्माना या ऐसे दहेज के मूल्य तक की राशि इनमें से जो भी अधिक हो की सजा दी जा सकती है इसकी व्यवस्था दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3 में किया गया है साथ ही अगर कोई व्यक्ति दहेज के लिए या किसी अन्य बातों के लिए अपनी पत्नी के प्रति क्रूरता का व्यवहार करता है या क्रूरता करता है तो इसके लिए दंड की व्यवस्था भारतीय दंड संहिता की

कानूनी सलाह

शिवानंद गिरि

(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485
7004408851

E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

धारा 498 ए में किया गया है जिसके तहत दोषी व्यक्ति को 3 वर्षों तक के लिए कारावास और जुर्माना हो सकता है यह एक संगेय अपराध माना जाता है साथ ही यह अजमानती भी होता है इसका विचारण फर्स्ट क्लास जुडिशल मजिस्ट्रेट करते हैं।

☆ **अगर कोई नेता अपने भाषण से विभिन्न जातियों एवं धर्मों के लोगों के बीच नफरत पैदा करने वाला कोई बयान या भाषण देता है तो उसके लिए उन पर किस प्रकार के कानूनी बंधन लागू होंगे ?**

यदि कोई व्यक्ति चाहे वह नेता हो या आम पब्लिक हो या किसी भी क्षेत्र से जुड़े हुए व्यक्ति हो वह धर्म मूल वंश जन्म स्थान निवास स्थान भाषा इत्यादि के आधारों पर समाज के विभिन्न जाति वर्गों या समूहों के बीच शत्रुता या नफरत एवं सौहार्द के वातावरण को खराब करने के उद्देश्य से अगर कार्य करते हैं तो उनके लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 153 में बहुत कड़ी सजा का प्रावधान है भारतीय दंड संहिता की धारा 153 में जो वर्णन है उसके अनुसार कोई व्यक्ति जो बोले गए या लिखे गए शब्दों द्वारा या संकेतों द्वारा या दृश्य रूपों द्वारा या अन्यथा विभिन्न धार्मिक मूल्य वंशीय या भाषाई या प्रादेशिक समूह जातियों या समुदायों के बीच सौहार्द, शत्रुता ,घृणा या वह मनुष्य की भावनाएं धर्म मूल वंश जन्म स्थान निवास स्थान भाषा जाति या समुदाय के आधारों पर या अन्य किसी भी आधार पर लोगों को भड़काने या उकसाने का प्रयास करेगा या कोई ऐसा कार्य करेगा जो विभिन्न धार्मिक मूल भाषाई या प्रादेशिक समूह या जातियों या समुदायों के बीच सौहार्द बने रहने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला है और जो लोग शांति में विघ्न डालता है या जिससे कार्य से विघ्न होना संभव हो अथवा कोई ऐसा प्रयास आंदोलन कवायद या अन्य वैसा ही क्रियाकलाप इस आशय से करेगा कि ऐसे क्रियाकलाप में भाग लेने वाले व्यक्ति किसी धार्मिक मूल वंशीय भाषाई या प्रादेशिक समूह या जाति या समुदाय के विभिन्न आपराधिक बल या हिंसा का प्रयोग करेंगे या प्रयोग करने के लिए प्रशिक्षित किए जाएंगे या यह जानते हुए संचालित करेगा कि ऐसे क्रियाकलाप में भाग लेने वाले व्यक्ति किसी धार्मिक मूल वंशीय भाषा प्रादेशिक समूह या जाति या समुदाय के विरुद्ध अपराध इकबालिया हिंसा का प्रयोग करेंगे या प्रयोग करने के लिए प्रशिक्षित किए जाएंगे जिससे समाज में असुरक्षा डर भय की भावना उत्पन्न होती है तो ऐसे दोषी व्यक्ति को भारतीय दंड संहिता की धारा 153 (क) के अनुसार 3 वर्ष तक की कारावास या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है द्यचुनाव के वक्त चुनाव आयोग खासकर यह दिशा निर्देश सभी राजनीतिक पार्टियों को देती है कि वह अपने उम्मीदवारों को यह सख्त हिदायत दें कि वह चुनाव प्रचार में ऐसी कोई बात जनता के सामने उनके भावनाओं को भड़काने वाली बात नहीं करेंगे अगर वह ऐसा करते हुए पाए जाते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है और उन पर जनप्रतिनिधि अधिनियम एवं भारतीय दंड संहिता में जो अपराध के लिए धाराएं हैं उनके अनुसार उन पर मुकदमा चलेगा और उन्हें दोषी पाए जाने पर दंड का भागीदार भी बनना पड़ेगा।

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008

18 Foundation Year 2023

निर्भीकता हमारी पहचान

केवल सच & KEWAL SACH TIMES

हिन्दी मासिक पत्रिका

A National Magazine

महानायक

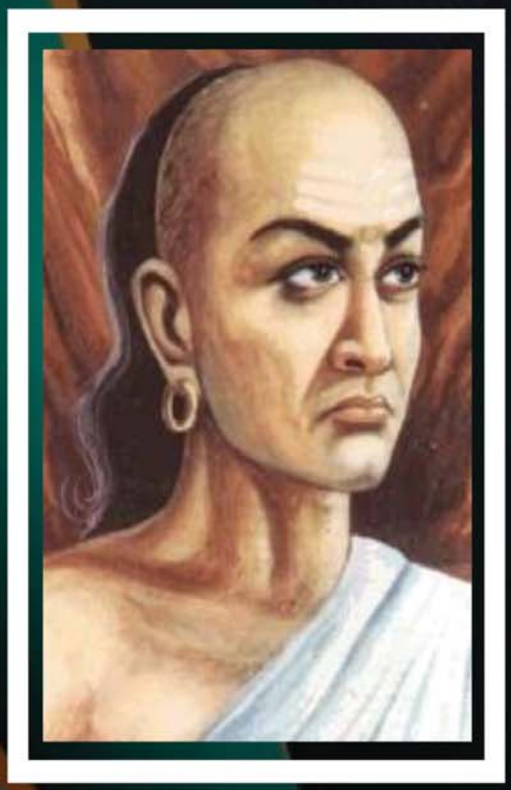

आचार्य चाणक्य

Father of Politics

23 जुलाई, 2023 (रविवार)

समय :- 12.00 PM

आचार्य चाणक्य केवल सच सम्मान - 2023

-: आयोजक :-

निर्भीकता हमारी पहचान

केवल सच

हिन्दी मासिक पत्रिका

Shruti कम्युनिकेशन ट्रस्ट

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-14/28

कंकड़बाग, पटना-800020, बिहार

मो०:-9431073769, 8340360961

कार्यक्रम स्थल :- विद्यापति भवन, पटना (बिहार)